राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 170 पटना (बिहार) मंगलवार,22 अप्रैल 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत का संगम बनेगा बिहार

संवाददाता द्वारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं द्रुत गति से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है। कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है। पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे,वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है। साथ ही सभी कोचों में

सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं। ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी। सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे। इस ट्रेन में फोल्डेबल स्नेक्स टेबल मोबाइल होल्डर फोल्डेबल बॉटल होल्डर हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और स्प्रिंग बॉडी जैसी सुविधाएं दी गई है जिससे यात्रा अधिक आरामदायक होगी। इस ट्रेन के शौचालय में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली लगाई गई है जिससे शौचालय को साफ सुथरा रखने में मदद मिलेगी और पानी का भी कम खर्च होगा सॉप डिस्पेंसर एवं एरोसोल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम भी लगाया गया है। यात्रियों और ट्रेन मैनेजर के बीच दो तरफ संचार के लिए प्रत्येक कोच में इमरजेंसी टॉकबैक सिस्टम है। सभी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है। भारतीय रेल के गैर एसी कोच में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है। गाड़ी की सेफ्टी को बढ़ाने के उद्देश्य से ऑन बोर्ड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है

एक नजर

जहरीला बीज खाने से बच्चे समेत 11 लोग बीमार, कई की स्थिति गंभीर

क्राइम संवाददाता द्वारा

गया : गया में जहरीला बीज खाने से बच्चे सहित 11 लोग बीमार हो गए। सभी बीमार लोगों को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज हो रहा है। मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र के घुरियावां गांव की है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि सोमवार को दस बच्चे और एक शख्स ने जेट्रोफा का बीज खाया, जिसके बाद वे सभी गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। सभी बीमार बच्चों को उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और दस्त होने लगा। यह देख परिजनों ने तुरंत उन सब को वजीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उनके बेहतर इलाज के लिए सभी को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।बीमार होने वालों में चमारी चौधरी (70), सावित्री कुमारी (05), सुभाष कुमार (6), सुनीति कुमारी (6), प्रीति कुमारी (11), चांदनी कुमारी (7), जागृति (8), रचना कुमारी (7), सुरुचि कुमारी (8) और आसिका कुमारी (4) शामिल हैं। इस संबंध में बीमार बच्चों के परिजन अखिलेश चौधरी, श्यामबली कुमार और रेणु देवी ने बताया कि बच्चे स्कूल से दोपहर को लौटने के बाद खेलने चले गये। खेलने के दौरान बच्चों ने एक पेड़ के नीचे गिरे जेट्रोफा (रतनजोर) के फल का बीज खाया। खेलकूद कर जब सभी बच्चे घर लौटे तो सभी के पेट में दर्द, उल्टी, दस्त और चक्कर होने लगा।

तमिलनाडु के कुछ इलाके में बारिश, मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

चेन्नई, । दक्षिण एवं उत्तर तमिलनाडु के आंतरिक जिलों के कुछ क्षेत्रों में सोमवार को बारिश हुई, जबकि उत्तरी तमिलनाडु के बाकी क्षेत्रों और पुडुचेरी के कुछ तटीय जिलों में मौसम शुष्क रहा। मौसम विभाग की रिपोर्ट के बाद स्थानीय प्रशासन ने मछुआरों को तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में न जाने की सलाह दी है।मौसम विभाग के मुताबिक कोविलपट्टी में आज 3 सेमी, इलयानगुडी में 2 सेमी, कामुदी एआरजी में 01 सेमी वर्षा दर्ज की गयी। वेल्लोर का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस और करूर परमती का न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान लड़ेंगे बिहार विधानसभा चुनाव; सांसद बहनोई ने किया एलान

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना :लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविलास पासवान बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। इस बात का एलान चिराग पासवान के सांसद बहनोई अरुण भारती ने किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी और पार्टी के कार्यकर्ता आदेश करेंगे तो चिराग बिहार विधान सभा का चुनाव लड़ेंगे। आगे उन्होंने कहा कि बिहार की जनता उनको चाहती ही है और उन्होंने बिहार के विकास को ही अपनी पूरी की पूरी राजनीतिक धुरी बनाई है इसलिए मुझे लगता है कि पार्टी अगर आदेश करेगी तो चिराग बिहार विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हमारी पार्टी के जितने भी लोग हैं सबकी आकांक्षा है कि चिराग पासवान बिहार में एक बड़ी जिम्मेदारी संभालें। पार्टी के अंदर यह सब बातें तय होने वाली हैं। मुख्यमंत्री का उम्मीदवार कौन होगा

यह गठबंधन में तय होगा। इसका फैसला गठबंधन के बड़े नेता तय करेंगे। सीएम फेस को लेकर अरुण भारती ने कहा कि पार्टी के जितने भी कार्यकर्ता हैं, सभी की यह आकांक्षा है कि चिराग पासवान बिहार में एक बड़ी जिम्मेदारी संभालें। अरुण भारती ने कहा कि चूंकि हम गठबंधन में हैं और हमारी मयार्दा है, हमारी सीमाएं हैं। हम लोग इस सीमा से बंधे हुए हैं, लेकिन बिहार प्रभारी होने के तौर पर हमारे कार्यकताओं की आकांक्षाएं हैं। अरुण भारती ने कहा कि मैं जिस जिले में, जिस प्रखंड में, जिस पंचायत में, गांव-गली मोहल्ले में जाता हूं, सभी लोग चाहते हैं कि चिराग पासवान बिहार में आकर एक बड़ी जिम्मेदारी संभालें। अरुण भारती ने कहा कि अब यह सब बातें गठबंधन के अंदर तय होंगी, उसके बाद ही कोई अंतिम फैसला होगा। 2020 में जिस तरह से चिराग पासवान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ चुनाव लड़े थे, क्या वाही स्थिति एक बार फिर होने वाली है? इस सवाल के जवाब में अरुण भारती ने कहा कि, ऐसा नहीं है। हम लोग गठबंधन में हैं और गठबंधन की जो मयार्दाएं हैं, जो सीमाएं हैं, हम लोग उसके अंदर ही काम करेंगे। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर जनता चाहती है कि चिराग पासवान बिहार में एक बड़ी जिम्मेदारी संभालें, हमारे कार्यकर्ता यह चाहते हैं और अगर पार्टी यह आदेश करेंगी तो इस बड़े जिम्मेदारी के लिए हमारे नेता चिराग पासवान बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं।

खरगे की रैली में भीड़ ना जुटा पाना जिलाध्यक्ष को पड़ा महंगा, मनोज पांडे सस्पेंड

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

बक्सर : बक्सर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे को पार्टी ने किया निलंबित कर दिया है. उन पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम में लापरवाही बरतने का आरोप लगा है. कहा गया है कि कोऑर्डिनेशन स्थापित नहीं करने के कारण पार्टी से उनको निलंबित किया गया है. रविवार को खरगे की सभा में भीड़ नहीं होने के कारण सत्ता पक्ष ने जनसभा पर कसा तंज था. पार्टी का आरोप है कि पांडे ने खड़गे के कार्यक्रम को सही तरीके से संभाला नहीं और कार्यकताओं के बीच तालमेल स्थापित नहीं कर पाए. नतीजतन, खड़गे की जनसभा में अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई. जब सभा में भीड़ कम दिखी, तो विपक्ष ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी अपना जन समर्थन खो रही है. गौरतलब है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को बक्सर में एक जनसभा को संबोधित किया था, जिसमें कम संख्या में लोग पहुंचे, जिससे पार्टी में असंतोष फैल गया और पांडे पर यह कार्रवाई

की गई.बिहार प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय सचिव द्वारा जारी एक्शन पत्र ने कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं में हलचल मचा दी है. इस पत्र के बाद बक्सर जिला कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं के साथ-साथ बक्सर और राजपुर के विधायकों में भी खलबली मच गई है. इस घटना ने आगामी विधानसभा चुनावों में विधायकों को टिकट मिलने को लेकर भी चिंता सताने लगी है.

बिहार की 'IIT फैक्ट्री का बोलबाला, JEE मेन में 40 से ज्यादा छात्रों ने पाई सफलता

संवाददाता द्वारा

Mains सेशन-2 2025 के रिजल्ट आने के बाद बिहार के गया जिले की पटवा टोली एक बार फिर चर्चा में है. कभी बुनकरों के लिए मशहूर यह इलाका अब पढ़ाई के लिए जाना जाने लगा है. जेईई मेन 2025 के दूसरे सेशन में यहां के 40 से अधिक छात्रों ने क्वालिफाई किया है. आइए जानते हैं बिहार के IIT की फैक्ट्री (Bihar IIT Factory) के बारे में. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पटवा टोली को लोग अब बिहार की IIT फैक्ट्री कहने लगे हैं क्योंकि यहां से पिछले 25 सालों में दर्जनों छात्र आईआईटी पहुंच चुके हैं. इस बार भी 40 से अधिक स्टूडेंट्स ने सफलता पाई है और अब ये सभी छात्र जेईई एडवांस 2025 में भाग लेंगे, जो 18 मई को होगा. इस साल सागर कुमार ने आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने 94.8% नंबर लाकर सबको गर्व महसूस कराया. उन्हें एक एनजीओ वृक्षा का सहयोग मिला. यह कहानी सिर्फ नंबरों की नहीं है, यह संघर्ष, मेहनत और उम्मीद की मिसाल है. इसके अलावा अन्य छात्रों ने सफलता पाई है. बिहार के गया जिले की पटवा टोली अब सिर्फ बुनकरों की बस्ती नहीं बल्कि इंजीनियर बनने की उम्मीद लिए हजारों छात्रों का सपना बन चुकी है. यहां की सफलता की कहानियां इतनी मशहूर हैं कि अब दूसरे राज्यों के छात्र भी यहां आकर पढ़ाई करते हैं. इस साल 40 से ज्यादा छात्रों ने JEE Mains 2025 में सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया कि पटवा टोली मेहनत और हौसले की मिसाल है. यहां का माहौल और पढ़ाई का जुनून इसे एक ऐसी जगह बनाता है, जहां से हर साल कई होनहार छात्र इंजीनियर बनने का सफर तय करते हैं. गांव के आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा 2013 में स्थापित वृक्ष फाउंडेशन इस प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

कौन हैं आईएएस अनन्या सिंह, जो बनीं औरंगाबाद की नई उप विकास आयुक्त,

संवाददाता द्वारा

औरंगाबादः भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की 2019 बैच की अधिकारी अनन्या सिंह को औरंगाबाद जिले का नया उप विकास आयुक्त (डीडीसी) नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने सोमवार को उनका पदस्थापन आदेश जारी किया। पश्चिम बंगाल से बिहार कैडर में ट्रांसफर होने के बाद यह उनकी पहली महत्वपूर्ण पोस्टिंग है। आईएएस अधिकारी अनन्या सिंह हाल ही में पश्चिम बंगाल से स्थानांतरित होकर बिहार कैडर में आई हैं। यहां योगदान देने के बाद से पोस्टिंग की प्रतीक्षा में थीं। अब उन्हें औरंगाबाद जैसे प्रमुख जिले में डीडीसी की जिम्मेदारी दी गई है, जो उनके प्रशासनिक करियर का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अनन्या सिंह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की मूल निवासी हैं। उन्होंने साल 2019 में पहले ही प्रयास में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा पास कर 51वीं रैंक हासिल की थी। उस समय उनकी उम्र केवल 22 वर्ष थी, जिससे वे देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गईं। अनन्या ने अपनी स्कूली शिक्षा प्रयागराज में पूरी की थी, जहाँ उन्होंने दसवीं में 96% और बारहवीं में 98.25% अंक प्राप्त कर जिला टॉपर का खिताब हासिल किया

दो आईएएस अधिकारियों के साथ 11 BAS अधिकारियों का ट्रांसफर

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटना :बिहार सरकार ने एक बार फिर दो आईएएस अधिकारियों के साथ-साथ 11 BAS अधिकारियों का ट्रांसफरकिया है। बिहार प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी को वीआरएस की भी अनुमति मिली है। सामान्य प्रशासन विभाग ने एक साथ तीन अधिसूचना जारी की है। एक उप विकास आयुक्त के साथ-साथ कई उप समाहर्ता और भूमि सुधार उप समाहर्ता भी बदले गए हैं। स्थानान्तरण किये गये आईएएस अधिकारियों में 2017 बैच के कृष्ण कुमार को पथ निर्माण विभाग का संयुक्त सचिव बनाया गया है। वह अब तक वाणिज्य कर विभाग के संयुक्त सचिव पद पर पदस्थापित थे। दूसरे आईएएस अधिकारी 2020 बैच की अनन्या सिंह हैं, जिन्हें औरंगाबाद जिले में जिला परिषद् के उप विकास आयुक्त -सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। अनन्या सिंह संवर्ग स्थानानंतरण के बाद पश्चिम बंगाल संवर्ग से बिहार संवर्ग में योगदान देकर पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत थी। सीवान निवासी अभयेंद्र मोहन सिंह को बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग का सचिव बनाया गया है। वर्तमान में वह औरंगाबाद जिले में जिला परिषद में उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे। पटना निवासी शाहनवाज अहमद नियाजी को सूचना एवं प्रवैद्दिकी विभाग में उप सचिव बनाया गया है। फिलहाल वह पदस्थापन की प्रतीक्षा में थे। भोजपुर निवासी मोहम्मद मंजूर आलम को लोक शिकायत निवारण सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी बनाया गया है। वह अभी पदस्थापन की प्रतीक्षा में थे। औरंगाबाद जिले के कयूम अंसारी

को बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार का संयुक्त सचिव बनाया गया है। वह फिलहाल सारण जिले में लेखा प्रशासन एवं स्वर नियोजन जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के निदेशक के पद पर पदस्थापित थे। झारखंड के रहने वाले नीरज नारायण पांडे को पथ निर्माण विभाग का उपसचिव बनाया गया है। फिलहाल वह लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण पूर्णिया में निदेशक के पद पर पदस्थापित थे। पटना के रहने वाले आनंद प्रकाश को गया में वरीय उपसमाहर्ता बनाया गया है। वह फिलहाल स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे। नालंदा जिला के सुमन कुमार को खाद्द एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का उप सचिव बनाया गया है। फिलहाल वह सारण जिला में जिला भू अर्जन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे। सीतामढ़ी जिला के अनिल कुमार को स्वास्थ्य विभाग पटना में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। वह फिलहाल शिवहर में वरीय उपसमाहर्ता के पद पर पदस्थापित थे।सारण की प्रियंका कुमारी को स्थानिक आयुक्त के कार्यालय नई दिल्ली में विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में स्थानांतरित किया गया है। वह फिलहाल समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी में भूमि सुधार उप समाहर्ता के पद पर पदस्थापित थी। कैमूर जिला के मनीष कुमार को स्वास्थ्य विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। वह फिलहाल गया में वरीय उप समाहर्ता के पद पर पदस्थापित थे।

सैनिक और साधक एक समान : रक्षामंत्री राजनाथ

आज भारत बोलता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है : राजनाथ सिंह

सिरोही, । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ब्रह्माकुमारीज संस्थान के आबूरोड स्थित मुख्यालय शांतिवन में सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा शुरू किए जा रहे देशव्यापी स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण (सेल्फ एम्पॉवरमेंट) कैंपेन का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। साथ ही पांच दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया। इसमें देशभर से 400 सेना के अधिकारी और जवानों ने भाग लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ ने अपने संबोधन में योग से लेकर अध्यात्म, सेना, भारतीय अर्थव्यवस्था और सेल्फ एम्पॉवरमेंट पर बात की। उन्होंने कहा कि मैं एक योगी और सैनिक में खास अंतर नहीं देखता हूं। साधक के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य और ध्येय मानवता की सेवा करना ही होता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सैनिक और साधक दोनों एक सुरक्षित, बेहतर और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना के लिए कार्य करते हैं। एक सच्चे सैनिक के अंदर एक साधक और एक साधक के अंदर एक सैनिक जरूर विद्यमान रहता है। सैनिक जो सीमा पर हमारी सुरक्षा कर रहे हैं वह योग साधना का ही एक रूप है। राष्ट्र की रक्षा केवल शस्त्र से नहीं होती है, यह होती है चेतना से, चरित्र से और चैतन्यता से। इसके लिए आध्यात्मिकता और योग सबसे बड़ा साधन है। यह अभियान महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि हम अपने सैनिकों को केवल शस्त्रधारी नहीं बल्कि शास्त्रधारी भी बना सकें। हम केवल उन्हें लड़ाई के लिए नहीं बल्कि आत्म बल के लिए भी तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि आज एआई का दौर चल रहा है। हमें देश-दुनिया की पल-पल की खबरें पता चल रही हैं लेकिन हमें यह पता नहीं चल रहा है कि हमारे भीतर क्या चल रहा है। हम पूरी दुनिया की खबर रखते हैं लेकिन अपनी खबर नहीं रखते हैं। हमारे सैनिक भी पूरी दुनिया की चीजें देखते हैं लेकिन अपने अंदर नहीं झांकते हैं। हम बाहरी दुनिया से तो जुड़ जाते हैं लेकिन अपने आप से नहीं जुड़ पाते हैं। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि वर्षों पहले दुनिया के देशों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यदि कोई जाकर बोलता था तो भारत की बातों को उतनी गंभीरतापूर्वक नहीं लिया जाता था। आज भारत का कद और सिर इतना ऊंचा हो गया है कि भारत जब बोलता है तो पूरी दुनिया कान लगाकर सुनती है। जो भारत 2014 के पहले 11वें स्थान पर था, वह धन-दौलत, इकोनॉमी के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। अब भारत को कोई रोक

कोई बॉलीवुड से आया, किसी ने की लंदन से पढ़ाई बिहार चुनाव में इस बार इन 5 चेहरों की रहेगी चर्चा

कीर्तिवर्धन मिश्र /बिहार में इस साल की अंतिम तिमाही में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), भाजपा और कांग्रेस समेत सभी अहम दल अपनी-अपनी रणनीति तय करने में जुट गए हैं। कुछ दलों ने अपने पुराने और अनुभवी चेहरों की दम पर ही बिहार में मतदाताओं को लुभाने का लक्ष्य रखा है। वहीं, दूसरी तरफ कुछ युवा और नए चेहरे भी बिहार की राजनीति पर असर छोड़ने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इन चुनावों में नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी जैसे दिग्गज चेहरे नजर आएंगे। इन दिग्गज चेहरों के साथ ही बिहार का ये चुनाव कुछ नए चेहरों की भी परीक्षा लेगा। चुनाव के दौरान इन चेहरों की चर्चा होती रहेगी।

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारी मंजूरी जरूरी नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा न्यायापालिका पर की गई टिप्पणी पर विवाद हो गया है और अब उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी हो रही है। सोमवार को जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने एक याचिका आई, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की हालिया टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मांगी गई। इस पर पीठ ने कहा कि आप इसे दायर करें, याचिका दायर करने के लिए आपको हमारी मंजूरी की जरूरत नहीं है।

अटॉर्नी जनरल को लिखा पत्र : पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लेने की जरूरत है। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील अनस तनवीर ने दायर की है। अनस तनवीर भी वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं में से एक का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में रख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमाणी को पत्र लिखकर उनकी मंजूरी मांगी है। पत्र में कहा गया है कि दुबे ने सर्वोच्च अदालत की गरिमा को कम किया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को अपने एक बयान में सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसमें दुबे ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाएगा तो फिर संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। भाजपा सांसद ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर तंज कसते हुए कहा कि देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई जिम्मेदार होंगे।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर की टिप्पणी : निशिकांत दुबे की यह टिप्पणी वक्फ संशोधन कानून को लेकर आई। वक्फ संशोधन कानून के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों को लेकर सवाल उठाए हैं, जिसके बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक कानून के कुछ प्रावधानों को लागू करने पर रोक लगा दी है। भाजपा ने भी शनिवार को खुद को निशिकांत दुबे के बयान से अलग कर लिया और दुबे के बयान को उनके निजी विचार बताया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं से अपील की है कि वे ऐसी टिप्पणियां न करें।

महिला की हत्या, दोनों पैर काटकर चांदी के कड़े लूटे, पूरे इलाके में दहशत

हिमांशु प्रियदर्शी

सवाई माधोपुर : सवाई माधोपुर जिले के गंगापुरसिटी के बामनवास थाना क्षेत्र के जाहिरा गांव में रविवार को उस वक्त सनसनी फैल गई जब गांव के बाहर एक खेत के पास एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला। महिला की नृशंस हत्या कर दी गई थी, उसके दोनों पैर काट दिए गए थे और पास के ही पानी के कुंड में फेंक दिए गए थे। मृतका की पहचान जाहिरा गांव निवासी 50 वर्षीय उर्मिला मीणा पत्नी मोसरिया मीणा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उर्मिला देवी रोजाना की तरह सुबह घर से ईंधन लेने के लिए खेतों की ओर गई थी। लेकिन जब सुबह 10 बजे तक वह घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। उसके बाद उन्होंने गांव के अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव से कुछ दूरी पर एक पानी के कुंड के पास महिला के कटे हुए दोनों पैर पड़े मिले। यह दृश्य देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। कुछ ही दूरी पर महिला का खून से लथपथ शव भी पड़ा मिला। शव की पहचान उर्मिला देवी के रूप में हुई, जिनके दोनों पैर बेरहमी से काट दिए गए थे। ग्रामीणों ने तुरंत बामनवास पुलिस को सूचना दी, जिस पर थानाधिकारी राकेश शर्मा जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उर्मिला देवी की पहले गला रेतकर हत्या की, फिर चांदी के कड़े लूटने के लिए दोनों पैर काट डाले। लूट के बाद कटे हुए अंगों को पास ही पानी के कुंड में फेंक दिया गया। हत्या की इस वीभत्स वारदात से गांव में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने शव को नहीं उठाने दिया और तुरंत आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बामनवास-सड़क मार्ग पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। घटना के चलते क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गईं। वहीं, एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की मदद से सबूतों को जुटाने लगे। मृतका के परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि हत्या के पीछे के कारणों और संदिग्धों का पता लगाया जा सके।

जेएनयू: फिजूल की बहस में उलझे वामपंथी छात्र संगठन

अपूर्वानंद

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय(जे एन यू) छात्र संघ का चुनाव टल गया है। चुनाव कराने वाले आयोग का आरोप है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद(ए बी वी पी) ने नामांकन के दौरान हिंसा करके बाधा पहुँचाई है। उधर ए बी वी पी का इल्ज़ाम है कि इस बार वाम छात्र संगठनों में फूट के कारण उसकी जीत की संभावना बढ़ गई है। इससे घबराकर आयोग ने, जो वाम संगठनों से जुड़ा है, चुनाव टाल दिया है। दोनों में कौन ठीक बोल रहा है, निश्चित रूप से बतलाना किसी भी बाहरी व्यक्ति के लिए मुश्किल है। लेकिन चुनाव टालने से इसकी गुंजाइश बढ़ गई है कि प्रशासन इसमें दख़लंदाज़ी करे। वह तर्क दे सकता है कि विद्यार्थी इस प्रक्रिया का संचालन प्रभावी और निष्पक्ष तरीक़े से नहीं कर पा रहे। इस आशंका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। इससे जुड़ी एक दूसरी खबर पर विचार करना इस टिप्पणी का मक़सद है। वह है वाम छात्र संगठनों में मतभेद की खबर। अख़बार के मुताबिक़ यह मतभेद इस बात को लेकर है कि भारत में फ़ासिज़्म है या नहीं। स्टूडेंट्स फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया, जो मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र शाखा है, नहीं मानती कि भारत में फ़ासिज़्म आ गया है। उधर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के छात्र संगठन, आल इंडिया स्टूडेंट्स फ़ेडरेशन और आल इंडिया स्टूडेंट्स असोसिएशन का कहना है कि भारत में फ़ासिज़्म है। कहा जा रहा है कि उनके लिए यह इतना बुनियादी मतभेद है कि वे जे एन यू में साथ चुनाव नहीं लड़ सकते। ये सभी छात्र संगठन अपने पितृ या मातृ राजनीतिक दलों की समझ दुहरा रहे हैं। परिसर के बाहर के राजनीतिक दलों के वैचारिक मतभेद को परिसर के भीतर ज्यों का त्यों लागू करना कहाँ की बुद्धिमत्ता है, यह कोई भी बाहरी व्यक्ति पूछ सकता है। या जे एन यू के विद्यार्थी भी प्रश्न कर सकते हैं कि अगर ये संगठन अपने मातृ-पितृ राजनीतिक दलों की बात ही दुहराते हैं तो फिर उनके स्वतंत्रचेता होने पर ही संदेह क्यों न किया जाए। वे क्या उनसे स्वतंत्र अपनी कोई राय नहीं बना सकते? भारत में फ़ासिज़्म है या नहीं या क्या क्लासिकल फ़ासिज़्म के सारे लक्षणों के दीखने की सूरत में ही फ़ासिज़्म का आना माना जाएगा, यह एक बहस है। लेकिन हम इस पर विचार नहीं कर रहे। हम यह पूछ रहे हैं कि जे एन यू के लिए क्या भारतीय राज्य के चरित्र की यह बहस इतनी बुनियादी है कि इसपर चुनावी गठबंधन बने या टूट जाए। जे एन यू या किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय के लिए दूसरे सवाल ज़्यादा अहम हैं: वे हैं परिसर की स्वायत्तता, अकादमिक स्वतंत्रता, शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षा का लगातार महँगा होते जाना, उच्च शिक्षा के बजट में कटौती, छात्र राजनीति की स्वतंत्रता, इत्यादि। इसके साथ परिसर में राष्ट्रवाद के नाम पर हिंसा, भारतीय जनता पार्टी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा का प्रशासन के द्वारा प्रचार, परिसरों को एक तरह से आर एस एस की शाखा में तब्दील करने के सवाल भी महत्त्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता को धीरे धीरे सरकार के हवाले कर रहे हैं। पाठ्यक्रम का निर्णय अब परिसर के भीतर नहीं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में होता है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाख़िले के मामले में भी विश्वविद्यालयों ने अब अपना अधिकार एक केंद्रीय एजेंसी को सुपुर्द कर दिया है। अध्यापकों की नियुक्ति में योग्यता शैक्षणिक नहीं, आर एस एस के साथ प्रतिबद्धता है। इस तरह के आरोप पहली बार सुनाई पड़े हैं कि नियुक्ति में बड़े पैमाने पर आर्थिक भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले 10 साल में हुई नियुक्तियों को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। खुद विद्यार्थी यह प्रश्न उठा रहे हैं। स्वतंत्रचेता अध्यापकों को प्रताड़ित करने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। मेरठ यूनिवर्सिटी की अध्यापिका पर हमेशा के लिए प्रश्न पत्र बनाने पर पाबंदी, सेमिनार आयोजित करने के लिए या नाटक मंचित करने के लिए अध्यापकों का निलंबन या उन्हें दंडित किया जाना, पुस्तकालय में 'राष्ट्रवादियों' के लिए आपत्तिजनक किताब के चलते प्राचार्य और अध्यापक का निलंबन: इस तरह की खबरें रोज़ाना आ रही हैं। जे एन यू जैसे परिसर में सेमिनार करने को कमरे नहीं मिल पाते या मेस में बैठकों पर पाबंदी है। परिसर अब पहले के मुक़ाबले अधिक असुरक्षित हो गए हैं। प्रशासन या सरकार की आलोचना करने के लिए विद्यार्थियों की प्रताड़ना अब हर विश्वविद्यालय में आम बात होती जा रही है। ये सारे सवाल छात्र संघ के चुनाव के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हैं या यह बहस कि भारत में असली फ़ासिज़्म है या नहीं? क्या वैसे छात्र संगठनों को एक साथ नहीं आना चाहिए जो परिसर से जुड़े इन सवालों पर लगभग एक राय रखते हैं? या फ़ासिज़्म पर बहस एक बहाना है और अलग अलग होने का कारण कुछ और है ? लेकिन यह अनुमान का विषय है और उधर हमें नहीं जाना चाहिए। क्या इसपर कोई बहस हो सकती है कि आज के वक्त इन सवालों पर संवैधानिक मूल्यों में यक़ीन रखनेवाले संगठनों को साथ आना चाहिए? असली चुनौती तो अब विश्वविद्यालय के स्वरूप को ही बनाए रखने की है। वे स्वतंत्र विचार के परिसर बने रह पाएँगे या नहीं? असली बात विचार की स्वतंत्रता है। लेकिन उस बात में दम तभी होगा जब इसकी बात करने वाले छात्र संगठन भी स्वतंत्र हों। अगर वे परिसर के बाहर के राजनीतिक दलों के विद्यार्थी संस्करण ही बन जाएँगे तो मत-स्वतंत्रता के उनके दावे पर कौन विश्वास करेगा? यह संभव है कि वे इन राजनीतिक दलों से प्रेरित हों लेकिन अगर हर सवाल पर वे सिर्फ़ उनकी बात को ही दुहराएँगे तो इसे मानना कठिन होगा कि यह उनका अपना आज़ाद खयाल है। उन्हें यह विचार और निष्कर्ष कहीं और से दिया जा रहा है। क्या किसी भी सवाल पर वे अपने राजनीतिक दल से अलग तरीक़े से सोच नहीं सकते? अगर वे अपनी स्वतंत्र सत्ता रखें तो हो सकता है वे राजनीतिक दलों को भी कुछ विषयों पर अपना विचार बदलने को प्रेरित कर सकें। युवाओं के सोचने के तरीक़े में ताजगी होना स्वाभाविक है। वह राजनीतिक दलों की विचारधारात्मक रूढ़ियों को तोड़ सकती है। लेकिन ऐसा हमारे परिसर में कोई छात्र संगठन करने का साहस नहीं करता। यही बात शिक्षक संगठनों पर भी लागू होती है। राजनीतिक दलों के विद्यार्थी संस्करण होने के कारण परिसर में छात्र राजनीति में विश्वसनीयता की कमी होती जा रही है। वे बाहर की राजनीति में ताज़ा खून नहीं भरते। इसपर सारे ही संगठनों को, विशेषकर, धर्मनिरपेक्षता और जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखनेवाले छात्र संगठनों को विचार करने की ज़रूरत है। यह संभव है कि राजनीतिक दल अनेक हों लेकिन छात्र संगठन एक हो। क्या यह असंभव है?

संक्षिप्त समाचार

पृथ्वी दिवस पर कलाकारों ने छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की दी प्रेरणा

रांची, वैश्विक स्तर पर 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी हम सभी की है। जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने से लेकर सस्टेनेबल जीवनशैली अपनाने तक पृथ्वी दिवस सभी को एक हरित भविष्य के लिए सार्थक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर की महत्ता को दशार्ते हुए सोनी सब के कलाकार करुणा पांडे, वृहि कोड़वरा, परिवा प्रणति और आदित्य रेडिज ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता, व्यक्तिगत पर्यावरण-अनुकूल आदतों और प्रकृति को समर्पित अपने-अपने विशेष तरीकों से इस दिन को मनाने के संकल्प साझा किए। और कहा एक समझदार और न्यायप्रिय शासक कृष्णदेवराय की भूमिका निभाते हुए मुझे बार-बार यह एहसास होता है कि हमारे पूर्वजों में प्रकृति के प्रति कितना सम्मान था। आज के समय में हमें उस संतुलन और जिम्मेदारी को फिर से जीवित करने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि एक आह्वान है। आइए हम स्थायित्व को न केवल अपने लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी चुनें।

ट्रक-हइवा के बीच टक्कर, चतरा - डोभी मुख्य पथ एनएच 22 दो घंटे जाम

विकास कुमार यादव

हंटरगंज/चतराः- वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के जोरी मेन बाजार देवी मण्डप के समीप चतरा - डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर सोमवार की अहले सुबह करीब 6 बजे ट्रक व हाइवा में टक्कर हो गई। जिससे दो घंटे मुख्य पथ पर जाम लग गई।हादसे में गनीमत रही कि दोनों वाहन के चालक और उप बाल - बाल बच गए। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के बीच सड़क में खड़े हो जाने से चतरा डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर दोनो तरफ से वाहनों की लंबी कतार लग गई।

मुख्य पथ के दोनों तरफ लगा जाम

घटना की सुचना मिलते ही वशिष्ठ नगर जोरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मुख्य पथ के किनारे लगवाया। उसके बाद आवागमन चालू हुई। *प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चतरा की ओर से जबकि हाइवा हंटरगंज की ओर से आ रही थीं इसी बीच जोरी देवी मण्डप के समीप चतरा - डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर पत्थर लदे हइवा के ड्राइवर को नींद आ जाने के कारण ट्रक से भिड़ंत हो गई*

लोगों से अपील

वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने से बचें ।जीवन अनमोल है। नशे व नींद में वाहन न चलाए। इसकी सुरक्षा हमसभी को स्वयं करनी होगी। ओवरटेक से बचें। सड़कों पर चलने के लिए सभी लोगों को जागरूक करें ताकि दुर्घटना से बचा जा सके*।

खंडों में कैम्प लगाकर राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को दिया जाएगा सहायक उपकरण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिला में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों और भारत सरकार की योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायता एवं उपकरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के द्वारा वितरण करने हेतु शिविर/ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम/ शिविर स्थल इस प्रकार है- 21-04-2025 को प्रखंड कार्यालय पाकुड़ में, 22-04-2025 को प्रखंड कार्यालय अमड़ापाड़ा में, 23-04-2025 को प्रखंड कार्यालय लिट्टीपाड़ा में, 24-04-2025 को प्रखंड कार्यालय हिरणपुर में, 25-04-2025 को प्रखंड कार्यालय महेशपुर में, 26-04-2025 को प्रखंड कार्यालय पाकुड़िया एवं 27-04-2025 को सदर अस्पताल पाकुड़ में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निशिकांत दुबे का बयान मोदी सरकार की सोची-समझी साजिश- झामुमो अल्पसंख्यक पूर्व जिलाध्यक्ष हबीबुर्रहमान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः भाजपा सांसद द्वारा भारतीय लोकतंत्र, संविधान और न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार किया गया है। निशिकांत दुबे का बयान न केवल सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है, बल्कि यह लोकतंत्र की बुनियाद को हिलाने वाला है। यह बातें झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष हबीबुर रहमान उर्फ बबलू ने कहा उन्होंने कहा कि भाजपा अब न्यायपालिका को भी अपनी कठपुतली बनाना चाहती है। यह बेहद खतरनाक संकेत है। यदि आज देश नहीं जागा, तो भाजपा संविधान और कानून व्यवस्था को भी खरीद लेगी। ये लोग जातिगत जहर घोलकर न्यायपालिका को बदनाम कर रहे हैं। मैं महामहिम राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष से मांग करता हूँ कि गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को तत्काल संसद सदस्य पद से बर्खास्त करते हुए उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। देश की तीनों प्रमुख संवैधानिक संस्थाओं- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है, और जब न्यायपालिका पर ही हमला होगा तो लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं बचेगा। झामुमो अल्पसंख्यक के पूर्व जिलाध्यक्ष हबीबुर रहमान ने कहा कि न्यायालय देश के आदिवासी, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और आर्थिक तौर पर पिछड़े लोगों के लिए एकमात्र सहारा है। भाजपा देश में हिंदू-मुस्लिम का आरोप लगाकर नफरत पैदा करने के प्रयास में है। हबीबुर्रहमान ने कहा सुप्रीम कोर्ट के ऊपर इस तरह का कमेंट अगर दूसरे पार्टी का नेता द्वारा कोई भी करता तो अब तक उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो जाता।

पृथ्वी दिवस पर इस ग्रह की देखभाल करें और आध्यात्मिक रूप से विकसित हों

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

पृथ्वी दिवस हम सबके लिए पृथ्वी के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है क्योंकि यह हमें जीवन जीने के लिए कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों को उपलब्ध करती है। यह सभी संसाधन न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मूल्यवान है, इसलिए हम सभी को चाहिए कि इन सभी संसाधनों का प्रयोग हम बहुत ही सावधानी से करें। इन संसाधनों का सदुपयोग करने और पृथ्वी का सम्मान करने के लिए हमें अहिंसा का रास्ता अपनाना होगा, जिसमें कि हम इस पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों और प्राकृतिक संसाधनों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करते हैं। इसमें इंसानों से लेकर जानवरों और पौधों तक सभी शामिल हैं। सिर्फ यह सोचकर ही हमें खुषी मिलती है कि इस विषाल अंतरीक्ष में यह ग्रह पिता-परमेष्वर का बनाया एक खूबसूरत रत्न है, जिसमें हम सब इस परिवार के एक सदस्य हैं। इसलिए हमें ऐसे कार्य करने चाहियें जिसमें कि हम एक-दूसरे की मदद करते हुए प्रेम और शांतिपूर्वक जी सकें। इस ग्रह पर रहते हुए हम स्वस्थ तरीके से अपना जीवन यापन करें, ताकि हमारे परिवार और पूरे विष्व के लिए वर्तमान में और आने वाले समय में भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों। इसके लिए हमें चाहिये कि हम इस ग्रह की देखभाल करते हुए शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तौर पर विकसित हों। जिसके लिए हमें एक शाकाहारी जीवन शैली को अपनाना होगा और साथ ही साथ अपनी आत्मिक तरक्की के लिए अपने जीवन में हमें सद्गुणों को भी धारण करना होगा। जिसमें कि हम दूसरों की सेवा करते हुए ध्यान-अभ्यास के जरिये अपने अंतर में प्रभु-सत्ता से जुड़कर आध्यात्मिक रूप से विकसित हो सकते हैं। दूसरों की सेवा करना और मिल-जुलकर रहना आध्यात्मिकता का ही एक हिस्सा है। दूसरों के साथ मिलकर रहना और इस पृथ्वी की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है क्योंकि इस सृष्टि के कण-कण में परमात्मा विद्यमान हैं। आईये, आध्यात्मिक रूप से बढ़ते हुए हम इस ग्रह, पेड़-पौधों, जानवरों और इंसानों की देखभाल करते हुए हम पृथ्वी दिवस मनायें और पृथ्वी द्वारा दिये गए बहुमूल्य उपहारों का सर्वोत्तम उपयोग करें।

कालाजार उन्मूलन हेतु उपायुक्त ने अपने आवास में आईआरएस छिड़काव करवाकर लोगों को दे रहे जागरूक होने का संदेश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःकालाजार उन्मूलन को लेकर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग गंभीर है। इससे सुनिश्चित कराने को लेकर हर जरूरी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर सभी जगहों पर आईआरएस कीटनाशक छिड़काव अच्छे से कराया जा रहा है जो आरआईएस की स्क्वाड है वह प्रत्येक घर में जाकर छिड़काव कर रही है इसी क्रम में आज कालाजार की टीम उपायुक्त मनीष कुमार के आवास पहुंची और उपायुक्त के सभी कमरों में उक्त कीटनाशक दवा का छिड़काव किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि इस बार केंद्रीय टीम एवं स्वास्थ्य मंत्रालय एवं स्टेट नोडल के द्वारा पाकुड़ जिले में हो रहे है कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम की सराहना की है। इस बार का थीम है बाई बाई कालाजार जिसके तहत पूरी टीम पूरे शिद्दत के साथ काम कर रही है। रात्रि चौपाल एवं जागरूकता रथ के माध्यम से भी प्रचार प्रसार कर लोगों को कालाजार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि इस बार पीकेडीएल की केस में कुछ इजाफा होने की संभावना है। अगले साल 2026 तक कालाजार को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है। उपायुक्त मनीष ने समस्त जिलेवासियों से अपील किया कि छिड़काव के लिए जब कोई दल आपके पास आए तो उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए अपने घरों के भीतर जैसे- सोने का कमरा, रसोई, बैठक, पूजा घर, गौशाला इत्यादि की पूरी दीवारों पर इसका छिडकाव अवश्य करवाएं एवं आसपास के लोगों को भी इसका छिड़काव कराने के लिए प्रेरित करें। 15 या 15 से अधिक दिनों से बुखार होने पर छिड़काव दल को अवश्य बताएं ताकि छूपे हुए कालाजार संभावित रोगियों की पहचान कर उचित ईलाज समय रहते किया जा सके।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 163 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःलिट्टीपाड़ा प्रखंड के धनिगोड़ा एवं पाकुड़िया प्रखंड के फुलझिंझरी, पाकुड़ प्रखंड के इशाकपुर एवं हिरणपुर प्रखंड के दराजमठ में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 163 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० मो० अफरोज आलम, डॉ० वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, डॉ० मो अबूतालिब शेख एवं डॉ० लावकुश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

उमस भरी गर्मी में बिजली की आंख मिचौली से आम जनता परेशान

पाकुड़ सोनू कुमार ठाकुर

जिले में इन दिनों उमस वाली गर्मी के साथ विद्युत व्यवस्था को लेकर आम जनता परेशान है। भीषण गर्मी के मौसम में बिजली की आंख मिचौली की समस्या से लोग परेशान व त्रस्त है। ग्रामीण इलाकों में प्रतिदिन कई बार लोगो को अघोषित कटौती का सामना करना पड़ता हैं। लोगों का कहना है कि तेज धूप व उमस ने सभी को परेशान करके रखा है। ऊपर से बिजली की आंख मिचौली व अघोषित कटौती इस समय आग में घी डालने का काम करती है। रात हो या दिन किसी भी वक्त बिजली गुल हो जाती है। एक दिन में आठ से दस बार बिजली गुल होना आम बात हो गया है। ग्रामीण इलाकों में रात के वक्त लो वोल्टेज एवं पूरा रात बिजली कटौती के कारण ग्रामीण परेशान है। बिजली की इस आंख मिचौली के कारण छोटे-छोटे बच्चों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। क्षेत्र में कब बिजली आएगी और कब कटेगी, इसका कोई समय-सारणी ही नहीं है। बिजली कटौती ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। बावजूद इसके बिजली विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह स्थिति क्षेत्र में लगातार बनी हुई है। गर्मी के मौसम में लोगों को नियमित रूप से बिजली नहीं मिलने से परेशानी और भी बढ़ गई है।

बाघवार एकेडमी को डिजिटल साक्षरता के लिए मिले 28 टैबलेट, ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - आज बाघवार एकेडमी, चान्हो, रांची में मंथन युवा संस्थान रांची के माध्यम से 28 टैबलेट विद्यार्थियों के लिए प्रदान किए गए। यह टैबलेट्स अग्रणी कंपनी लीप टू शाइन द्वारा वित्तपोषित एवं उपलब्ध कराए गए, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को डिजिटल साक्षरता और शैक्षणिक विकास में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मंथन युवा संस्थान की ओर से सुनील पाल (सचिव) सुरेश यादव, मोहम्मद शकील राही तथा प्रशिक्षक के रूप में देव दुबे उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को टैबलेट्स का उपयोग करके पढ़ाई करने का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में लगभग 40 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे, जिन्होंने उत्साहपूर्वक टैबलेट प्रशिक्षण में भाग लिया। इस पहल को बाघवार एकेडमी के निदेशक अशोक बघवार तथा प्राचार्य अरुण बघवार के नेतृत्व में संभव बनाया गया, जिनका मानना है कि डिजिटल संसाधनों तक पहुँच बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में विकास कुमार (कंप्यूटर शिक्षक) एवं कुलदीप कुमार (विज्ञान शिक्षक) की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निदेशक अशोक बघवार ने कहा, ये टैबलेट्स हमारे बच्चों के लिए नई शैक्षणिक संभावनाओं के द्वार खोलेंगे और उन्हें आज के तकनीकी युग में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगे। प्राचार्य अरुण बाघवार ने कहा, हम लीप टू शाइन और मंथन युवा संस्थान के आभारी हैं। यह पहल निश्चित ही इस क्षेत्र की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊँचाई देगी। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अंतर को पाटने और बच्चों की पढ़ाई को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

मनरेगा प्रधानमंत्री आवास एवं 15वें वित्त आयोग पर उपायुक्त ने की समीक्षात्मक बैठक, कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

साहिबगंजः समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) तथा 15 वें वित्त आयोग से संबंधित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रखंडों के बीपीओ, ब्लॉक समन्वयक सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों की समीक्षा से की। उन्होंने प्रखंडवार प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी प्रखंडों के प्रदर्शन को असंतोषजनक बताया,इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं के कार्यों में तेजी लाते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।मनरेगा से संबंधित समीक्षा के दौरान योजना पूर्णता, एरिया ऑफिसर की सक्रियता, आधार आधारित भुगतान (ABP), 100 मानव दिवस पूरा करने वाले परिवार, पोटो हो खेल मैदान, बिरसा हरित ग्राम योजना, अस्वीकृत लेन-देन, अबुआ आवास में निर्गत मास्टर रोल, एवं लोकपाल द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अद्यतन स्थिति की जानकारी लेकर सभी लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए।प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) योजना के अंतर्गत PMAY (G) 2.0 सर्वे, पीएम जन-मन योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही 2024-25 में स्वीकृत आवासों की प्रथम किस्त एवं अबुआ आवास योजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 30 जुलाई, 2025 तक वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के अंतर्गत सभी आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए।वहीं, 15वें वित्त आयोग की समीक्षा में GPDP सर्वे, पंचायत समिति व्यय, ग्राम पंचायत व्यय की अद्यतन स्थिति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन पंचायतों व प्रखंडों द्वारा अब तक राशि व्यय नहीं की गई है, वे नियमानुसार शत प्रतिशत राशि शीघ्र व्यय करना सुनिश्चित करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, अंचलाधिकारी समेत सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और आमजन तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

बाबा गोपीनाथ शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कर स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया

मंडरोःमिजाचौकी चौधरी पट्टी बाबा गोपीनाथ शिव मंदिर में शिवलिंग का आचार्य मुरारी लाल पांडेय,राजेश पांडेय, राजन पांडेय,रीपु दमन पाठक राम चंद्र मिश्र द्वारा सोमवार को विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार कर शिवलिंग एवं शिव परिवार एवं श्रीहरि विष्णु जी की प्रतिमा को प्राण प्रतिष्ठा कर उनके स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया। इसके लिए तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान कर नगर,गांव एवं स्थानीय देवी देवताओं को आह्वान किया गया।वहीं सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही आठ पहर राम धुन अखंड संकीर्तन काम आयोजित किया गया ,इस कार्यक्रम से इलाका भक्तिमय हो गया है। मौके पर हृदय नारायण चौधरी,भोल्टू चौधरी,सुनील चौधरी, श्रीनाथ चौधरी,बबलू चौधरी, बालेश्वर भगत, नित्यानंद भगत, अभयानंद भगत, मुन्ना चौधरी केदारनाथ, पशुपति,हरि चौधरी, बलराम भगत,गुडू चौधरी ,पलटन सहित दर्जनों शिव भक्त बढ़-चढ़ कर भाग लिया।मंगलवार को अखंड संकीर्तन की पुणार्हुति कर भव्य भंडारा आयोजित किया जाएगा।

फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए शिविर आयोजित,1400 से अधिक मरीजों को मिला प्रमाण पत्र

देवघर संवाददाता।

फाइलेरिया से पीड़ित लोगों को अब पहचान और सुविधा देने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। देवघर सदर अस्पताल में सोमवार को दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के पाँच प्रखंडों देवघर, मोहनपुर, देवीपुर, पालाजोरी और जसीडीह से कुल 68 फाइलेरिया मरीजों ने भाग लिया। सिविल सर्जन डॉ. जुगल किशोर चौधरी के निर्देश पर प्रत्येक माह की 21 तारीख को सदर अस्पताल में दिव्यांगता शिविर आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य फाइलेरिया से पीड़ित व्यक्तियों को प्रमाणिक दिव्यांगता पहचान देना है। इस बार 21 अप्रैल को आयोजित शिविर में डॉ. अमरीश ठाकुर व उनकी मेडिकल टीम ने सभी मरीजों की स्टेजवार चिकित्सकीय जांच की। शिविर में आए मरीजों के अंगों की सूजन, चलने की क्षमता और फाइलेरिया के असर की जांच की गई। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर पात्र मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर बीबीडी कंसल्टेंट डॉ. गणेश कुमार यादव ने बताया कि यह बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं होती, लेकिन नियमित देखभाल और एमएमडीपी किट की मदद से मरीज राहत पा सकते हैं। फाइलेरिया मरीजों को शिविर तक लाने और जागरूक करने में सिफार संस्था की अहम भूमिका रही। संस्था के प्रतिनिधि विकास चौहान, राजेश कुमार, यदुनाथ मंडल, कमलेश कुमार, आशुतोष कुमार एवं पिरामल स्वास्थ्य के पिंटू कुमार ने शिविर में सक्रिय भागीदारी निभाई।जिला बीबीडी पदाधिकारी डॉ. अभय कुमार यादव ने बताया कि झारखंड राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार अब तक जिले में 1400 से अधिक फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया जा चुका है। उन्होंने आमजन से अपील की कि फाइलेरिया से पीड़ित लोग अपने निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों में संपर्क कर नियमित शिविर में भाग लें और अपने अधिकारों का लाभ उठाएं।

भवन प्रमंडल योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में भवन प्रमंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किए जाएं।उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्य की गति और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक के दौरान अधूरे कार्यों, बजट उपयोगिता और योजना के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई।मौके पर उपस्थित कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल राजेश कुमार ने विभागीय योजनाओं की अद्यतन स्थिति से उपायुक्त को अवगत कराया। अपर समाहर्ता गौतम भगत एवं विभागीय जूनियर इंजीनियर (खए) भी बैठक में मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र एजेकेएसएस मुख्य संयोजक बने विजय कुमार बेदिया

दिव्य दिनकर:संवाददाता

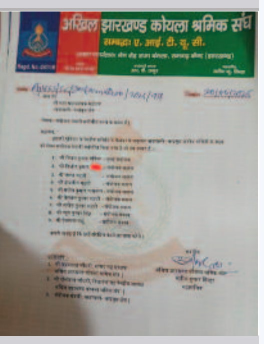

टंडवा:चतरा। अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ केंद्र कमेटी आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र कमेटी गठन को लेकर एक संयोजक मंडली का गठन चंद्र प्रकाश चौधरी,सांसद सह केंद्रीय संरक्षक अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ व रोशन लाल चौधरी विधायक सह केंद्रीय अध्यक्ष अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ केंद्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश पर सतीश सिन्हा महामंत्री अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ के द्वारा मुख्य संयोजक विजय कुमार बेदिया को बनाया गया है। साथ है नौ सदस्य संयोजक समिति में किशोर कुमार महतो,लखन महतो,इंद्रजीत महतो उर्फ रतन महतो,संतोष कुमार पासवान,चेतलाल महतो,मनोज कुमार महतो,पीयूष कुमार सिंह, टेकलाल गंझू, मनोज कुमार महतो को बनाया गया है। मुख्य संयोजक विजय कुमार बेदिया ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट करते और धन्यवाद देते हुए कहा है कि जल्द से जल्द आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र में सम्मेलन कर अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ का स्थाई कमेटी का गठन किया जाएगा। जिसमें चंद्र प्रकाश चौधरी,सांसद सह केंद्रीय संरक्षक,रोशन लाल चौधरी विधायक सह केंद्रीय अध्यक्ष, निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो,विधायक सह केंद्रीय सचिव और सतीश कुमार सिन्हा महामंत्री मौजूद रहेंगी।

लखीमपुर से रामपुर पीसीसी मरम्मती कार्य अधूरा, ग्रामीण परेशान

महेशपुर सोनू कुमार ठाकुर

महेशपुर प्रखंड क्षेत्र के लखीपुर से रामपुर एवं धनुषपुजा चौक से असकंधा सहित कई जगह जगह पर पीसीसी कार्य की मरम्मत का कार्य ठेकेदार ने अधूरा छोड़ दिया है, जिससे आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से जल्द सड़क की मरम्मत पूरी कराने की मांग की है ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि जगह जगह जैसे भुईधारा,रामपुर ,लखीपुर ,धनुषपुजा , मुहुबोना,शेरपुर सहित असकंधा गांव जाने वाली सड़क काफी दिनों से जर्जर हालत में है। जबकि साक्षी इंटरप्राइज के द्वारा कालीकरण तो किया ,लेकिन जगह जगह पर पीसीसी निर्माण होने वाली जगह को छोड़ दिया गया। अब जो मरम्मत नहीं होने के कारण गड्ढों में तब्दील हो गई है लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य नही हो पाया। जिससे अब ग्रामीणों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आगमन तय,

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पाकुड़ में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सांगठनिक समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने बताया कि संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर जिले भर में 13 अप्रैल से 25 अप्रैल तक डॉ भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 24 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। डॉ भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत जिले भर में कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे, उन्हें पत्रक बाटेंगे और संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन भी करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों के लिए कार्यकताओं की टोली बनाई गई है। सभी मंडलों में बैठक के साथ-साथ इस कार्यक्रमों के रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम की जिला टोली के संयोजक अजा मोर्चा प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास, सहसंयोजक श्रीमती शर्मिला रजक एवं अजा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत रविदास शामिल है। इस बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक साह, हिरणपुर मंडल अध्यक्ष सुकुमार मंडल, किरण मंडल, सपन कुमार दुबे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

खरकोटोल उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में बिजली नहीं रहने से गर्मी मे बच्चों हो रहे परेशान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद पंचायत के खरकोटोल उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में बिजली पहुंच नहीं रहने से गर्मी के दिनों में बच्चों को विद्यालय में पठन-पाठन करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रचंड गर्मी में विद्यालय एक बजे तक खुला रहता है। उक्त विद्यालय में विगत पांच साल पहले ही बिजली वायरिंग का काम पूर्ण है। इसके साथ पंखा वगैरह मौजूद हैं। लेकिन बिजली पहुंच नहीं रहने से सब कुछ बेकार पड़ा हुआ है। विद्यालय से बिजली पहुंच के लिए दो पोल की आवश्यकता बताया जा रहा है। इसके लिए विद्यालय सचिव नरेश ठाकुर के द्वारा कई बार बिजली विभाग को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराते हुए दो पोल का मांग करते हुए बिजली पहुंच का मांग पहुंचने का मांग किया। विद्यालय सचिव नरेश ठाकुर एवं विद्यालय सहायक शिक्षक ने बताया कि बिजली पोल दो पल हम ही लोग को व्यवस्था करने विभाग के द्वारा कहा जाता है। हम लोग दो पोल कहां से लेंगे। यही वजह है कि अभी तक बिजली यहां नहीं पहुंची है। इसे लेकर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में विधिवत तरीके से लिखित आवेदन भी देकर मांग किए हैं। लेकिन अभी तक आवेदन पर सुनवाई नहीं हुई है। बिजली विभाग के सहायक अभियंता डेविड हंसदा ने बताया कि बहुत जल्द एजेंसी के माध्यम से पोल और तार लगाया जाएगा और बिजली बहाल की जाएगी।

टंडवा से केरेडारी के सड़कों पर हाइवा का आतंक,राहगीर परेशान

उड़ते कोयले की प्रदूषण से बीमारियों की सौगात तो जमदूत रूपी हाइवे से दुर्घटना की कहर जारी

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा: झारखंड राज्य के औद्योगिक नगरी टंडवा और केरेडारी में कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों की वजह से सड़कें बेहद खतरनाक हो गई है। विस्थापित नेता राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि जब से आम्रपाली परियोजना,मगध परियोजना, केरेडारी कोल माइंस संचालित हुई है तब से लगभग 1200 सौ से 1500 सौ राहगीरों की मौत हो चुकी है। हाइवा की संख्या लगभग 2000 हजार से 3000 प्रतिदिन टंडवा से केरेडारी के सड़कों पर हाइवा द्वारा कोल ढुलाई की जाती है। झारखंड राज्य के टंडवा और केरेडारी ये ऐसा अंचल है जहां के सड़कों पर चलना मौत और जिन्दगी के बीच चलने के बराबर है। इन सड़कों पर कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों का पूरी तरह से कब्जा हो गया है। दिन रात कोयला और एनटीपीसी से बिजली सप्लाई को लेकर कोयले की जले राख (ऐश पौंड)की ढूलाई से लोगों का चलना दुश्वार हो गया है। सुबह का निकला शाम को घर आपस आ जाय तो परिजन भगवान को शुक्रिया दे रहे हैं। जब से सीसीएल के आम्रपाली और एनटीपीसी के केरेडारी और पांडू प्रोजेक्ट से कोयले की ढूलाई टंडवा,सिमरिया,केरेडारी और पिपरवार के सड़कों से हो रही है तब से दूर्घटनाओ के कारण काली सड़कें इंसान के खून से लाल हो गयी है। आखिर कब यहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि इन मामले को सरकार का ध्यान आकृष्ट करवागें, जानता क्यों उन्हें देते हैं वोट,ताकि हमारी जन समस्याएं सरकार तक पहुंच सके लेकिन इसका उल्टा साबित हो रहा

है। स्थानीय ग्रामीणों की माने तो कोल ट्रांसपोर्टिंग से 15 सौ से अधिक राहगीरों की मौत हो चुकी है। दरअसल उक्त सड़कों पर फोरलेन नहीं होने या कोल ट्रांसपोर्टिंग के लिए अलग से सड़के नहीं होने से हर घर आतंकित हैं। जानकारी के अनुसार हर रोज लगभग 2500 हाइवा दिन रात कोयले की ढूलाई कर रही है। स्थानीय समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि हर दिन औसतन एक राहगीर की मौत हो रही है या तो जख्मी हो रहे हैं। इन दूर्घटनाओ से जाम लगने की कहानी अलग है। लोगों का कहना है कि आम्रपाली से कोयले की ढूलाई हो रही है तो डीएमएफटी फंड में चतरा जिले के विकास के लिए पैसा सीसीएल जमा कर रही है पर एनटीपीसी के केरेडारी से दो खनन प्रोजेक्ट से जो कोयला टंडवा के सड़कों से ढूलाई हो रही है उसका विकास का पैसा हजारीबाग को जा रहा है और राहगीरो की मौतें टंडवा,सिमरिया और पिपरवार के सड़कों पर हो रही है। एटक नेता बिनोद बिहारी पासवान का कहना है की एनटीपीसी व सरकार और जिला प्रशासन मुकदर्शक बना हुआ है।हाइवा की आतंक एक ऐसी समस्या है जो टंडवा,केरेडारी के लोगों का ज़िन्दगी बर्बाद कर रहा है। इधर एनटीपीसी के प्लांट से ऐश पौंड की ढूलाई राहगीरों के लिए नरक बनाकर रखा है। कोयला और जहरीले ऐश पौंड के उड़ते धूल गंभीर बिमारियों की सौगात बांट रही है।कोयला उत्पादन और बिजली उत्पादन देश के लिए वरदान जरूर बना है पर टंडवा सिमरिया और केरेडारी के लिए अभिशाप साबित हो गया है। लोग आज रोटी के लिए नहीं तरस रहे हैं बल्कि सुबह का निकला शाम को सुरक्षित घर वापस लौट जायें इसके लिए परिजन मंदिर और मस्जिदों में दुआ कर रहे हैं। बहरहाल प्रबंधन, प्रशासन और सरकार इस मामले में पूरी तरह मौन साधे हुए हैं।

जीवा एवं फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट द्वारा संयुक्त रूप से द होम मेकर शो आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

21 अप्रैल 2025 को देवघर स्थित फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट में ग्लोबल इंडियन वीमेन एसोसिएशन (GIWA) और फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान मेंThe Homemaker's and food craft Institute students, Show– Spice Queens & Master Chefs Show" Home to campus, cooking clash with innovation का सफल आयोजन किया गया।इस विशेष कार्यक्रम में गृहिणियों और होटल मैनेजमेंट छात्रों की संयुक्त टीमों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रीय व्यंजनों को प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सात टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें प्रत्येक टीम में दो गृहिणियाँ और फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट का एक छात्र शामिल था। प्रतिभागियों को एक क्षेत्र विशेष की पाक शैली पर आधारित तीन प्रकार के व्यंजन झ एक रिफ्रेशमेंट ड्रिंक, एक सूप या सलाद, और एक मुख्य व्यंजन झ तैयार करने थे। गृहिणियाँ अपने क्षेत्र की पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर आईं, जिससे आयोजन में सांस्कृतिक विविधता और जीवंतता का रंग घुल गया। प्रतियोगिता में जिन

क्षेत्रों की पाक शैलियाँ प्रस्तुत की गईं उनमें भोजपुर, मिथिला, संथाल, छोटानागपुर, दार्जिलिंग, डूआर्स, उत्तर बंगाल, अंगिका, मगही, कोलकाता का स्ट्रीट फूड, सुंदरबन की खाद्य शैली, चिटगांव की पाक परंपरा और अड्डा फूड आदि शामिल थे। आयोजन के दौरान न केवल खाना पकाने की प्रतियोगिता हुई बल्कि मनोरंजक खेलों और गतिविधियों ने भी उपस्थितजनों का भरपूर मनोरंजन किया। टीम 1 में मिनू केसरी, सोनी केसरी और छात्रा साक्षी सुमन थीं। टीम 2 में रीमा केसरी, मोनिका राउत और अर्पणा कुमारी, टीम 3 में अंकिता नेवार, श्वेता नेवार और छात्र मुकेश कुमार, टीम 4 में अंजू श्रोफ, अर्शू सराफ और छात्र राहुल कुमार, टीम 5 में रीता बर्णवाल, रिशिता मुखी और छात्र नरेश, टीम 6 में पूनम गुप्ता, सोनी केसरी और छात्रा रुचिरा पांडे तथा टीम 7 में नीरा जैन, अरुणा केजरीवाल और छात्र सूरज कुमार शामिल थे। निर्णायकों की टीम में शेफ मुकेश सिंह पुंडीर-सरोवर पोर्टिको से, शेफ राजू चौधरी - इंपीरियल हाइट्स से , फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट देवघर से शेफ अनुपम आलोक एवं शेफ राजेश जोशी सभी ने पूरे जोश के साथ निर्णय किया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन प्रस्तुति, स्वाद, नवाचार और पारंपरिकता के आधार पर किया। विजेता टीम के साथ प्रथम और द्वितीय रनर अप को पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही निर्णायक मंडल में शामिल प्रसिद्ध शेफ्स का ऋक्षहअ द्वारा स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। गिरिडीह से स्टेट प्रेसिडेंट पूनम सहाय जी , गिरिडीह अध्यक्ष विभूति जी एवं असोसिएट मेंबर्स भी शामिल हुए थे और प्रोत्साहन दिया। कार्यक्रम की सफलता में फूड इंस्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ. नृपेन्द्र सिंह लिंगवाल और शेफ अनुपम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऋक्षहअ की अध्यक्ष शोभा बाथवाल और उपाध्यक्ष सारिका साह एवं सदस्य शालू छावछरिया ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों, संस्थान एवं मीडिया का आभार व्यक्त किया। आयोजन ने यह संदेश दिया कि गृहिणियाँ जब अवसर पाती हैं तो वे अपनी रसोई से बाहर आकर भी समाज को प्रेरित कर सकती हैं।

इस प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम प्रथम पुरस्कार :अरुणा केजरीवाल, नीरा जैन, और छात्र सूरज राणा द्वितीय पुरस्कार मोनिका मोनिका राउत रीमा केसरी छात्रा बनाम हमारी एवं छात्र अर्पणा कुमारी तृतीय पुरस्कार पूनम गुप्ता,सोनी केसरी एवं छात्रा रुचिरा पांडेय बाकी सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए सदर अस्पताल में लगा शिविर

कुल 68 फाइलेरिया मरीजों की यूडीआईडी कार्ड के लिए हुई जांच

देवघर शहरी क्षेत्र से 15, मोहनपुर से 12, देवीपुर से 15, पालाजोरी से 18 और जसीडीह के 8 मरीज पहुंचे दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर । फाइलेरिया मरीजों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए सोमवार को सदर अस्पताल में जांच शिविर का आयोजन किया गया। विकलांगता शिविर में कुल देवघर शहरी क्षेत्र के अलावे जिले के तीन प्रखंडों से कुल 68 फाइलेरिया मरीज जांच के लिए पहुंचे। ज्ञातव्य हो कि सिविल सर्जन, देवघर डॉ. जे.के. चौधरी के निदेर्शानुसार जिले में फाइलेरिया मरीजों व अन्य हेतु दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए प्रत्येक माह के 21 तारीख को सदर अस्पताल में शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए 21 अप्रैल को डॉ. अमरीश ठाकुर व दल की देखरेख में जिले के देवघर सदर प्रखंड के अलावे मोहनपुर, देवीपुर और पालाजोरी के कुल 68 फाइलेरिया मरीजों की दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान करने के उद्देश्य ये बीमारी की जांच की गयी। इस दौरान देवघर शहरी क्षेत्र से 15, मोहनपुर से 12, देवीपुर से 15 और पालाजोरी से 18 और जसीडीह के 8 फाइलेरिया मरीज जांच के लिए पहुंचे। डॉ. अमरीष ठाकुर ने कहा कि शिविर में पहुंचे सभी फाइलेरिया मरीजों के प्रभावित अंगों की स्टेज की

जांच की गयी। उसके बाद मेडिकल टीम की जांच-पड़ताल के बाद स्टेज के अनुसार दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में जिला भीबीडी कंसल्टेंट डॉ गणेश कुमार यादव ने कहा कि फाइलेरिया बीमारी जिस व्यक्ति को हो जाता है उसके बाद वह पूर्णतः ठीक नहीं हो पाता है। इस बीमारी से राहत पाने के लिए नियमित व्यायाम और एमएमडीपी किट के माध्यम से घर पर ही दो बार अपने प्रभावित अंगों की साफ-सफाई करनी होगी। इससे फाइलेरिया पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से थोड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि एमएमडीपी प्रशिक्षण से काफी हद तक हाथीपांव के सूजन को कम किया जा सकता है। डॉ. गणेश ने कहा कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए फाइलेरिया मरीजों को सदर अस्पताल तक लाने में सिफार संस्था की भूमिका काफी सराहनीय रही। साथ ही फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सिफार के माध्यम से किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम काफी असरदार साबित हो रहा है। इस मौके पर सिफार के प्रोजेक्ट एसोसिएट विकास चौहान, राजेश कुमार, यदुनाथ मंडल, कमलेश कुमार, आशुतोष कुमार और पिरामल के पिंटू कुमार मौजूद थे।

फाइलेरिया के मरीजों को मिल रहा है दिव्यांगता प्रमाण पत्र

इस संबंध में जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ अभय कुमार यादव ने बताया कि फाइलेरिया के मरीजों को झारखंड राज्य अपने मापदंड के अनुसार दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति फाइलेरिया बीमारी से ग्रसित हैं। वे अपने नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में संपर्क कर हर माह के 21 तारीख को जिला सदर अस्पताल, देवघर में लगने वाले दिव्यांगता शिविर में आकर अपनी दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। इसी क्रम में 21 अप्रैल को जिले के पांच प्रखंडों के कुल 68 मरीजों ने जांच करायी है। यह अपने आप में काफी बेहतर प्रयास है। उन्होंने कहा कि उक्त दिव्यांगता प्रमाण पत्र को निर्गत कराने में पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य भी काफी सकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। डॉ अभय कुमार यादव ने कहा कि ऐसे व्यक्ति जो भी फाइलेरिया बीमारी से पीड़ित हैं, वह स्वयं व अपने परिवार के सदस्यों तथा अपने पास पड़ोस के लोगों को भी बीमारी के उपचार व बचाव हेतु जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विकलांगता शिविर के माध्यम से जिले में अब तक 14 सौ से अधिक फाइलेरिया मरीजों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया जा चुका है। रोगी को अपने साथ एक पहचान पत्र के तौर पर आधार कार्ड तथा प्रभावित अंगों के साथ चेहरा सहित का एक फोटोग्राफ लेकर आना है और विकलांगता प्रमाण पत्र हेतु एक प्रपत्र को भरकर शिविर में जमा करना है। जहाज प्रांत उनका निर्माण अनुसार विकलांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. जुगल किशोर चौधरी द्वारा शिविर में उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारीयों को निर्देशित किया गया कि शिविर में आए हुए सभी फाइलेरिया रोगियों का विकलांगता प्रमाण पत्र हेतु जांच करना सुनिश्चित करेंगे एवं त्वरित गति से इनका विकलांगता प्रमाण पत्र निर्गत करना सुनिश्चित करेंगे।

मवेशी लदे ट्रक और हाईवा की भिड़ंत, चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल

भागलपुर,। पुलिस जिला नवगछिया के परबत्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर सोमवार को मवेशी लदे ट्रक और हाईवा के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में ट्रक ड्राइवर समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और सड़क पर एक-दूसरे में फंसकर जाम की वजह बन गए। हादसे की सूचना मिलते ही परबत्ता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि टक्कर के समय हाईवे पर अन्य वाहन भी गुजर रहे थे। हादसे के कारण एनएच पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात बहाल करवाया। फिलहाल घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पाकुड़ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने जेल का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:झालसा रांची के निदेर्शानुसार सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष शेष नाथ सिंह की अध्यक्षता में मंडल कारा एवं प्रिजनर लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। उक्त स्थल में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेष नाथ सिंह ने जेल की साफ-सफाई, भोजन, पानी के सुविधा, मेडिकल सुविधा, लीगल एड क्लिनिक एवं दवाई वितरण की पंजी की निरक्षण किया। साथ ही कैदियों को तीन फेज में साबुन, टॉयलेट क्लीनियर, मशरूम की खेती से संबंधित प्रशिक्षण दी गई। एवं यदि कोई विचाराधीन बंदी की अधिवक्ता नहीं हो तो निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने जेल के अंदर स्थित अस्पताल का निरक्षण किया। निरीक्षण के बाद आवश्यक दिशा निर्देश जेल अधीक्षक को दिया गया। इस मौके पर पीडीजे शेष नाथ सिंह,जेल के प्रशासनिक अधिकारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डोली शर्मा ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना की

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉली शर्मा बाबा वैद्यनाथ की पूजा अर्चना करने दिल्ली से देवघर पहूंची। देवघर एयरपोर्ट पर जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने उन्हें पुष्प कुछ भेंट का स्वागत किया। तत्पश्चात वो सीधे बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंची तथा बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। दर्शन पूजा पुरोहित पंडा हलचल झा ने कराया। पूजा अर्चना करने के पश्चात प्रेस से रूबरू होते हुए उन्होंने बताई कि आज बाबा बैद्यनाथ के पावन द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्पर्श पूजा बड़े ही मन से करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ,आशिर्वाद लिया,मन बहुत ही तृप्त हो गया। बाबा वैद्यनाथ से देश की खुशहाली, सुख समृद्धि एवं अमन चैन के लिए कामनाऐं की। गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर टीप्पणी करने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने प्रेस को बताया कि मुझे ऐसा लगता है कि निशिकांत दुबे का हमेशा का यह चाल, चरित्र और चेहरा रहा है कि कभी भी किसी की वो इज्जत नहीं करते। यह सुप्रीम कोर्ट की जो अवमानना उन्होंने की है,सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ में जो बोले हैं,यह भाजपा के दो नेताओं के सहमति से दी गई है। सब जानते हैं कि भाजपा के सिर्फ दो व्यक्ति से ही देश चलता है, और उन दोनों के बगैर कोई कुछ कह नहीं कह सकता है और हमें लगता है कि यह बयान उन दोनों की सहमति से ही निशिकांत दुबे द्वारा बाहर आई है। लेकिन यह बड़े ही खेद का विषय है कि एक सांसद द्वारा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पर ऐसी टिप्पणी करना। उनको खुद यह पता नहीं है कि एक चुने हुए सांसद के द्वारा कब और कहां क्या बोलना चाहिए? उनका अनर्गल बयान बाजी करना काम है। कांग्रेस प्रवक्ता बाबा वैद्यनाथ का दर्शन पूजा करने के बाद पार्टी कार्यक्रम में भाग लेने सीधे धनबाद के लिए निकल गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के साथ जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल,सोसल मीडिया प्रभारी अमित पांडेय के साथ अन्य मौजूद थे

चौकीदार बहाली 470 सफल अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच शुरू, 23 अप्रैल तक चलेगी प्रक्रिया

साहिबगंज: सिद्धो- कान्हू स्टेडियम में शारीरिक जांच में सफल हुए 470 अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच सोमवार से सदर अस्पताल स्थित वेयरहाउस में शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 23 अप्रैल तक चलेगी, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। पहले दिन कुल 160 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से 158 उपस्थित हुए जबकि 2 अनुपस्थित रहे।मेडिकल जांच की प्रक्रिया दंडाधिकारी सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय की निगरानी में संपन्न हुई। मेडिकल बोर्ड में डॉ. सचिन, डॉ. तबरेज आलम, डॉ. राहुल कुमार वर्मा, डॉ. जूही, एएनएम अर्चना कुमारी और प्रशिक्षु फार्मासिस्ट राहुल कुमार सिंह शामिल थे। टीम ने अभ्यर्थियों की विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए और उनकी शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन किया।स्वास्थ्य जांच पूरी होने के बाद सभी अभ्यर्थियों से उनके मूल प्रमाण पत्र जमा लिए गए। प्रमाण पत्र जमा करने के बदले अभ्यर्थियों को पावती भी दी गई, ताकि दस्तावेजों की सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहे।गौरतलब है कि चौकीदार के पद पर सीधी नियुक्ति के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक सिद्धो कान्हू स्टेडियम में आयोजित किया गया था, जिसमें दौड़ और साइक्लिंग जैसी गतिविधियों में प्रदर्शन के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। अब चयनित अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके पूरा होने के बाद बहाली की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

संक्षिप्त समाचार

बजरंगबली मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरूआत, ध्वजा रोपण से गूंजा गांव

सुमन की कलम से

देवघर। पालोजोरी प्रखंड के बारादाहा गांव में आध्यात्मिक उल्लास और धार्मिक श्रद्धा से ओतप्रोत माहौल के बीच श्री श्री 1008 बजरंगबली मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां विधिवत रूप से शुरू हो गईं। शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और ध्वजा रोपण के साथ हुआ, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह तीन दिवसीय आयोजन 28 से 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसे गांव में एक नए आध्यात्मिक युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। ध्वजा रोपण के अवसर पर मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया और गांव का माहौल संगीतमय एवं ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा। स्थानीय ग्रामीणों और आयोजन समिति ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे गांव के सामूहिक प्रयास, आस्था और समर्पण का प्रतीक है। प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में हनुमान जी की नई प्रतिमा की स्थापना की जाएगी, जो न केवल धार्मिक भावना को मजबूत करेगी, बल्कि गांव में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करेगी।दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से महोत्सव में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की है।

सीसीएल की सीएसआर से 750 एचआईवी,एड्स मरीजों को दी मच्छरदानियाँ

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)आम्रपाली-चन्द्रगुप्त क्षेत्र द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) योजना के तहत चतरा ज़िले के 750 एचआईवी,एड्स मरीजों को मच्छरदानियाँ वितरित की गईं। यह पहल एचआईवी,एड्स प्रभावित मरीजों को मलेरिया और डेंगू जैसी जानलेवा मच्छरजनित बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर सीसीएल आम्रपाली-चन्द्रगुप्त क्षेत्र के महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने मच्छरदानियाँ हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट नेटवर्क फॉर पीपल लिविंग विद एचआईवी/एड्स के सचिव बहादुर उराँव और उनके सहयोगियों को सौंपीं गई। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेक्नोलॉजी)संतोष कुमार सिंह, स्टाफ अधिकारी (असैनिक) रंजन प्रधान समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्वास्थ्य और सुरक्षा की दिशा में सराहनीय प्रयास

सीसीएल की इस पहल का उद्देश्य न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करना है। एचआईवी/एड्स मरीजों की प्रतिरक्षा क्षमता सामान्य लोगों की तुलना में कमजोर होती है, जिससे मलेरिया और डेंगू का खतरा अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में मच्छरदानियाँ उनके लिए एक सुरक्षित कवच का कार्य करेंगी।

12 करोड़ 21 लाख के लागत से कटान निरोधी कार्य का विधायक ने किया शुभारंभ

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

सदर प्रखंड की कुतलूपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 4,6 एवं 7 को कटाव से बचाने के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल बेगूसराय द्वारा 12.21 करोड़ की लागत से 500 मीटर में कटावरोधी कार्य शुरू कर दिया गया है। सोमवार को विधायक प्रणव कुमार, उप प्रमुख चंदन चौधरी, मुखिया जितेन्द्र रजक सहित सहायक अभियंता दीपक कुमार, जेई के देख रेख में कार्य स्थल पर ध्वजारोहण के साथ ही विधि एवं विधान के साथ पूजा अर्चणा का कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्य एजेंसी के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों से कुतलूपुर पंचायत के वार्ड नंबर 4,6,एवं 7 नंबर में कटाव के कारण सैकड़ा बीघा जमीन गंगा नदी में समाहित हो गया था। ग्रामीणों को कटाव से मुक्ति दिलाने को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों में उप प्रमुख प्रतिनिधि चंदन कुमार चौधरी ने सांसद से लेकर विघायक तक के पास लगातार गुहार लगाते रहे। जिसका परिणाम है कि 12 करोड़ की लागत से कटावरोधी कार्य शुरू हो सका। इधर कटावरोधी कार्य शुरू होने से कुतलूपुर के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों ने कहा कि पिछले साल तो आशियाना किसी तरह बच गया। अब यदि कटावरोधी कार्य शुरू नहीं किया जाता तो हमलोगों को विस्थापित होने से कोई नहीं रोक सकता था। बरसात के समय में इसबार गंगा की तेज धार से गांव को बचाना मुश्किल हो जाता। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी 7 करोड़ की लागत से कटावरोधी कार्य चलाया गया था। कटावरोधी कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में विस्थापित होने का जो भय था, वह अब थम गया है।

प्रखंड स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। प्रखंड स्तरीय कार्यान्वयन समिति बखरी की पहली बैठक सोमवार को प्रखंड सभागार में बीस सूत्री अध्यक्ष मनोज कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी राय, सचिव सह प्रखंड विकास पदाधिकारी महेश चंद्र, सीओ राकेश कुमार चौधरी, पीएचडी के सहायक अभियंता बखरी, प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, बिजली के जेई रवि कुमार, शाखा प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक बखरी, सांख्यिकी पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय कार्यान्वयन के सभी सदस्य उपस्थित हुए।अध्यक्ष ने जानकारी दी कि सरकार की 20 सूत्री कार्यक्रमों को सुचारु संचालन के लिए प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। संबंधित पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया, ताकि समिति द्वारा क्षेत्रीय निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

अम्बेडकरवादियों को शराबी कहना सामंती सोच: विधायक सूर्यकांत पासवान

बाबा साहेब का अपमान के खिलाफ अम्बेडकरवादियों का उमड़ा जनसैलाब

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। सोमवार को फुले-अम्बेडकर विचार मंच बखरी बेगूसराय की ओर से अम्बेडकर जयंती के दिन अनुमंडल प्रशासन एवं सामंती ताकतों द्वारा अम्बेडकरवादियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार और बाबा साहेब के प्रतीकों के अपमान के खिलाफ विशाल भीम मार्च का आयोजन किया गया। मार्च की शुरूआत बखरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों के द्वारा बखरी अम्बेडकर चौक स्थित बाबा साहेब के स्मारक पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके उपरांत हजारों की संख्या में लोगों ने गाजे-बाजे के साथ मंच के अध्यक्ष कैलाश सदा, दलित नेता रविराज उर्फ राजा पासवान, लोजपा आर के प्रखंड अध्यक्ष पंकज पासवान के संयुक्त नेतृत्व में मक्खाचक, रामपुर, पठानटोली, सलौना होते हुए अनुमंडल कार्यालय बखरी तक मार्च किया गया। मार्च के दौरान जय भीम, बाबा साहेब का अपमान नहीं सहेगा नौजवान, बाबा तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे, जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। अनुमंडल कार्यालय पहुंचने के पश्चात अम्बेडकरवादियों ने वहां धरना शुरू किया एवं प्रतिरोध सभा आयोजित की। सभा की अध्यक्षता प्रदीप कुमार ने की तथा संचालन पूर्व मुखिया शिवनारायण राम ने किया। सभा को संबोधित करते हुए बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान ने कहा कि बखरी अनुमंडल प्रशासन ने अम्बेडकरवादियों का अपमान किया है। एसडीपीओ द्वारा अम्बेडकरवादियों को शराबी कहना उनकी सामंती सोच को उजागर करता है। यह अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दलित नेता विजय पासवान ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहेब के स्मारक से प्रतीक चिन्ह झंडा उतारना अम्बेडकरवादियों का सीधा अपमान है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अविलंब झंडा पुनः स्थापित नहीं किया गया तो अम्बेडकरवादी स्वयं झंडा फहराएंगे। पूर्व विधान पार्षद उषा सहनी ने कहा कि जिस प्रकार बाबा साहेब ने अपने समय में मनुवाद से संघर्ष किया, उसी प्रकार आज उनके अनुयायी भी संघर्ष को तैयार हैं। प्रदर्शन के अंत में एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी से भेंट कर मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष दिलीप केशरी, ओम प्रकाश बौध, भिखारी दास, शिव सहनी, अनिल अंजान, राजेन्द्र सहनी, धीरेंद्र कुमार, विकास कुमार, रामचरण अम्बेडकर, भुषण चौधरी, जय प्रकाश मंडल, भवेश पासवान, मो. नसीम, लक्ष्मी पासवान, संजय पासवान, पप्पू सहनी, विजय सहनी समेत कई वक्ताओं ने सभा को संबोधित किया।

बस स्टैंड के मुद्दे पर नगर आयुक्त से मिले झामुमो नेता सूरज

पुराने बस स्टैंड से आसपास के क्षेत्रों में परिचालन कराने का सुझाव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झामुमो नेता सह समाजसेवी सूरज झा ने नगर आयुक्त रोहित कुमार सिन्हा से मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने नगर आयुक्त को बस परिचालन ठप्प होने व पुराने बस स्टैंड नहीं होने से आम जनता को हो रही परेशानियों से अवगत कराया व व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने के लिए हजारों की संख्या में यात्री प्रतिदिन आते हैं इसमें एक बड़ी संख्या बस से आते हैं। पुराना मीना बाजार बस स्टैंड से परिचालन होने से उन्हें मंदिर पहुंचने और मंदिर में पूजा करने के बाद वापस बासुकीनाथ जाने के लिए बस स्टैंड तक जाने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता था। वहीं बाघमारा स्टैंड से जब पूर्णतः परिचालन होने लगेगा इससे पूरे शहर में टोटो आटो का अंधाधुंध परिचालन होगा और शिवगंगा, मानसरोवर, हिंदी विद्यापीठ, बरमसिया, तिवारी चौक, विलियम्स टाउन समेत बाघमारा पहुंचने वाले पथ में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहेगी। स्थानीय निवासियों को आवागमन में परेशानी का सामना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बाघमारा बस पड़ाव से परिचालन निश्चित रूप से किया जाना चाहिए लेकिन वहां से लंबी दूरी की बसों का परिचालन किया जाए व पुराने बस स्टैंड से दुमका, गोड्डा, सारठ, सारवां, मधुपुर समेत आसपास के इलाके में बस का परिचालन किया जाए तो आम लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।इस दौरान नगर आयुक्त ने सूरज के सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना और विचार करने का आश्वासन दिया।

पाकुड़: उपायुक्त के पहल से विद्यालयों में प्रतिमाह एक तिथि को भोज का आयोजन किया जाना है जिसके मद्देनजर हुआ तिथि भोज, बच्चों ने उठाया लुत्फ

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत जिला के सभी मध्याहन भोजन संचालित विद्यालयों में विभागीय निदेशानुसार तिथि भोजन का आयोजन करवाने का निदेश दिया गया है। उक्त के आलोक में दिनांक 15.04.2025 को सम्पन्न जिला स्टीयरिंग-सह- मोनिटरिंग समिति की बैठक में उपायुक्त श्री मनीष कुमार के आदेशानुसार सभी विद्यालयों में प्रत्येक माह के 20 तारीख को तिथि भोजन का आयोजन हेतु तिथि निर्धारित की गई है। विशेष परिस्थिति में निर्धारित तिथि को अवकाश पड़ने पर अगले दिन तिथि भोजन का आयोजन किया जायेगा। जिसका अनुपालन सभी विद्यालय के द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत विद्यालय के शिक्षक / छात्र/विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य भी अपने जन्मदिन, विवाह उत्सव, शादी की सालगिरह तथा क्षेत्रीय पर्व, त्योहारों (दशहरा, दिवाली, कालीपूजा, होली, रामनवमी, क्रिशमस, ईद, मकर संक्रांति, गुरू पर्व इत्यादि) के अवसर पर विद्यालय में जाकर कार्यक्रम करने की पहल की जा सकती है। तिथि भोजन के आयोजन में जंक फूड एवं बासी सब्जी कदापि नहीं परोसा जाय जिससे कि इसका दुष्प्रभाव छात्रों पर नहीं पड़े। विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आहूत कर विर्मशोपरांत तिथि भोजन हेतु मेनू तथा दाता (उङ्कल्लं१) को चिन्हित करने का निर्देश विभागीय दिशा-निर्देश इस कार्यालय के विभिन्न पत्रों के द्वारा जिला के सभी मध्याहन भोजन योजना संचालित विद्यालय के प्रधान शिक्षक/अध्यक्ष/संयोजिका/बी.पी.ओ./बी.आर.पी. सी.आर.पी./ प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को अनुपालन हेतु निदेशित किया जा चुका है।

सूढ़ी (वैश्य) समाज की जमालपुर सदर बाजार में सभा का आयोजन

सूढ़ी जाति को अति पिछड़ा जाति में शामिल करने के लिए पटना चलो का आह्वान

दिव्य दिनकर संवाददाता अमरनाथ गुप्ता

जमालपुर। रेल नगरी जमालपुर के सदर बाजार स्थित कृष्णा कॉम्प्लेक्स विवाह भवन में सूढ़ी समाज की आवश्यक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) संगठन के प्रमंडलीय संयोजक अनिल वैद्य तथा संचालन संजय सरस्वती ने किया। बैठक में सूढ़ी जाति को अति पिछड़ा में शामिल करने की चिर प्रतीक्षित मांग को लेकर अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) संगठन संपूर्ण बिहार में लोगों को जागृत कर दिनांक 8 जून को पटना स्थित बापू सभागार में महासम्मेलन आयोजित कर रही है। जिसमें जमालपुर मुंगेर क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करना है। बैठक में सर्व सम्मति से वार्ड पार्षद साईं शंकर को अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) संगठन जमालपुर इकाई का संयोजक, हरिओम मंडल को सह -संयोजक तथा मनोज कुमार को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा 21 सदस्यों की कार्यकारिणी समिति बनाई गई। जिसमें रवीश चंद्र, ब्रजेश कुमार, उदय नारायण साह, अरुण कुमार आजाद, अमित कुमार, संतोष नायक, राजेंद्र प्रसाद मंडल, चंदन कुमार, उत्तम कुमार, विनोद कुमार, रुपेश कुमार, ध्रुव नायक, विक्की कुमार, पीयूष कुमार को शामिल किया गया। बैठक में चर्चा की गई कि अगले कुछ दिनों में जमालपुर शहर के 36 वार्ड में रह रहे सूढ़ी समाज के लोगों को पटना बापू सभागार चलने के लिए जागरूक किया जाएगा। मौके पर रंजीत कुमार आर्य, नवल किशोर प्रसाद, ज्योति वैध, रीता कुमारी, शर्मिला कुमार मंडल, मीना देवी, रूपेश कुमार, दिनेश प्रसाद मोदी मौजूद थे।

अभियान: परिवहन नियम का उल्लंघन करनेवाले 300 चालकों का लाइसेंस रद्द: डीटीओ

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने सोमवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया।जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि शहर के ट्रैफिक चौक, हरहर महादेव चौक, जेल गेट, सुभाष चौक, शाहपुर टोल प्लाजा, बाजार समिति सहित अन्य कई जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 200 वाहनों की चेकिंग की गई। जिसमें से 63 वाहनों से 3,84,500 रुपए की वसूली की गई। श्री कुमार ने बताया कि वाहन चेकिंग में 10 प्रवर्तन अवर निरीक्षक, चार मोटरयान निरीक्षक तथा एक अपर परिवहन पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। अब मोटरसाइकिल के पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट लगाना अनिवार्य होगा। इसके लिए लगातार जागरूकता चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वैसे चालक जो लगातार परिवहन नियम का उल्लंघन करते हैं, उनके लाइसेंस रद्द करने की भी प्रक्रिया की जा रही है। अब तक कुल 300 चालकों का लाइसेंस रद्द किया जा चुका है। साथ ही हिट एंड रन एवं नॉन हिट एंड रन मामले में जानकारी देते हुए परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि इसके तहत दुर्घटना में प्रभावित लोगों को शीघ्र मुआवजा राशि देने के लिए सभी थाना अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक यातायात के द्वारा भी इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने अभी लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाने की बात कही। साथ ही सभी चालकों से परिवहन के नियम का पालन करते हुए ड्राइविंग करने की अपील की है ताकि सुरक्षित रहे।

जिला सदर प्रखंड पाकुड़ में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु जांच कैम्प लगाया गया.

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिले के सदर प्रखंड पाकुड़ में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़ समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने बताया कि वर्तमान सरकार वृद्ध जनों के कष्ट निवारण हेतु राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के साथ अब राष्ट्रीय वयोश्री योजना लाई है।जिससे वृद्धि जनों के उठने- बैठने, चलने-फिरने एवं देखने-सुनने में सहायता मिल सके। एलिमको के ऑडियोलॉजिस्ट डॉ अविनाश कुमार एवं गौरव कुमार ने बताया कि इस शिविर में 50 लाभुक ने आवेदन दिए जिसमें 20 लाभुकों का डॉक्यूमेंट सही नहीं पाया गया 30 लाभुक का डॉक्यूमेंट सही पाया जिसपर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है। राष्ट्रीय वयो योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रपत्रा इस प्रकार है, आधार कार्ड (60 वर्षीय एवं अधिक होने चाहिए) आय प्रमाण पत्र मासिक आय (15000 रूपया अधिकतम) नोट:लाभार्थियों द्वारा तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार/ राज्य सरकार या अन्य सामाजिक योजना के अंतर्गत किसी शासकीय/ अशासकीय अन्य संस्था से कोई उपकरण प्राप्त न किया गया हो एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजन के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रपत्रा इस प्रकार हैं, (1) यू.डी.आई.डी. कार्ड न्यूनतम (दिव्यांगता 40 प्रतिशत से अधिक)। (2) आधार कार्ड। (3) आय प्रमाण पत्र (मासिक आय 22,500/ अधिकतम।)

आनंद विहार/नई दिल्ली/दिल्ली से बिहार के विभिन्न स्टेशनों के मध्य और 06 जोड़ी सहित 10 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर: ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में और 10 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालित का निर्णय लिया गया है

सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स , देवघर की बैठक संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला में सहोदया के अध्यक्ष राम सेवक सिंह ' गुंजन ' की अध्यक्षता में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पहली बैठक आयोजित की गई।अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का विद्यालय प्रांगण में पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया । कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई । सम्मानित अतिथियों के सम्मान में बच्चों ने सुमधुर स्वागत गान की प्रस्तुति की। स्वागत भाषण देते हुए सचिव सह गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला के प्राचार्य बलराम कुमार झा ने कहा कि सहोदया का काम केवल प्रतियोगिता कराना नहीं है बल्कि स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता के मानक को प्राप्त करना, शिक्षकों की व्यावसायिक योग्यता में सुधार के लिए सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित करना है और कौशल और शैक्षिक अनुसंधान को व्यापक बनाना है। इस वर्ष हम सभी इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएंगे। सहोदया के अध्यक्ष ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्कूलों का एक सफल नेटवर्क तैयार करना और पारस्परिक तथा स्नेहपूर्ण मूल्य का सृजन करना होगा। बैठक में कई मुद्दों पर विचार -विमर्श किया गया एवं आगामी सत्र की रूपरेखा तैयार की गई ।इस क्रम में खेलकूद,सह पाठयक्रम गतिविधियों एवं अन्य गतिविधियों का भी वार्षिक कैलेंडर जारी किया गया ।इस वर्ष राष्ट्रीय कार्यशाला करने की भी चर्चा हुई। बैठक में अध्यक्ष, सचिव के अलावा विशिष्ट अतिथि सह गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल कास्टर टाउन के प्राचार्य दिलीप कुमार सिंह,संयुक्त सचिव सुधा पांडेय, कोषाध्यक्ष बिट्टू कुमार झा, ट्रेनिंग कोऑर्डिनेट अवंतिका आनंद के अलावा देवघर और मधुपुर के सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालय के लगभग 25 प्राचार्य मौजूद थे। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी अभिषेक सूर्य ने दी।

गोपालगंज आरा छपरा सिवान में भाभी रूप से स्वागत हुआ, मानवाधिकार एवं अपराध विरोधी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इंसान सिन्हा

दिव्य दिनकर

भागलपुर सोमवार 21.4.2025 को सारण्य राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध विरोधी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इंसान सिंह का बिहार के गोपालगंज आरा छपरा सिवान के लोगों द्वारा जिला स्तरीय सम्मेलन सम्मान समारोह गोपालगंज चित्रकूट स्थल पर आयोजित की गई थी' सम्मेलन में इन्हें सम्मानित किया गया'

चीन को रोकने के सारे पश्चिमी हथकंडे हो जाएंगे नाकाम

>> विचार

> "चीन स्वतंत्र रूप से अंतरिक्ष स्टेशन बनाकर उसका परिचालन कर रहा है जो अमेरिका और रूस की अगुवाई वाले अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को टक्कर दे रहा है। चीन ने पिछले साल हुए पेरिस ओलंपिक में 42 गोल्ड मेडल जीते जबकि अमेरिका के हिस्से में 40 स्वर्ण ही आए। सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से पहले ही चीन ने बीते दशक में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसे सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शुरु किए हैं, और यह 120 देशों के साथ व्यापारिक साझेदारी वाला प्रोजेक्ट है, जबकि अमेरिका के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में 70 देशों की साझेदारी है। सिटीग्रुप की आंतरिक रिपोर्ट्स के कुछ संस्करण तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा, ट्रंप के पहले कार्यकाल और फिर जो बाइडन के सामने आ चुके हैं।

आकार पटेल

चीन का अपराध यह है कि वह अगले कुछ वर्षों में, शायद 2035 तक ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अगर बीते 15 साल की औसत वृद्धि देखें तो उस गति से इसकी जीडीपी अमेरिका से अधिक हो जाएगी। अमेरिका को यही मंजूर नहीं है क्योंकि पिछली सदी से ही वह दुनिया पर वर्चस्व बनाकर वैश्विक शक्ति बना हुआ है। और उसे यह शक्ति अधिकांशतः अपनी अर्थव्यवस्था के दम पर ही मिली है, जो शायद आने वाले समय में हमारी आंखों के सामने ही पहले पायदान से खिसककर दूसरे नंबर पर आ जाने वाली है। चीन का यही कुसूर है और यही कारण है कि राष्ट्रपति ट्रंप चीन पर टैरिफ के बाण छोड़ रहे हैं। जिसे 'पश्चिम' कहा जाता है, जिसका मतलब है यूरोप और उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और इज़राइल में इसके उपनिवेशों में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां इसका शासन न रहा हो और बाकी हम इससे शासित न हुए हों। इसी तरह जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था' कहते हैं, वह ऐसा तरीका है जिसमें उपनिवेशवाद और उसके रूपों के माध्यम से प्रत्यक्ष शासन को बदलकर अब उसकी जगह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक जैसी संस्थाओं ने ले ली है। जी-7 जैसे अनौपचारिक समूहों का इस्तेमाल कर आपस में तय कदम उठाए जा रहे हैं। 18वीं सदी में चीन और भारत दो बड़ी आर्थिक शक्तियां होती थीं। यह वह दौर था जब दुनिया का अधिकतर काम बिना मशीनों के होता था और राष्ट्रीय उत्पादकता और उससे मिलने वाला आउटपुट आबादियों पर निर्भर था। अधिकांशलोग खेती से जुड़े हुए थे। औद्योगिक क्रांति ने ये सब बदल दिया और उत्पादकता ने मानव श्रम से खुद को एक तरह से अलग कर लिया। इस तकनीकी बदलाव में 18वीं सदी से वर्तमान समय तक पश्चिम ही अग्रणी रहा। चीन ने जल्द ही कदमताल मिला दी, और जल्द ही वह आगे भी निकल जाएगा। सिटीग्रुप ने 2023 में 'कब चीन की जीडीपी अमेरिका से आगे निकलेगी? और इसका क्या अर्थ होगा?' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है। इस पेपर

को यहां खत्म किया गया है: 'विभिन्न पैमानों पर 2030 के दशक में ही (चीन) पास आ जाएगा, और शायद मध्य दशक तक ऐसा हो जाए। और जब अंततः ऐसा होगा, तो प्रेस में इसकी चर्चा होगी ही और शायद राजनीतिक विमर्श भी इसी पर केंद्रित हो। यह मोटे तौर पर प्रतीकात्मक हो सकता है, लेकिन इससे भू-राजनीतिक ताकत और प्रतिष्ठा दोनों ही मिलेगी। मसलन, किसी अर्थव्यवस्था का समग्र आकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कोटा फॉर्मूले में शामिल होगा और वोटिंग में अधिकारों को निर्धारित करने में मदद करता है। इसके साथ ही ओलंपिक टीमें, अंतरिक्ष कार्यक्रम और (सबसे महत्वपूर्ण) सेना आदि जैसी गतिविधियों जो ष्ट्रीय स्तर पर वित्त पोषित हैं, तो एक बड़ी अर्थव्यवस्था का मतलब है इनके लिए संसाधनों में बढ़ोत्तरी। इनमें से हर मोर्चे पर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था प्रभाव, ताकत और अन्य फायदे हासिल कर सकती है। इनमें से अधिकांश तो हो ही चुका है। चीन की नौसेना के पास अमेरिकी नौसेना से ज्यादा जहाज हैं। चीन स्वतंत्र रूप से अंतरिक्ष स्टेशन बनाकर उसका परिचालन कर रहा है जो अमेरिका और रूस की अगुवाई वाले अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को टक्कर दे रहा है। चीन ने (हॉन्गकॉन्ग सहित) पिछले साल हुए पेरिस ओलंपिक में 42 गोल्ड मेडल जीते जबकि अमेरिका के हिस्से में 40 स्वर्ण ही आए। सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से पहले ही चीन ने बीते दशक में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसे सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शुरु किए हैं, और यह 120 देशों के साथ व्यापारिक साझेदारी वाला प्रोजेक्ट है, जबकि अमेरिका के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में 70 देशों की साझेदारी है। सिटीग्रुप की आंतरिक रिपोर्ट्स के कुछ संस्करण तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा, ट्रंप के पहले कार्यकाल और फिर जो बाइडन के सामने आ चुके हैं। इसके जवाब में उनकी प्रतिक्रिया फिलहाल यही रही है कि किसी तरह चीन को पंगु बनाया जाए, उसे ताइवान में बनने वाले और अमेरिका में डिजायन हुए सेमीकंडक्टर चिप न दिए जाएं। मकसद था कि अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाए रखे। कुछ लोग इसे उसी तरह देखते हैं जैसे कि बिजली के अविष्कार ने बदलाव किया था। लेकिन यह प्रतिक्रिया नाकाम साबित हुई और एक अत्याधुनिक एआई डीपसीक सामने आया जिसने चीन की क्षमता को दुनिया के सामने रखा। और रोचक बात रही कि चीन ने डीपसीक को ओपन-सोर्स ही रखा, यानी इसे मुफ्त कर दिया, जिसने इस क्षेत्र में अमेरिका की मोनोपोली (एकछत्र राज) को चुनौती दे दी। पश्चिम ने चीन की कंपनी हुएवी को 2019 में प्रतिबंधित कर दिया थआ और बाजार और हार्डवेयर तक उसकी पहुंच बंद कर दी थी, लेकिन चीन ने मैन्यूफैक्चरिंग पर ध्यान केंद्रित किया और अनुमानतः सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में वह इसके शीर्ष निर्माताओं ताइवान की टीएसएमसी और डच फर्म एसएसएमएल से कुछ साल ही पीछे है। सिर्फ औद्योगिक डिजायन और मैन्यूफैक्चरिंग की बाक है, ये वे दो मोर्चे हैं जिनमें चीन खुद को बेहतर ही साबित किया है। ऐसे में वह जल्द ही बराबरी पर खड़ा हो तो ताज्जुब नहीं। ताजा मामला टैरिफ वॉर का है जिसके जरिए पश्चिम चीन को अपनी अर्थव्यवस्थाओं से अलग रखना चाहता है और शायद यह आखिरी कदम है पूर्व को रोकने के लिए। और अगर यह भी नाकाम हो गया, तो फिर सिर्फ सैन्य शक्ति इस्तेमाल करने का ही विकल्प बचेगा, वैसे वॉशिंगटन में कुछ लोग इन दिनों ऐसी बातें कर भी रहे हैं। टैरिफ को बेतुके 145 फीसदी तक बढ़ाए जाने के बाद चीन के जहाज अमेरिकी बंदरगाहों से लौटाए जा रहे हैं। दो सप्ताह से भी कम समय में, , 2 मई को, चीन से 800 डॉलर कीमत से कम के पैकेजों को दी जाने वाली ड्यूटी फ्री छूट समाप्त हो जाएगी। तब जब व्यापार ठप्प हो जाएगा, चीन से आने वाले कुछ मध्यवर्ती और तैयार माल का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महसूस किया जाएगा।

हां, चीन को भी इससे नुकसान होगा, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं : अमेरिका को चीन का निर्यात उसके सकल घरेलू उत्पाद का 2 फीसदी है। ज्यादा नुकसान अमेरिका को होगा। सेज लॉ ऑफ मार्केट का नियम हमें बताता है कि सप्लाई अपनी मांग खुद बनाती है। इसका मतलब यह है कि एक अर्थव्यवस्था जो माल के उत्पादन पर केंद्रित है, उसे अंततः बिक्री के लिए कुछ बाजार मिल ही जाएंगे, जिसमें एक आंतरिक बाजार भी शामिल है क्योंकि माल का उत्पादन करने वाले श्रमिक उन्हें खरीद सकते हैं। वह चीन है, जो दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और एकमात्र मैन्यूफैक्चरिंग पॉवर है। अमेरिका एक उपभोक्ता है। अब उसके सामने वह कठिन कार्य है जो वह उपभोग करना चाहता है, और ऐसा करने में उसे आर्थिक पीड़ा और अनिश्चितता से गुजरना पड़ेगा, क्योंकि वह किसी और को नंबर एक के रूप में नहीं देख सकता।

संपादकीय

नया रास्ता चुनें

कोचिंग सेंटर अब एक संस्कृति, एक तरीका, एक पायदान और करियर की महत्त्वाकांक्षा का जरिया कैसे बन गए। क्यों पढ़ाई सरकारी स्कूलों में मुकम्मल नहीं हो रही या यह छूट अभिभावकों को कैसे मिल गई कि बच्चों के अंधेरों को मिटाकर अगर रोशनी की तलाश है, तो एक हाथ कोचिंग, दूसरे में 'डमी एडमिशन' का बंदोबस्त जरूरी है। हम इसे अभिभावकों की भेड़चाल करार दें या निजी स्कूलों व कोचिंग केंद्रों की अवैध संलिप्तता मानें, मगर शिक्षा की ऐसी परिणति के लिए सरकारी क्लास रूम की विफलता भी तो माननी पड़ेगी। यह हालत एक दिन में नहीं हुई, बल्कि जब इसकी शुरुआत हुई, तो शिक्षा को चलाने वाले अनभिज्ञ बने रहे। शिक्षा का गुणात्मक पक्ष किसकी वजह से हारा, इस पर भी तो बहस हो। आखिर शिक्षा का अपना मॉडल है क्या। यह क्यों सरकारी और निजी परिसर में अलग-अलग दिखाई दे रहा। जहां तक स्कूल शिक्षा बोर्ड का सवाल है, यह संस्थान परीक्षा बोर्ड ही साबित हुआ है। जाहिर है दसवीं की परीक्षा के बाद बारहवीं में कदम रखते ही जिंदगी में आगे बढने् के संकल्प और भविष्य के पन्ने खुल जाते हैं। ऐसे में आगे प्रोफेशनल कालेजों की प्रवेश परीक्षाओं और जमा दो की आम परीक्षाओं के बीच सपनों और हकीकत के बीच एक अंतरंगी संसार का उदय होता है। इन क्षणों का दबाव क्या हिमाचल के शिक्षा विभाग व बोर्ड ने महसूस किया। अगर स्कूल शिक्षा बोर्ड को इस कसौटी पर उत्तीर्ण घोषित होना है, तो सर्वप्रथम कुछ मॉडल स्कूल बनाकर करियर की तैयारी में, स्कूल के अंतिम दो सालों में सार्थक ऊर्जा का संचार करे। मैट्रिक परीक्षा के बाद शिक्षा की करवट, करियर की तलाश तक जारी रहती है। क्यों न मैट्रिक के बाद मैरिट के आधार पर पांच हजार बच्चों की हौसला अफजाई और जमा दो स्कूलों की जवाबदेही में कुछ नया खाका बुना जाए। स्कूल शिक्षा बोर्ड तथा विभाग मिलकर कम से कम पांच हजार बच्चों की मैरिट को करियर तक बढ़ाने के लिए नए प्रयोग, आश्वासन व अभिभावकों का भरोसा अर्जित करने का कोई नया रास्ता चुनें।

पृथ्वी दिवस: प्रकृति के साथ एक नई शुरुआत का संकल्प

प्रो. आरके जैन "अरिजीत

धरती की पुकार आज हर दिल तक पहुँच रही है। उसके जंगल आग की लपटों में सुलग रहे हैं, नदियाँ सिसकियों में सूख रही हैं, और हवा, जो कभी जीवन की ताजगी थी, अब ज़हर बन चुकी है। यह धरती-हमारा एकमात्र आश्रय-हमसे सवाल कर रही है: हमने उसे क्या दिया, जिसने हमें अनमोल जीवन, शुद्ध जल, और हरियाली की गोद दी? विश्व पृथ्वी दिवस, जो हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है, केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक जागृति का आलम है। यह वह क्षण है जब हमें रुकना होगा, अपने कर्मों पर विचार करना होगा, और उस ग्रह की रक्षा के लिए कदम उठाना होगा, जिसने हमें सब कुछ दिया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम धरती के मालिक नहीं, बल्कि इसके रखवाले हैं। इसका स्वास्थ्य ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य है। 1970 में अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरणीय तबाही के खिलाफ एक क्रांतिकारी कदम उठाया। उस दौर में औद्योगिक प्रगति ने प्रकृति का बेरहमी से दोहन किया था। कारखानों का धुआँ आकाश को ढँक रहा था, नदियाँ रसायनों से जहरीली हो रही थीं, और प्राकृतिक संसाधनों की लूट मानवता को विनाश की ओर धकेल रही थी। 22 अप्रैल 1970 को पहले पृथ्वी दिवस में दो करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिसने पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक चेतना को जागृत किया। इस आंदोलन ने अमेरिका में स्वच्छ वायु अधिनियम (1970) और स्वच्छ जल अधिनियम (1972) जैसे कानूनों को जन्म दिया। आज 193 से अधिक देश इस दिन को मनाते हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष उत्सव बनाता है। यह दिन हमें अतीत की गलतियों से सीखने और भविष्य को संवारने की प्रेरणा देता है। धरती आज अभूतपूर्व संकटों से गुजर रही है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की जलवायु रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि तुरंत कार्रवाई न हुई, तो 2050 तक वैश्विक तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप सूखा, बाढ़, और तूफान 30% अधिक तीव्र और

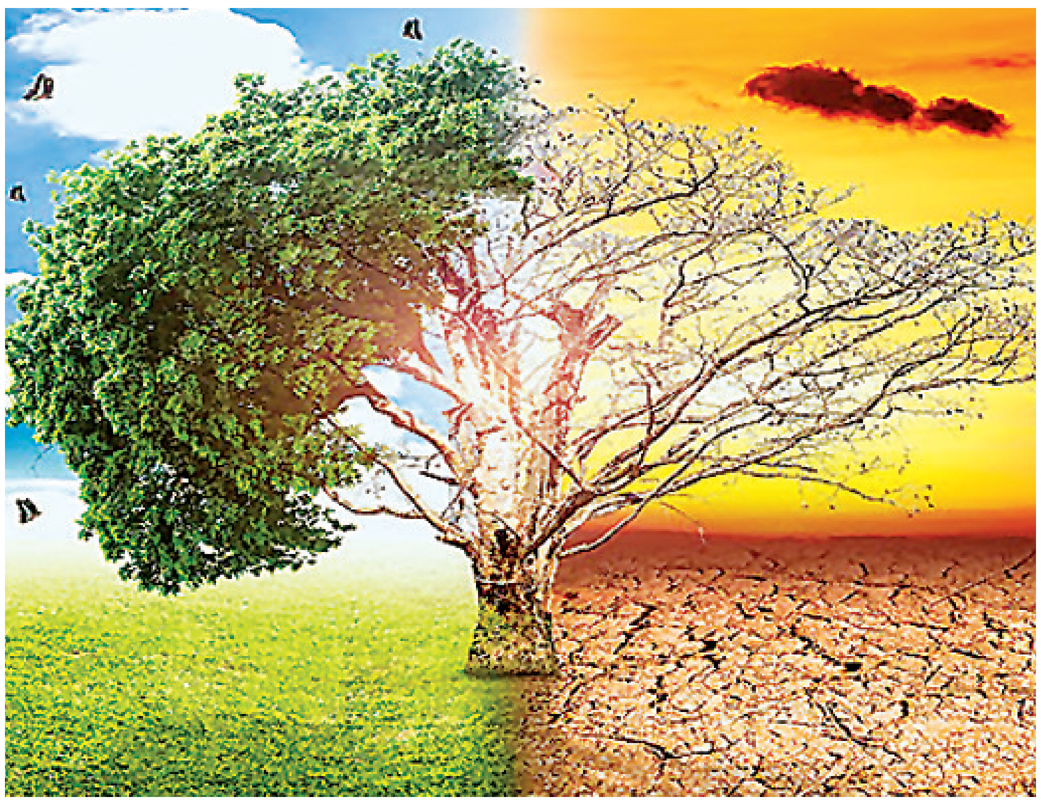

बार-बार होंगे। जैव विविधता का ह्रास भी भयावह है-10 लाख प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं। समुद्र का स्तर 2100 तक 1 मीटर तक बढ़ सकता है, जिससे कोलकाता, मुंबई जैसे तटीय शहर डूबने के खतरे में हैं। प्लास्टिक प्रदूषण ने स्थिति को और गंभीर किया है। हर साल 400 मिलियन टन प्लास्टिक उत्पादित होता है, जिसमें से 14 मिलियन टन समुद्रों में पहुँचता है, जो समुद्री जीवन और मानव खाद्य श्रृंखला को नष्ट कर रहा है। भारत में स्थिति चिंताजनक है-गंगा और यमुना जैसी नदियाँ 70% तक प्रदूषित हैं, और दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 300 से ऊपर रहता है, जो "खतरनाक" स्तर है। ये आँकड़े हमें बताते हैं कि अब और देर नहीं की जा सकती। पृथ्वी दिवस केवल सामूहिक अभियानों का दिन नहीं है; यह हमारी जीवनशैली को बदलने का अवसर है। यह हमें मजबूर करता है कि हम अपनी आदतों पर सवाल उठाएं। छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। मसलन, एक रीयूजेबल बोतल अपनाने से हर व्यक्ति सालाना 156 प्लास्टिक बोतलों का कचरा रोक सकता है। एक पेड़ अपने जीवनकाल में 48 पाउंड कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है। अगर भारत का हर नागरिक एक पेड़ लगाए, तो 1.4 अरब पेड़ जलवायु परिवर्तन से लड़ सकते हैं। एलईडी बल्ब इस्तेमाल करने से 50% तक बिजली बचेगी। 5 मिनट की छोटी शॉवर से 10 गैलन पानी की बचत हो सकती है। ये कदम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि हमारे संसाधनों को भी संरक्षित करते हैं। पृथ्वी दिवस की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह हर व्यक्ति को बदलाव का हिस्सा बनने का मौका देता है। स्कूलों में बच्चे पौधे रोपते हैं, युवा साइकिल रैलियों में उत्साह दिखाते हैं, और समुदाय कचरा प्रबंधन में जुटते हैं। लेकिन बदलाव केवल बाहरी प्रयासों तक सीमित नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की आदतों में झलकना चाहिए। कपड़े का थैला अपनाना, बिजली बचाना, पानी का दुरुपयोग रोकना, या कार पूलिंग जैसे कदम सामूहिक रूप से धरती के लिए चमत्कार कर सकते हैं। भारत में स्वच्छ गंगा मिशन, 2030 तक 50% नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य, और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का संकल्प जैसे प्रयास प्रेरणा देते हैं। पृथ्वी दिवस हमें इन पहलों का हिस्सा बनने और स्थानीय स्तर पर बदलाव लाने का आह्वान करता है। यह दिन हमें एक गहरे नैतिक दायित्व की याद दिलाता है। धरती हमारी माता है, और उसकी रक्षा हमारा कर्तव्य। हमने उससे शुद्ध हवा, पानी, और उपजाऊ मिट्टी जैसे अनमोल उपहार लिए, लेकिन बदले में उसे प्रदूषण, कचरा, और विनाश दिया। पृथ्वी दिवस हमें सिखाता है कि हमें उपभोक्ता नहीं, संरक्षक बनना होगा। यह सोच केवल 22 अप्रैल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; इसे हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनना होगा। हर निर्णय-चाहे वह खरीदारी हो, यात्रा हो, या भोजन हो-धरती के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर लेना होगा। बेवजह बिजली जलाना या कचरे को बिना छाँटे फेंकना जैसे छोटे-छोटे काम धरती पर भारी बोझ डालते हैं। पृथ्वी दिवस की असली ताकत इसकी वैश्विक एकता में है। यह वह दिन है जब अमीर-गरीब, विकसित और विकासशील देश एक साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होते हैं। 2016 का पेरिस समझौता, जिसमें 196 देशों ने जलवायु परिवर्तन से लड़ने का वादा किया, इसी एकता का प्रतीक है। लेकिन यह एकता केवल नीतियों और समझौतों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; इसे हर व्यक्ति के दिल और दिमाग में उतरना होगा। धरती हमारी साझा विरासत है, और इसे बचाना हमारी साझा जिम्मेदारी। अगर हम आज चुप रहे, तो कल की पीढ़ियाँ हमें कभी माफ नहीं करेंगी। वे एक ऐसी धरती पर जीने को मजबूर होंगी जहाँ शुद्ध हवा, पानी, और हरियाली दुर्लभ होंगे। वर्तमान में धरती की हालत चिंताजनक है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, और चरम मौसमी घटनाएँ बढ़ रही हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ जनसंख्या का दबाव और औद्योगिक विकास पर्यावरणीय चुनौतियों को और जटिल बनाते हैं, पृथ्वी दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। फिर भी, भारत ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और 2030 तक कार्बन उत्सर्जन कम करने का संकल्प जैसे कदम उठाए हैं। यह दिन हमें इन प्रयासों में हिस्सेदार बनने की प्रेरणा देता है। पृथ्वी दिवस हमें सिखाता है कि धरती का हर प्राणी, हर पेड़, और हर नदी हमारे जीवन का हिस्सा है। हमारा अस्तित्व प्रकृति के साथ संतुलन में ही संभव है। यह दिन एक संकल्प लेने का अवसर है-कि हम अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति जागरूक रहेंगे। धरती ने हमें जीवन का अनमोल उपहार दिया है; अब हमारी बारी है कि हम उसे प्यार, देखभाल, और सम्मान लौटाएँ। आइए, इस पृथ्वी दिवस पर वादा करें कि हम वह बदलाव बनेंगे जो धरती को फिर से हरा-भरा और जीवंत बनाएगा। क्योंकि धरती बचेगी, तभी हम बचेंगे।

चिकित्सा विज्ञान का वरदान बन रहा अभिशाप

विजय गर्ग

बीसवीं सदी में प्लेग, हैजा, तपेदिक, डिप्थीरिया और निमोनिया जैसे असंख्य रोगों के आगे लाचार मानव जाति को एंटीबायोटिक्स ने नई आशा दी। यह विज्ञान का वह वरदान था, जिसने जीवन प्रत्याशा को बढ़ाया, नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को घटाया और सर्जरी को सुरक्षित बनाया। परंतु आज, जब हम एंटीबायोटिक प्रतिरोध की वैश्विक महामारी के मुहाने पर खड़े हैं, तो हमें यह सोचने को विवश होना पड़ रहा है कि कहीं यह वरदान हमारे अपने ही हाथों एक अभिशाप में तो नहीं बदल गया है। हाल ही में मडीक चिल्ड्रन रिसर्च इंस्टीट्यूट और क्लिंटन हेल्थ एक्सेस इनिशिएटिव द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन में यह चौंकाने वाला राजफाश सामने आया है कि वर्ष 2022 में 30 लाख से अधिक बच्चों की मृत्यु ऐसे संक्रमणों के कारण हुई जो अब एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोधी हो चुके हैं। यह आंकड़ा केवल मृत्यु का नहीं, बल्कि

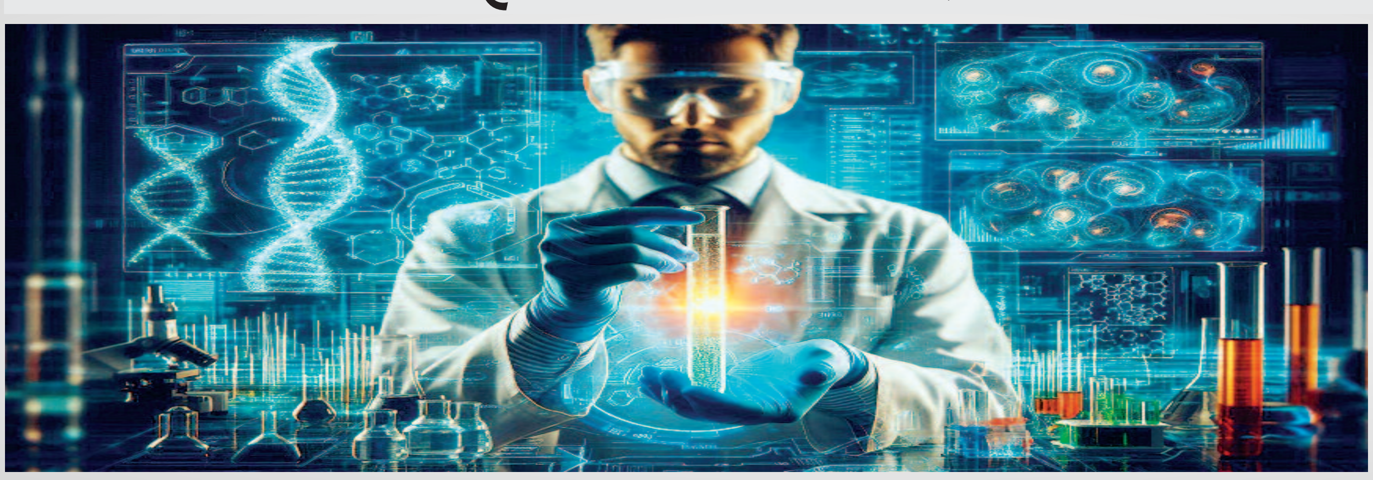

हमारी वैज्ञानिक मानसिकता के पतन का भी संकेत है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध का यह संकट दर्शाता है कि हमने विज्ञान को केवल त्वरित समाधान के रूप में अपनाया, न कि उसके दीर्घकालिक संदर्भों को समझा। एएमआर तब पैदा होता है जब सूक्ष्मजीव जैसे बैक्टीरिया, वायरस, और फफूंद इस तरह से विकसित हो जाते हैं कि दवाएं उन पर असर नहीं करतीं। इसका प्रमुख कारण एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक और अनुचित प्रयोग है - बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाइयां लेना, अधूरा इलाज छोड़ देना या मामूली लक्षणों पर भी इन दवाओं का उपयोग करना। कोविड महामारी ने इस प्रवृत्ति को और गहरा कर दिया। डर और अनिश्चितता के माहौल में एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध उपयोग हुआ, विशेषकर अस्पतालों में, जहां इन दवाओं को वायरस के संक्रमण पर भी दिया जाने लगा, जबकि वे वायरल बीमारियों पर असर नहीं करतीं। इसका सबसे भयानक प्रभाव बच्चों पर पड़ा है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही कमजोर हैं। अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में बच्चों की मृत्यु दर में असामान्य वृद्धि देखी गई है। इन क्षेत्रों में एक और दवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता की समस्या है, तो दूसरी और जागरूकता की कमी और अनियंत्रित औषधि वितरण ने समस्या को और विकराल बना दिया है। भारत में बिना चिकित्सक की सलाह के फार्मेसी से दवाइयां लेना आम बात है, जिससे गलत अधूरा इलाज होता है और बैक्टीरिया को प्रतिरोधी बनने का अवसर मिलता है। इस संकट से निकलने का मार्ग भी विज्ञान के पास है, बशर्ते हम उसे विवेक और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ अपनाएं। पहली आवश्यकता है नीतिगत स्तर पर एंटीबायोटिक्स के उपयोग पर कड़े नियंत्रण की। यदि हमने नीतियों में बदलाव नहीं किया, तो वह समय दूर नहीं जब साधारण संक्रमण भी जानलेवा बन जाएंगे और हम उसी अंधकार में लौट जाएंगे जहां से विज्ञान ने हमें निकाला था।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजा)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

बखरी में संदिग्ध हालात में कंपाउंडर की मौत

कमरे में बेड के नीचे सिर और ऊपर की ओर दोनों पैर मिले

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। बखरी थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव बेहद संदिग्ध परिस्थिति में एक निजी क्लिनिक के कमरे से बरामद हुआ। मृतक की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुम्हारसों निवासी सह अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील झा के 24 वर्षीय पुत्र रवीश कुमार के रूप में हुई है। वह बीते गुरुवार से बखरी स्थित दुर्गा नर्सिंग होम के डॉ. आर.एन. झा के क्लिनिक में कंपाउंडर के तौर पर कार्यरत था। उसी क्लिनिक में ऊपर के तल पर स्थित कमरे में रह भी रहा था। सोमवार की सुबह जब क्लिनिक का एक अन्य कर्मचारी काम पर पहुंचा तो उसे काउंटर खाली मिला और क्लिनिक में पहले से सफाई हो चुकी थी। उसे कुछ अजीब महसूस हुआ था। जिसके बाद उसने आसपास और नजदीकी चाय दुकान पर खोजबीन की। लेकिन रवीश का कुछ पता नहीं चला। संदेह होने पर कर्मचारी ऊपर के कमरे की ओर गया, जहां उसने रवीश को बेहोश अवस्था में पड़ा देखा। शव की स्थिति बेहद चौंकाने वाली थी उसका सिर बेड के नीचे और दोनों पैर ऊपर की ओर थे। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था, जिसे बखरी पुलिस की उपस्थिति में खोला गया। मौके पर एसडीपीओ कुंदन कुमार सहित स्थानीय पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि रवीश दो भाइयों में छोटा था और परिवार में उसकी मौत से कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। लेकिन शव की स्थिति और कमरे का बाहर से बंद होना कई सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने जयनगर स्टेशन निरीक्षण कर जाएजा लिया

दिव्य दिनकर बिहार प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

मधुबनी जयनगर डीआरएम विनय श्रीवास्तव रेल अधिकारियों के साथ स्पेशल निरीक्षण यान सैलून से सोमवार को जयनगर रेलवे स्टेशन पहुँचे। स्टेशन पर चल रहे निर्माधिन कार्यों का निरीक्षण कर जाएजा लिया और रेल अधिकारियों व कर्मियों कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल सेवा का लोकार्पण होना है। जो जयनगर से पटना तक परिचालन होगा। यह लगभग साढ़े पांच घण्टे में सफर तय करेगी। यह बिहार के लिए सौगात है। लोकार्पण को ले तैयारी को लेकर निरीक्षण कर जाएजा लेते हुए रेल अधिकारियों व कर्मियों के साथ समीक्षा की । जानकारी के मुताबिक 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नमो भारत रैपिड रेल सेवा के लोकार्पण किया जाएगा। लोकार्पण को ले तैयारी की समीक्षा कर अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वही जयनगर स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण कर जाएजा लिया। अधिकारियों व संवेदक को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मौके पर निरीक्षण के दौरान कई रेल अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

सड़क किनारे अतिक्रमण किए गए दुकानदारों को सीओ ने दिया नोटिस,

7 दिनों के अंदर करेअतिक्रमण मुक्त अन्यथा होगी विधिसम्मत करवाई

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर

नगर पंचायत संग्रामपुर के अंबेडकर चौक के समीप यात्री शेड के आगे सब्जी विक्रेताओं के द्वारा अतिक्रमण किए जाने के कारण अक्सर संग्रामपुर अंबेडकर चौक के समीप जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं सड़क सकरी होने के कारण भारी वाहनों के आवाजाही को लेकर सड़कों पर दुर्घटना की भी संभावना हर समय बनी रहती है। जिसको देखते हुए अंचल अधिकारी निशीथ नंदन ने सोमवार को अंबेडकर चौक के समीप लगाए गए सब्जी विक्रेताओं को नोटिस भेज कर अतिक्रमण मुक्त करने को कहा है दिए गए नोटिस में अंचल अधिकारी ने कहा है कि संग्रामपुर के अंबेडकर चौक के समीप सब्जी का दुकान लगाकर आवागमन हेतु सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया है। जिसके कारण वाहन चालकों साथ साथ राहगीरों को आने-जाने में परेशानी होती है। उन्होंने कहा है कि 7 दिन के अंदर सब्जी की दुकान सड़क किनारे से हटा ले। अन्यथा बाध्य होकर पुलिस प्रशासन के सहयोग से बलपूर्वक अतिक्रमण को हटाया जाएगा। अंचल अधिकारी ने बताया कि अंबेडकर चौक के समीप सब्जी विक्रेताओं के साथ-साथ जो लोग सड़क के किनारे अतिक्रमण किए थे। उनके विरुद्ध अंचल कार्यालय से नोटिस जारी किया गया है । नोटिस के द्वारा बताया गया हैं कि आप स्वयं 7 दिनों के अंदर अतिक्रमण को हटा लें अन्यथा आपके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी

देवघर में बिहार झारखंड राज्य स्तरीय अबाकस प्रतियोगिता में फारबिसगंज के बच्चों ने लहराया परचम

अररिया। झारखंड के देवघर में आयोजित राज्य स्तरीय अबाकस प्रतियोगिता में फारबिसगंज के अबाकस अकेडमी के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड,सिल्वर और ब्रॉन्ज तीनों मेडल अपने नाम किया।देवघर में यह प्रतियोगिता रविवार को आयोजित हुआ था। अर्णब जायसवाल, आर्य सिंह और आसाया यादव ने मेडल जीत जिले का नाम रौशन किया। देवघर के डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बिहार और झारखण्ड के प्रतिभागियों के बीच आयोजित प्रतियोगिता में सबसे अधिक और सटीक जवाब देने वाले प्रतिभागियों को अपने लेवल में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल मिला। जिसमें फारबिसगंज के अर्नब जयसवाल को गोल्ड मेडल, आर्या सिंह को सिल्वर और आसाया यादव को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुए। इसके अलावे आयरा गौस ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया और मेडल प्राप्त किये।मास्टरमाइंड अबाकस के मुख्यालय इन्दौर से अभिधा मैडम ने कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाई।मास्टरमाइंड अबाकस में सबसे तेज मैथेमेटिक्स कैलकुलेशन के फायदे गिनवाए।कैलकुलेटर से भी तेज कैलकुलेशन कर सभी दर्शकों को अचंभित कर दिया। बड़ी संख्या में प्रतिभागी और अभिभावक मौजूद थे।

बिहार को मिलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो भारत रैपिड रेल की सौगात

वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत का संगम बनेगा बिहार

नई दिल्ली ,।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं द्रुत गति से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत

एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है। कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है। पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे,वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है। साथ ही सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की

एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं। ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी। सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे। इस ट्रेन में फोल्डेबल स्नेक्स टेबल मोबाइल होल्डर फोल्डेबल बॉटल होल्डर हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और स्प्रिंग बॉडी जैसी सुविधाएं दी गई है जिससे यात्रा अधिक आरामदायक होगी। इस ट्रेन के शौचालय में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली लगाई गई है जिससे शौचालय को साफ सुथरा रखने में मदद मिलेगी और पानी का भी कम खर्च होगा सॉप डिस्पेंसर एवं एरोसोल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम भी लगाया गया है। यात्रियों और ट्रेन मैनेजर के बीच दो तरफ संचार के लिए प्रत्येक कोच में इमरजेंसी टॉकबैक सिस्टम है। सभी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है। भारतीय रेल के गैर एसी कोच में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है। गाड़ी की सेफ्टी को बढ़ाने के उद्देश्य से ऑन बोर्ड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है जिसके माध्यम से रियल टाइम व्हीलल और बियरिंग निगरानी संभव हो पाएगी। रेलवे ने पिपरा और सहरसा के बीच नई पैसेंजर सेवा प्रारंभ करने का फैसला लिया है जो कि नवनिर्मित सुपौल पिपरा लाइन को भी जोड़ेगा इसी तरह समस्तीपुर और सहरसा के बीच एक नई पैसेंजर सेवा प्रारंभ की जा रही है जिसका परिचालन बिथान और अलौली के रास्ते होगा। इन सेवाओं के प्रारंभ हो जाने से उत्तर बिहार के लोगों खासकर मिथिला क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत होगी।

सुरक्षा केवल नियम नहीं, जीवनशैली का भी हिस्सा: परियोजना प्रमुख जयदीप घोष

एनटीपीसी बरौनी में अग्नि सुरक्षा सप्ताह का जोरदार समापन, लाइव फायर ड्रिल बना आकर्षण का केंद्र

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। एनटीपीसी बरौनी के टाउनशिप परिसर में राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह-2025 का समापन 20 अप्रैल को गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। 14 से 20 अप्रैल तक चले इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य था कि आमजनों में अग्नि सुरक्षा को लेकर सतर्कता और जागरूकता बढ़ाना। सप्ताहभर के इस अभियान में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन इकाई ने लोगों के बीच व्यापक जन जागरूकता का संदेश फैलाया। समापन कार्यक्रम की खास बात रही लाइव फायर ड्रिल डेमोंस्ट्रेशन, जिसमें आग की असली स्थिति में लोगों को बचाव की तकनीक सिखाई गई। आग के प्रकार, अग्निशमन यंत्रों का सही चयन, और फायर फाइटिंग तकनीकों को बहुत ही व्यावहारिक ढंग से दिखाया गया। इस दौरान सीआईएसएफ की टीम ने न केवल प्लांट कर्मियों बल्कि स्कूल-कॉलेज के बच्चों, गृहिणियों और आम नागरिकों को भी प्रशिक्षण दिया। केन्द्रीय विद्यालय गढ़हरा, डीएवी स्कूल हर्ल, राजकीयकृत मध्य विद्यालय बिहट जैसे कई संस्थानों में

छात्र-छात्राओं को अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करना सिखाया गया। सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) जैसे जीवन रक्षक उपायों की जानकारी भी दी गई। हफ्ते भर चले कार्यक्रम में फायर प्रिवेंशन रैली, क्विज, निबंध लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता, तथा गृहिणियों के लिए विशेष फायर सेफ्टी डेमो आयोजित की गई। प्लांट में कार्यरत स्थायी और संविदाकर्मियों के लिए भी व्यावहारिक अग्निशमन प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुई। समापन समारोह में परियोजना प्रमुख जयदीप घोष ने अग्निशमन टीम की निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल नियम नहीं, जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। वहीं सीआईएसएफ उप कमांडेंट आकाश सक्सेना ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता से ही हम किसी भी संकट से समय रहते निपट सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह सप्ताह हमें सिखाता है कि मिलजुल कर सही प्रशिक्षण और सजग दृष्टिकोण से हम आग जैसी आपदा को रोक सकते हैं और एक सुरक्षित समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

शिक्षा जगत के लिए हमेशा खड़ी रहती है एबीवीपी: कन्हैया कुमार

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मंझौल नगर इकाई के द्वारा नगर मंत्री मुकेश कुमार के नेतृत्व में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा बेगूसराय को शैक्षणिक व्यवस्थाओं के सुधार हेतु ज्ञापन सौंपा गया। छात्र नेता कन्हैया कुमार एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिंह गप्पू ने कहा कि दीनानाथ परमेश्वरी बालिका प्लस टू विद्यालय मंझौल का चयन पीएमश्री योजना के तहत किया गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस कदम का स्वागत करते हुए जानकारी साझा किया कि इस विद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना था। क्योंकि इस विद्यालय की स्थापना बालिका शिक्षा के उद्देश्य से किया गया था। इस विद्यालय में बालकों के नामांकन से व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। इसके लिए विद्यार्थी परिषद शिक्षा पदाधिकारी से मिलकर ज्ञापन के माध्यम से अविलंब विचार करने की मांग की है। जिला सहसंयोजक रवि कुमार

एवं प्रांत छात्रा प्रमुख श्वेतनिशा शांडिल्य ने कहा कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा बिहार सरकार के पत्रांक-11, दिनांक-16/4/25 के आलोक में केवल बालिकाओं के नामांकन का आदेश प्राप्त हुआ है।एबीवीपी इस आदेश का स्वागत करती है। अतः शिक्षा जगत से जुड़े हुए पदाधिकारी से आग्रह किया है कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा बिहार के आदेश को अतिशीघ्र अपने स्तर से क्रियान्वन करने का आदेश निर्गत करें। अगर इन समस्याओं का समाधान नहीं होगा तो विद्यार्थी परिषद से जुड़े सभी प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता आंदोलन करने के लिए विवश होंगे। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिंह गप्पू, नगर मंत्री मुकेश कुमार, जिला सहसंयोजक रवि कुमार, श्यामजी, रिशुराज, नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार, जिला प्रमुख रविराज सिंह, जिला मीडिया प्रमुख दिव्यांशु, प्रियदर्शनी झा, शिवानी सिंह, पूजा, शालिनी राज, सगुन भारती, पल्लवी कुमारी, अंजली कुमारी, पूजा कुमारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्सौल के सिसवा गांव में भीषण अगलगी,10 घर जलकर राख

पूर्वी चंपारण)। जिला के रक्सौल थाना क्षेत्र के सिसवा गांव में सोमवार की सुबह 3 बजे भीषण अगलगी की घटना में करीब 10 घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में चार भैंस और तीन बकरियों भी जल गयी।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, मच्छरों से राहत पाने के लिए पशुओं के पास धुआं किया गया था, जिससे आग लगी और देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया। आग लगने के बाद ग्रामीणों ने खुद ही आग बुझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन आग की लपटें तेजी से फैलती गईं।बाद में अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची तीन दमकल गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद सुबह करीब

9 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। अगलगी की इस घटना में सिकंदर राय, धुरेन्द्र राय, वीरेंद्र राय, शिवजी राय, राजा राय, सुरेंद्र राय, मोफिल राय और गुड्डू राय के घर पूरी तरह जल गए। घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। पीड़ित सिकंदर राय की बेटी की सगाई की रस्म सोमवार को होनी थी।जिसके लिए घर में रखे कपड़े, गहने, नगद रुपये और अन्य सामान इस आग में जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए।घटना को लेकर अंचलाधिकारी शेखर राज ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना पर राजस्व कर्मचारी को मौके पर भेजा गया है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जिसके आधार पर पीड़ितो सहायता प्रक्रिया शुरू की जाएगी। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है, पीड़ित परिवार प्रशासनिक मदद की उम्मीद में टकटकी लगाये बैठे है।

तापमान में बढ़ोतरी के साथ बिहार में बढ़ी गर्मी, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

पटना, । कुछ दिन गर्मी से राहत मिलने के बाद बिहार का मौसम फिर बदलने लगा है। कुछ दिनों में बारिश और तेज आंधी ने जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत दी। वहीं अब तापमान में लगातर बढ़ोतरी हो रही है। इसे लेकर अब मौसम विभाग ने भी चेतावनी दी है कि राज्य एक बार फिर तेज गर्मी और लू की चपेट में आ सकता है।राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। रविवार को गया में पारा 41.8 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पटना, भोजपुर, सारण, समस्तीपुर, भागलपुर, सिवान, बक्सर, अरवल, जहानाबाद, शेखपुरा, नालंदा, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और जमुई जैसे जिलों में तापमान 39 से 41 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया। बिहार मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में हॉट डे की स्थिति बनेगी। 23 और 24 अप्रैल को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी जिलों, औरंगाबाद, अरवल, गया, कैमूर और रोहतास में लू की स्थिति बनने की प्रबल संभावना है। इन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। तापमान 40 से 42 डिग्री तक पहुंच सकता है, और गर्म हवा (लू) लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकती है।

भाजपा जिला कार्यालय में वक्फ सुधार जन जागरण कार्यशाला का आयोजन

अररिया । अररिया भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा की अध्यक्षता में वक्फ सुधार जन जागरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी,स्थानीय सांसद प्रदीप कुमार सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने वक्फ संशोधन को गरीब मुसलमानों के लिए हितकर बताया उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन को लेकर विपक्षी पार्टियों के द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है।जबकि यह गरीब और जरूरतमंद मुसलमानों के हित में है।विपक्षी पार्टियों को अड़े हाथों लेते हुए सांसद ने कहा

कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है।कश्मीर से धारा 370 हटाने और अयोध्या में भगवान राम लाला की प्रतिमा स्थापना से लेकर हरेक मुद्दों पर विपक्षी पार्टियों के द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय में भ्रम फैला कर उन्हें डराने और धमकाने का काम किया जा रहा है।जबकि आज तक किसी भी अल्पसंख्यक का बाल भी बांका नहीं हुआ है।प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विश्वास के साथ सबका विकास में विश्वास रखते हैं।जबकि कुछ लोग वक्फ बोर्ड और अन्य मामलों में चंद लोगों का विकास पर ध्यान देते हुए तुष्टिकरण की नीति अपनाए हुए है। कार्यशाला को प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी,परमानंद ऋषिदेव,नरपतगंज विधायक जयप्रकाश यादव,पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण मेहता,देवयंती देवी,शंभू साह,राजेंद्र यादव,उप मुख्य पार्षद गौतम साह सहित अन्य ने भी संबोधित किया।

हरित क्रांति की सफलता को ले उर्वरक विक्रेताओं का प्रशिक्षण

नवादा, ।हरित क्रांति की सफलता को ले कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा में सोमवार को खाद व उर्वरक विक्रेताओं के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार,कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ० जयवंत कुमार सिंह,केवीके के वैज्ञानिक रविकांत चौबे,रौशन कुमार,कोर्स संचालक डॉ० शशांक शेखर सिंह, सुमिताप रंजन एवं अनिल कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। वैज्ञानिकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न प्रकार के नए उर्वरकों की जानकारी के साथ-साथ समेकित पोषक तत्व एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी प्रशिक्षुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं उन्हें गुणवत्तापूर्ण उर्वरक के पहचान,फसलवार उर्वरकों की मात्रा,मिट्टी में पोषक तत्व की कमी के लक्षण,मृदा जांच के लिए मिट्टी नमूना लेने की विधि आदि की भी जानकारी दी जाएगी। मौके पर अंगद कुमार,पिन्टू पासवान,श्रवण रविदास आदि मौजूद थे।

लाल किले पर मनाया गया 'दिल्ली फतह दिवस'

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाबा बघेल सिंह, बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया और बाबा जस्सा सिंह आहलूवालिया की अगुवाई में 'दिल्ली फतह दिवस' दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर मनाया गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा

प्रबंधक समिति के इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, सांसद कमलजीत सहरावत, समिति अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका, महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों, धर्म प्रचार समिति के प्रमुख सरदार जसप्रीत सिंह काहलों, वरिष्ठ पदाधिकारी आत्मा सिंह लुबाना और अन्य सदस्य तथा हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

मुस्तफाबाद हादसे पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं आप नेताः कपूर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने मुस्तफाबाद में हुए हादसे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के बयान की निंदा की है और कहा है कि वे केवल घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। श्री कपूर ने मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के भवन विभाग के नियमानुसार राष्ट्रीय राजधानी में केवल भूतल और तीन मंजिल के निर्माण की अनुमति है, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में चौथी मंजिल का निर्माण तो सामान्य है। ही साथ ही तीन चौथाई भवनों पर पांचवीं और छठी मंजिल का निर्माण भी किया गया है।

बेटे ने मां को मारी गोली, गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले द्वारका सेक्टर-23 इलाके में एक बेटे ने अपनी मां को गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। परिवार वालों ने घायल महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को परिवार ने गुमराह करने की कोशिश की। परिवार ने बताया कि घायल 52 वर्षीय अंनीता अपने घर का मुख्य द्वार बंद कर रही थी। तभी किसी अज्ञात ने उन्हें गोली मार दी है। जांच के दौरान महिला के बेटे अभिषेक की भूमिका सामने आई। सख्ती पूछताछ करने पर आरोपित ने अपनी मां को गोली मारने की बात कबूल की। जांच में पता चला है कि ??आरोपित पर पहले से ही गैर इरादतन हत्या के प्रयास, छेडछाड़ समेत छह मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर एक पेड़ के पास से हथियार बरामद किया है। इसके अलावा खून साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला गीला पोछा भी पुलिस ने बरामद किया है। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर करीब एक बजे अस्पताल से सूचना मिली कि धुलसिरस गांव में एक महिला को गोली मारी है। उसे घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कुख्यात वाहन चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे, 6 दोपहिया बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉयड (एएटीएस) ने कुख्यात वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान आदर्श चौरसिया के रूप में हुई है। आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के 6 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि जिले की एएटीएस को सूचना मिली थी कि एक शातिर वाहन चोर मंगलापुरी इलाके में आने वाला है। पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया। बाइक लेकर पहुंचे एक संदिग्ध युवक को पुलिस टीम ने रोका। युवक की पहचान आदर्श चौरसिया के रूप में हुई। जांच में उसके पास से बरामद बाइक पालम गांव इलाके से चोरी पाई गई। आरोपी की निशानदेही पर 5 दोपहिया वाहन और बरामद किए गए। पूछताछ में सामने आया कि आदर्श दिन में निजी काम करता था।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईएएस प्रशिक्षुओं से की बातचीत

● **कहा- लोक सेवाओं में महिलाओं को मिल रहा ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व**

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 2023 आईएएस बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ एक प्रेरणादायक संवाद किया। इस बैच में 74 महिला अधिकारी शामिल हैं, जो कुल 180 अधिकारियों का 41 प्रतिशत हैं। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में महिलाओं की सबसे बड़ी भागीदारी का स्वागत किया। यह संवाद सहायक सचिव कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें आईएएस प्रशिक्षु 1 अप्रैल से 30 मई तक 46 केंद्रीय मंत्रालयों के साथ जुड़े हुए हैं, जिससे उन्हें नीति

निर्माण और केंद्रीय सरकार के कार्यों का प्रारंभिक अनुभव मिल रहा है। डॉ. सिंह ने इस ऐतिहासिक विकास का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया, जिन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा, यह रिकॉर्ड प्रतिनिधित्व समावेशी और प्रगतिशील शासन के प्रति प्रधानमंत्री के समर्थन का प्रमाण है।डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सहायक सचिव कार्यक्रम की शुरुआत 2015 में हुई, जिससे युवा अधिकारियों को वास्तविक समय में शासन का अनुभव हो सके। इस कार्यक्रम ने अधिकारियों में आत्मविश्वास को बढ़ाया है, विशेष रूप से महामारी के दौरान। डॉ. सिंह ने इस बैच की विविधता पर गर्व जताया, जिसमें 99 अधिकारी इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे तकनीकी क्षेत्रों से हैं। उन्होंने कहा, 'आपके पास देश के विकास में योगदान देने का एक लंबा करियर है। उन्होंने कर्मयोगी प्लेटफॉर्म का उपयोग करने और तकनीकी रूप से आगे रहने की सलाह दी। अंत में उन्होंने अधिकारियों को यह कहते हुए उच्चतम मानकों की नैतिकता और सेवा की याद दिलाई कि 'आपका कार्य एक अरब से अधिक लोगों की आशाओं का प्रतीक होना चाहिए।'

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस पहुंचे नई दिल्ली, सबसे पहले अक्षरधाम मंदिर के किए दर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंच गए। उनकी सुरक्षा के मद्देनजर राजधानी में कड़े इंतजाम और ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। वेंस ने राजधानी पहुंचने पर सबसे पहले स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। शाम को वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस, उनकी पत्नी उषा वेंस, उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल चार दिवसीय भारत यात्रा पर पूर्वाह्न 10 बजे पालम हवाई अड्डे पर पहुंचें। केंद्रीयमंत्री अश्विनी वैष्णव ने हवाई अड्डे पर वेंस परिवार का स्वागत किया। वेंस और उनका परिवार इस दौरान जयपुर और

आगरा भी जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस के साथ व्यापार, शुल्क, क्षेत्रीय सुरक्षा और समग्र द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों सहित कई प्रमुख मुद्दों पर सोमवार को बातचीत करेंगे और फिर शाम को उनके एवं उषा के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे।

विदेशी में जाकर भारतीय संस्थाओं का अपमान राहुल गांधी की पहचान बन गया है : शहजाद पूनावाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर अपने विदेशी दौरों के दौरान भारत की आलोचना करने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार भारत की संस्थाओं को कमजोर करने का काम करते हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'राहुल गांधी एक राजनीतिक दल के साथ अपने निजी मुद्दों के कारण विदेशी धरती पर भारत की आलोचना करते रहते हैं। इस बार उन्होंने एक बार फिर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जहां दुनिया आम चुनावों और जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय काम के लिए चुनाव आयोग की प्रशंसा करती है, वहीं राहुल गांधी बार-बार भारत की संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। वह पहले ही कह चुके हैं कि वह इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं, फिर वह विदेश जाते हैं और भारत की संस्थाओं पर भी हमला करते हैं। भारत की संस्थाओं का अपमान राहुल गांधी की पहचान बन गया है। उन्होंने आगे कहा, 'राहुल गांधी कहते हैं कि लोकतंत्र खत्म हो गया है। अमेरिका और ब्रिटेन को

हस्तक्षेप करना चाहिए। वह कहते हैं कि न्यायपालिका और चुनाव आयोग ठीक से काम नहीं कर रहा है, लेकिन जब चुनाव आयोग ऐसा चुनाव करवाता है, जिसमें राहुल गांधी की पूरी पार्टी जीत जाती है, तब उन्हें कोई समस्या नहीं होती। जब न्यायपालिका राहुल गांधी को राहत देने वाला फैसला देती है, तब वह ठीक है। अन्यथा, वे सब खत्म हो चुके हैं और लोकतंत्र खतरे में है। यह संविधान के प्रति सशर्त प्रतिबद्धता दिखाता है और यह भी दर्शाता है कि मोदी विरोध में राहुल गांधी किसी भी हद तक गिर सकते हैं। वे संवैधानिक संस्थाओं, यहां तक कि सेना पर भी सवाल उठा सकते हैं। शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी की मानसिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी की यह मानसिकता दिखाती है कि वे कितने हकदार हैं और वह लोकतंत्र से ऊपर परिवारवाद को रखते हैं। उन्हें भारत और भारत की छवि की कोई परवाह नहीं है।

मनजिंदर सिंह सिरसा का आरोप, केजरीवाल एंड कंपनी की रगों में बहता है भ्रष्टाचार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि भ्रष्टाचार केजरीवाल एंड कंपनी की रगों में बहता है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भ्रष्टाचार केजरीवाल एंड कंपनी की रगों में बहता है। अपने विभाग की महत्वपूर्ण फाइलों की समीक्षा करते समय, मैं यह देखकर दंग रह गया कि कैसे कट्टर बेईमान द्वारा हर नीति, हर परियोजना को दिल्ली को बर्बाद करने के लिए घोटाले में बदल दिया गया। 'केजरीवाल की लूट' का एक और धमाकेदार एपिसोड जल्द ही आ रहा है!' इससे पहले 19 अप्रैल (शनिवार) को मनजिंदर सिंह सिरसा ने अरविंद केजरीवाल को लेकर बड़ा दावा किया था। सिरसा ने कहा था कि उनके विभाग में केजरीवाल का बहुत बड़ा घोटाला सामने आया है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा था कि वह अभी इस घोटाले की बात टीवी पर नहीं बताएंगे। कागज लेकर एक से दो दिन में प्रेस कांफ्रेंस

करेंगे, उसमें बताएंगे। उन्होंने कहा था कि इसके बाद केजरीवाल के पैरों के नीचे से जमीन निकल जाएगी। केजरीवाल का काम ही घोटाले करना है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की ओर से भाजपा सरकार पर हमले के जवाब में मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि केजरीवाल के नैरेटिव सेट करने से सच्चाई नहीं बदलती। वह दावा करते थे कि उनकी पार्टी को 70 सीटें मिलेंगी, लेकिन क्या हुआ? जनता सच्चाई जानती है। दिल्ली की गलियों में लोग केजरीवाल को बेईमान कहते हैं। यह नैरेटिव किसी ने सेट नहीं किया। एक घटना में संजय सिंह के सामने ही लोग नारे लगा रहे थे कि केजरीवाल बेईमान हैं। दिल्ली का हर बच्चा जानता है कि वर्तमान सरकार ईमानदार है। नैरेटिव सेट करने से बेईमान ईमानदार नहीं बन जाते।

एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' की उड़ान पर तीन माह से रोक, सैन्य अभियान प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल की शुरुआत से ही ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) को 'ग्राउंडेड' किए जाने से सैन्य अभियान प्रभावित हो रहे हैं।चीन और पाकिस्तान सीमा पर तैनात भारतीय सेनाएं अग्रिम क्षेत्रों में निगरानी, टोही, खोज और बचाव मिशनों के लिए बहु भूमिका वाले एएलएच पर बहुत अधिक निर्भर हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय सेना है, जिसके पास 180 से ज्यादा एएलएच का बेड़ा है। इसके बाद काफी हद तक वायु सेना और नौसेना भी एएलएच को तीन माह से जमीन पर खड़ा किये जाने के कारण प्रभावित हो रही है। भारतीय सशस्त्र बलों के पास करीब 350 ट्विन इंजन 'ध्रुव' एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर हैं, जिन्हें इस साल की शुरुआत से जमीन पर खड़ा कर दिया गया है, जिसकी वजह से सैन्य अभियान और तैयारियों पर बहुत बुरा असर पड़ा है। सबसे ज्यादा प्रभावित 11.5 लाख से ज्यादा जवानों वाली सेना है, जिसके पास 180 से ज्यादा एएलएच का बेड़ा है। इनमें 'रुद्र'नामक 60 हथियारबंद संस्करण भी शामिल हैं। भारतीय वायु सेना के पास 75 एएलएच हैं, जबकि नौसेना के पास 24 और तटरक्षक बल के पास 19 हैं। इन सभी हेलीकॉप्टरों को पिछले तीन महीनों से 'ग्राउंडेड' किए जाने से एएलएच पायलटों की उड़ान क्षमता खत्म हो रही है और उन्हें सिमुलेटर से काम चलाना पड़ रहा है। दरअसल, 5 जनवरी को पोरबंदर में एक दुर्घटना में दो तटरक्षक पायलटों और एक एयर क्रू गोताखोर की मौत के बाद से सभी एएलएच को जमीन पर खड़ा कर दिया गया है, जबकि सशस्त्र बलों ने अगले 10-15 वर्षों में विभिन्न प्रकार के 1,000 से अधिक नए हेलीकॉप्टरों की जरूरत बताई है। इसमें 3.5 टन वर्ग के 484 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (एलयूएच) और 10-15 टन वर्ग के 419 भारतीय बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर (आईएमआरएच) शामिल हैं। ये नए हेलीकॉप्टर 156 'प्रचंड' हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के अतिरिक्त हैं, जिसमें सेना के लिए 90 और भारतीय वायु सेना के लिए 66 हेलीकॉप्टर होंगे। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर दूरदराज के उच्च ऊंचाई वाले चौकियों पर सैनिकों के परिवहन और रसद की आपूर्ति के लिए कुछ नागरिक हेलीकॉप्टरों को काम पर रखा गया है।

जनता के मुद्दे उठाने में अक्षम भारद्वाज बन गये हैं 'बयानवीर': सचदेवा

एजेंसी

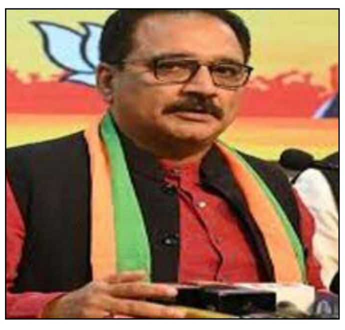

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी(आप) के दिल्ली के संयोजक सौरभ भारद्वाज पर निशाना साधते हुए कहा कि वह लोगों के मुद्दों को उठाने की बजाय सिर्फ प्रदेश सरकार की निंदा कर रहे हैं और झूठे आरोप लगा रहे हैं। श्री सचदेवा ने आज मीडियाकर्मियों से कहा कि विधानसभा हार से बौखलाए श्री भारद्वाज को आप ने दिल्ली का संयोजक बनाया है, लेकिन वह दिल्ली के मुद्दे उठाने में पूरी तरह अक्षम हैं। उन्होंने कहा कि अब वह बयानवीर बनकर रह गये हैं और उसी क्रम में आज उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा 1111 जी.पी.एस. युक्त वाटर टैंकर चलाने की भी निंदा की है।

ब्राह्मण रक्षा मंच ने फिल्म 'फुले' का किया विरोध, नफरती दृश्य हटाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राह्मण रक्षा मंच ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'फुले' में ब्राह्मण विरोधी नफरत फैलाने वाले दृश्यों को तुरंत हटाने की मांग की है। मंच के प्रमुख सदस्यों ने एकत्र होकर इस फिल्म का पुरजोर विरोध किया और कहा कि जब तक ये दृश्य हटाए नहीं जाते या फिल्म का प्रसारण रोका नहीं जाता, तब तक ब्राह्मण समाज चैन से नहीं बैठेगा। दिल्ली के प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंच के महन्त सतीश दास जी महाराज, महन्त भोला गिरि जी महाराज, और अन्य सदस्यों ने फिल्म पर आपत्ति जताते हुए बताया कि इस फिल्म को ज्योतिबा फुले के नाम पर ब्राह्मण समाज के गौरवशाली इतिहास को धूमिल करने की साजिश के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन देकर फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की है। वक्ताओं ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाने का कार्य किया है और यह अपमान केवल ब्राह्मण समुदाय ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सनातन संस्कृति के लिए स्वीकार्य नहीं है। उनका कहना था कि फिल्म में ब्राह्मणों को गलत तरीके से प्रस्तुत करके दर्शाया गया है

कि वे महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखने का प्रयास कर रहे हैं, जो पूरी तरह से गलत है। वक्ताओं ने कहा, ब्राह्मणों ने ज्योतिबा फुले को 20 स्कूल खोलने में मदद की थी और वे खुश थे। जब फुले ने सत्य शोधक समाज खोला तो ब्राह्मण वर्ग ही इसके स्तंभ थे। ब्राह्मण रक्षा मंच ने स्पष्ट किया कि सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली फिल्मों पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस फिल्म के माध्यम से नफरत और सामाजिक कुप्रथाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है, जो समाज के लिए हानिकारक है। मंच ने फिल्म के खिलाफ अपने आंदोलन को जारी रखने का संकल्प लिया है।

जयराम रमेश का भाजपा पर हमला, न्यायपालिका पर भाजपा सांसदों की टिप्पणियों की आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत के मुख्य न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष ने इन टिप्पणियों से दूरी बनाने को डैमेज कंट्रोल करार दिया और कहा कि इससे कोई मूर्ख नहीं बनेगा।

रमेश ने अपने एक ट्वीट में लिखा, भारत के मुख्य न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष की दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। ये सांसद घृणा फैलाने वाले बयानों को बार-बार दोहराते रहने के लिए कुख्यात हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भाजपा अध्यक्ष का स्पष्टीकरण डैमेज कंट्रोल के अलावा कुछ नहीं है।÷ जयराम रमेश ने भाजपा अध्यक्ष की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या उनके पास न्यायपालिका पर की जा रही अस्वीकार्य टिप्पणियों पर कोई मत नहीं है। रमेश ने यह भी पूछा, अगर संविधान पर इस तरह के निरंतर हमलों को प्रधानमंत्री मोदी की मौन स्वीकृति नहीं है, तो इन सांसदों के खिलाफ कड़े कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? क्या नड्डा ने इन्हें कारण बताओ नोटिस दिया?

मुस्तफाबाद हुई लोगों की मौत के लिए 'आप' और भाजपा जिम्मेदारः यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने मुस्तफाबाद में चार मंजिला इमारत ढहने की घटना पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में लोगों की मौत के लिए प्रदेश की पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और भारतीय जनता पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया। श्री यादव ने आज यहां कहा कि मुस्तफाबाद में चार मंजिला इमारत ढहने से 11 लोगों की मौत के लिए सीधे तौर पर भाजपा और 'आप' जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि दिल दहलाने वाले इस हादसे में जान और माल दोनों का नुकसान हुआ है, इसलिए इसकी उच्च स्तरीय न्यायिक जांच होनी चाहिए और अनधिकृत निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके। मुस्तफाबाद में इमारत ढहने से 11 लोग घायल भी हुए है। मुस्तफाबाद में 2015 भाजपा, 2020 में 'आप' और 2025 में फिर भाजपा के विधायक है, जिनके संरक्षण में अनाधिकृत निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बेरोक- टोक के हो रहे अनधिकृत निर्माण के लिए भाजपा और 'आप' जिम्मेदार है, क्योंकि

दिल्ली नगर निगम में 15 वर्ष भाजपा का भ्रष्टाचारी शासन था और पिछले तीन वर्षों से 'आप' सत्तासीन है। उन्होंने कहा कि नियमों को ताक पर रख कर दिल्ली में हो रहे अनधिकृत निर्माण के लिए भाजपा और 'आप' जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। उन्होंने दोनों दलों के निगम पार्षदों पर अनधिकृत निर्माण के लिए उगाही करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी भूकंपीय जोन-4 में स्थित है, जिसके अनुसार दिल्ली उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है और यहां भूकंप की तीव्रता सामान्यतः 5-6 के बीच होती है, लेकिन कभी-कभी 7-8 तीव्रता वाला भूकंप भी आ सकता है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक संख्या में अनधिकृत निर्माण के कारण दिल्ली खोखली हो चुकी है और अगर अत्यधिक तीव्रता वाला भूकंप आया तो राष्ट्रीय राजधानी मलबे में तब्दील हो जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने के लिए दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे की जांच के आदेश देकर और निगम आयुक्त से जांच की रिपोर्ट मांगने से अपना पल्ला तो झाड़ लिया है, लेकिन इससे इतने बड़े हादसे की भरपाई हो सकती है। मरने वालों को इंसाफ दिलाने के लिए हादसे की न्यायिक जांच होनी चाहिए।

जेएनयू चुनाव समिति वामपंथी संगठनों के हित संरक्षक के रूप में कार्य कर रही है : राजेश्वर

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनावों की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए जेएनयूएसयू चुनावों को संवैधानिक रूप से कराने की मांग की है। अभाविप जेएनयू ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव समिति बीते कई वर्षों से अपनी भूमिका को निष्पक्ष निर्वाचन संस्था के रूप में निभाने के बजाय वामपंथी छात्र संगठनों के हितों के संरक्षक के रूप में कार्य कर रही है। इस पक्षपातपूर्ण रवैये ने न केवल लोकतांत्रिक आदर्शों को चोट पहुंचाई है बल्कि समूचे विद्यार्थी समाज के विश्वास को भी गहरी ठेस दी है। एबीवीपी जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने कहा, जेएनयू की चुनाव समिति वर्षों से एक ऐसे संस्था के रूप में कार्य कर रही है, जो वामपंथी संगठनों के लिए राजनीतिक सहुलियतें उपलब्ध कराती है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ विश्वासघात है, बल्कि विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा पर भी

आघात है। एबीवीपी इस अन्यायपूर्ण और षड्यंत्रकारी रवैये का विरोध करते हुए यह सुनिश्चित करेगी कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया लागू हो।

-चुनाव प्रक्रिया पूर्व निर्धारित तिथियों एवं नियमों के अनुसार संपन्न हो।

-इलेक्शन कमेटी के गठन में निष्पक्ष, गैर-राजनीतिक और गैर पूर्वाग्रही सदस्यों को सम्मिलित किया जाए।

-चुनाव प्रक्रिया के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

-जेएनयू में लोकतंत्र को वामपंथी संगठनों की राजनीति का बंधक बनने से बचाया जाए।

-पूर्व में ही चुनाव समिति द्वारा संवैधानिक रूम से जारी की गई प्रत्याशियों की फाइनल सूची में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए एवं उसी पर आधारित होकर चुनाव प्रक्रिया को सामान्य तुरंत आगे बढ़ाना चाहिए।

ई-कॉमर्स के खिलाफ उतरेंगे खुदरा व्यापारी, दुकानदारी-रोजगार को गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। घर बैठे मोबाइल पर आवश्यक वस्तुओं की खरीद किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रह गया है। खाने-पीने, पहनने और मनोरंजन की वस्तुओं से लेकर अब लगभग हर क्षेत्र की वस्तुएं-सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से लोगों को सहज उपलब्ध हैं। इससे लोगों को काफी सहूलियत भी हुई है। लेकिन इससे देश में 11 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले खुदरा बाजार की दुकानदारी नष्ट हो गई है। इसका परिणाम हुआ है कि देश के हर हिस्से में खुदरा दुकानें बंद हो रही हैं और मॉल और बड़ी दुकानों को किराए पर कोई लेने वाला नहीं मिल रहा है। अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच बाजार के विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन बाजार भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों के खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन बाजार लोगों के रोजगार छीन रहा है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कर्ज देकर उन्हें अपना रोजगार विकसित करने के लिए कर्ज दे रहे हैं, लेकिन ऑन लाइन बाजार ऐसे लोगों से उनका उपभोक्ता छीन रहा है। यही कारण है कि अर्थव्यवस्था के जानकार केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनियों के खिलाफ एक सुनियोजित नीतिगत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

भारत का वाहन निर्यात 19फीसदी बढ़कर 53 लाख यूनिट के पार, वैश्विक बाजार में दिखी जबरदस्त मांग

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में भारतीय वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता और मजबूत मांग ने वित्त वर्ष 2024-25 में देश के वाहन निर्यात को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53.63 लाख यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का एक प्रमुख रिकॉर्ड है। यात्री वाहनों, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों के निर्यात में यह वृद्धि वैश्विक बाजार में भारतीय ऑटोमोबाइल की विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाती है। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग के कारण इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रदर्शन दर्ज किया। सायम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है। पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था।

ड्रैगन पर भारी पड़ा भारत का हुनर, अमेरिका में बढ़ी भारतीय खिलौनों की डिमांड

नई दिल्ली। चीन से आयातित खिलौनों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क और चीनी वस्तुओं पर निर्भरता घटाने की नीति से भारतीय खिलौना उद्योग को बड़ा फायदा होने जा रहा है। भारतीय खिलौना निर्माता अब अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में हैं। भारतीय खिलौना संघ के मुताबिक, अमेरिका के सख्त नियमों को पूरा करने में सक्षम करीब 40 कंपनियों की पहचान की गई है, जो जल्द ही निर्यात की प्रक्रिया में शामिल हो सकती हैं। संघ के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि इस समय 20 भारतीय कंपनियां अमेरिकी बाजार में बड़े पैमाने पर खिलौनों का निर्यात कर रही हैं और हाल के हफ्तों में अमेरिका से पूछताछ की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका के कई खरीदार अब ऐसे भारतीय निर्माताओं की तलाश कर रहे हैं जो अमेरिकी गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हुए व्हाइट लेबलिंग और मूल उपकरण विनिर्माण सेवाएं दे सकें।

ईरान-अमेरिका न्यूक्लियर डील से गिरी क्रूड ऑयल की कीमतें, महंगाई घटने की उम्मीद

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर हुई वीकेंड वार्ता में अहम प्रगति हुई है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों देशों ने संभावित परमाणु समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। इस डील के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईरान से कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता काफी हद तक कम हो गई है। इस खबर का सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला। सोमवार को ब्रेंट क्रूड में करीब 1.03त्न की गिरावट दर्ज की गई और यह 67.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 1.05फीसदी की गिरावट के साथ 64 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।गौरतलब है कि क्रूड में 3.5फीसदी तक की तेजी आई थी, जो अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच संभावित ट्रेड डील और ईरानी सप्लाई में कमी की आशंका के चलते थी। हालांकि, ताजा डील से इन चिंताओं में राहत आई है।

खरीदार की भूमिका में नजर आए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, 3 दिन में 8,472 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। अप्रैल महीने के शुरुआती 2 सप्ताह के दौरान बिकवाल (सेलर) की भूमिका निभाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 15 से 17 अप्रैल के कारोबारी सप्ताह के दौरान लिवाल (बायर) की भूमिका में नजर आए। 3 दिन के इस कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में वापसी करते हुए खरीद-बिक्री को मिला कर करीब 8,500 करोड़ रुपये का निवेश किया। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार 17 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी 15 अप्रैल को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2,352 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसके बाद 16 और 17 अप्रैल को उन्होंने स्टॉक मार्केट में कुल 10,824 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह 3 दिन के इस कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयर बाजार में कुल 8,472 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस सप्ताह 14 अप्रैल को डॉ.

बाबासाहेब अंबेडकर जयंती और 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की छुट्टी होने की वजह से शेयर बाजार में कोई कारोबार नहीं हुआ था। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल के महीने में एफपीआई ने अभी तक स्टॉक मार्केट में खरीद बिक्री मिला कर कुल 23,103 करोड़ रुपये की निकासी की है। अप्रैल के अभी तक के आंकड़ों को मिला लें, तो साल 2025 में उन्होंने भारतीय शेयर बाजार से अभी तक कुल 1,39,677 करोड़ रुपये की निकासी की है। अप्रैल के पहले मार्च के महीने में एफपीआई ने 3,973 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इसके पहले फरवरी में एफपीआई द्वारा स्टॉक मार्केट से की गई शुद्ध निकासी का आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपये रहा था, जबकि जनवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से खरीद बिक्री मिला कर कुल 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अप्रैल महीने की शुरुआत में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ का दबाव बनाए जाने की वजह से शुरुआती 2 सप्ताह के कारोबार के दौरान एफपीआई ने खरीद-बिक्री मिला कर काफी आक्रामक अंदाज में कुल 31,575 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि, इसके बाद टैरिफ व्यवस्था में राहत मिलने की वजह से वैश्विक व्यापार में तनाव घटने की उम्मीद बन गई। इसके साथ ही भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था और भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ महीने के दौरान हुए करेक्शन की वजह से शेयरों का वैल्यूएशन आकर्षक हो जाने के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस सप्ताह बिकवाली करने की जगह लिवाली करने पर ज्यादा ध्यान दिया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.67 प्रतिशत लुढ़ककर 63.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

कैट का राष्ट्रीय सम्मेलन 22 अप्रैल को, क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के खिलाफ हल्ला बोल

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) 22 अप्रैल को कंस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (ऐमरा) और ऑल इंडिया कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) के सहयोग से होने वाले इस सम्मेलन का विषय है क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स का क्रूर चेहरा। आयोजकों का कहना है कि सम्मेलन में देशभर के व्यापारी नेता, नीति विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और अन्य हितधारक शामिल होंगे, जो डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के कारण पारंपरिक व्यापार प्रणाली पर मंडरा रहे गंभीर खतरों और अनैतिक गतिविधियों को उजागर करेंगे। उनका मानना है कि क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स की अनियंत्रित वृद्धि ने अनुचित मूल्य छूट, उपभोक्ताओं के व्यवहार में हेरफेर, एफडीआई नियमों का उल्लंघन और छोटे व्यापारियों की उपेक्षा जैसे गंभीर मुद्दे सामने ला दिए हैं। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, अब वक्त आ

गया है कि क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के काले सच को देश के सामने लाया जाए। उपभोक्ता जहां एक ओर सुविधा देखता है, वहीं व्यापारी बर्बादी झेल रहा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का उपयोग एक आर्थिक हथियार के रूप में किया जा रहा है, जिससे बड़ी कंपनियां लागत से कम दाम पर सामान बेच रही हैं, जबकि देश में कोई परिसंपत्ति निर्माण नहीं हो रहा सम्मेलन में पारंपरिक व्यापार की सुरक्षा, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने और क्विक कॉमर्स से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ठोस नियामक उपायों की मांग की जाएगी। कैट ने सरकार से त्वरित नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया है ताकि व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित किया जा सके।

भारत को IMF और विश्व बैंक 'वैश्विक व्यापार के इंजन' के रूप में देखते हैं: वित्त मंत्री

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मौजूदा सरकार द्वारा प्रदान की गई स्थिरता के कारण 'भारत' सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ÷जब हम कहते हैं कि भारत एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है तो इस तथ्य को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) भी स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि अपनी विकास क्षमता के कारण भारत विश्व व्यापार को बढ़ाने वाले एक इंजन के रूप में काम कर सकता है।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि इस क्षमता के विकास के साथ हम वैश्विक स्तर पर विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण देखे जा रहे ट्रेंड को बदल सकते हैं। मौजूदा ट्रेंड में ग्रोथ और ट्रेड दोनों ही कम हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर मुद्रास्फीति अधिक है, जिसकी वजह से लोग सोच रहे हैं कि भविष्य में मंदी आने वाली है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर इन मौजूदा परिस्थितियों में भी भारत की क्षमता को पहचाना जा रहा है और इसकी आर्थिक ताकत को स्वीकारा जा रहा है तो इस क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले लोग भारत के साथ व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से, कॉरपोरेशन टू कॉरपोरेशन की साझेदारी से लाभ पा सकते हैं।÷ वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की साझेदारी से दोनों ही देशों को लाभ मिलता है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'साथ मिलकर, हम वैश्विक व्यापार और विकास को आगे बढ़ाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा योगदान है जो यहां रहने वाले भारतीय प्रवासी दे सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय प्रवासियों से अपील की कि वे अधिक रुचि लें और अपने चुने हुए क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करें। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के कदमों पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'कोविड-19 महामारी के दौरान, हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया था। लेकिन 2021 में, हम एक स्पष्ट संकेत के साथ आए कि हम अपने राजकोषीय घाटे का प्रबंधन किस तरह करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम हर साल बिना किसी चूक के इसका पालन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का प्राथमिक ध्यान 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना है।इस दृष्टिकोण में महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों को प्रभावित करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में सुधार शामिल हैं।

पीयूष गोयल लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स का 28 अप्रैल से करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 28 अप्रैल से शुरू होने वाले अपनी बहुप्रतीक्षित विदेश यात्रा के दौरान लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स का दौरा करेंगे। इस पांच दिवसीय यात्रा का उद्देश्य ब्रिटेन, नॉर्वे और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा देना है। अधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स की संभावित पांच दिवसीय दौरा 28 अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। यह 5 दिवसीय दौरा भारत के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन, नॉर्वे और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को नई ऊंचाइयों तक

पहुंचाना है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री का लंदन यात्रा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है, दोनों पक्ष शेष मुद्दों को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। सूत्रों ने संकेत दिया है कि अब ब्रिटेन के साथ बातचीत का एक और पूर्ण दौर संभव नहीं है क्योंकि चर्चाएं तेज गति से आगे बढ़ रही हैं। इसके अलावा ओस्लो की यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने पिछले साल मार्च में चार यूरोपीय राष्ट्र ब्लॉक यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ भी एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस साल इसके लागू होने की उम्मीद है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। दोनों पक्षों ने 10 मार्च 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है, जबकि स्विस घड़ियां, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है। वहीं, 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते के लिए बातचीत भी तेजी से आगे बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि भारत और 27 देशों का समूह व्यापक समझौते पर जाने से पहले एक प्रारंभिक फसल समझौते पर चर्चा करने की संभावना तलाश रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच 11वें दौर की वार्ता 12-16 मई को यहां निर्धारित है। फरवरी में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते को सील करने पर सहमति व्यक्त की।

गाड़ी पर दो से अधिक चालान तो भरना होगा ज्यादा प्रीमियम, 20 फीसदी तक हो सकती है बढ़त

एजेंसी

मुंबई। नया वित्त वर्ष शुरू हो गया है। लोग सोच रहे हैं कि क्या इस बार उन्हें अधिक मोटर बीमा प्रीमियम का भुगतान करना होगा, यदि उनके पास पिछले वित्त वर्ष के दो से अधिक लंबित, भुगतान न किए गए चालान हैं। हालांकि, वर्तमान प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है और यह मसौदा चरण में है। पॉलिसी जारी होने के बाद चालान की स्थिति को ट्रैक करना व्यावहारिक और प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करना होगा है। ऐसे में सड़क परिवहन मंत्रालय, राज्य यातायात विभाग और बीमा कंपनियों के बीच एक सुरक्षित और निरंतर डाटा को साझा करने वाले तंत्र की जरूरत है। हालांकि, इसे लागू करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम के तहत कई गोपनीयता और अनुपालन चिंताओं को सुलझाना होगा। प्रस्तावित नियम में ऐसा मॉडल है, जहां एक वित्त वर्ष में दो लंबित चालान पर बीमा प्रीमियम में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़त हो सकती है। बीमा कंपनियां पॉइंट आधारित प्रणाली अपना सकती हैं, जो प्रीमियम दर निर्धारित करती है। प्रीमियम का मूल्य निर्धारण मुख्य रूप से टेलीमैटिक्स आधारित मूल्य निर्धारण तंत्र के जरिये किया जाएगा। अगर बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी का प्रस्ताव कई लंबित चालानों के कारण होता है, तो प्रीमियम की गणना गलतियों को ठीक करने के बाद समायोजित की जाएगी, लेकिन इसे संभालने का तरीका अभी भी स्पष्ट नहीं है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, साप्ताहिक आधार पर सोना 1,910 रुपये तक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। आज की तेजी के कारण सोना देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 97,580 रुपये से लेकर 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,450 रुपये से लेकर 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो उतार-चढ़ाव को मिलाकर 24 कैरेट सोना पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 1,910 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह 22 कैरेट सोने की कीमत 1,750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। दूसरी ओर, इस सप्ताह चांदी के भाव में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद इस चमकीली धातु की कीमत में सप्ताहांत में साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह के अंत में भी चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी और इस सप्ताह के अंत में भी आज चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विकसित भारत बनने की रणनीति: अनंत नागेश्वरन बोले- हर साल 80 लाख नौकरियों की जरूरत; विनिर्माण पर भी जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कम से कम अगले 10 से 12 सालों तक हर साल 80 लाख नई नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके साथ ही देश की जीडीपी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ानी होगी। बता दें कि नागेश्वरन कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित 'कोलंबिया इंडिया समिट 2025' में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम भारत की आर्थिक नीतियों और भविष्य को लेकर आयोजित किया गया था। नागेश्वरन ने समिट में कहा कि आने वाले 10-20 साल भारत के लिए आसान नहीं होंगे। जैसा अनुकूल माहौल भारत को 1990 के बाद मिला था, वैसा अब नहीं मिलेगा। दुनिया की बदलती परिस्थितियां, तकनीकी बदलाव और वैश्विक संघर्ष आर्थिक विकास में बाधा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी जैसी चुनौतियां अब सामने हैं, जो पहले विकसित देशों को नहीं झेलनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि एआई जैसी तकनीकें एंट्री-लेवल नौकरियों को खत्म कर सकती हैं। ऐसे में हमें नीतियों में इस तरह का संतुलन लाना होगा, जिससे रोजगार भी बने और तकनीक का इस्तेमाल भी हो। नागेश्वरन ने कहा कि अगर भारत को वैश्विक विनिर्माण में मजबूत बनना है, तो लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) का विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश बिना मजबूत एमएसएमई सेक्टर के मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति नहीं बन पाया। साथ ही उन्होंने कहा कि या तो हमें निवेश दर को बढ़ाना होगा या फिर मौजूदा निवेश से अधिकतम लाभ निकालना होगा, क्योंकि वैश्विक पूंजी प्रवाह पर भी अब संघर्षों का असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पहले भारत की जीडीपी में निर्यात का योगदान 40त्न तक था (2003-08), जो अब घटकर 20त्न से भी कम हो गया है, और आगे और गिर सकता है। इसलिए, सिर्फ निर्यात पर निर्भर रहकर विकास करना अब संभव नहीं होगा। नागेश्वरन ने कहा कि कोविड के बाद भारत ने पिछले तीन सालों में औसतन 8फीसदी की विकास दर हासिल की है। हालांकि उन्होंने माना कि इस दर को बनाए रखना मुश्किल होगा।

MTNL ने 8346 करोड़ रुपये के बैंक ऋण का भुगतान नहीं किया

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लि. (एमटीएनएल) सात सरकारी बैंकों के 8,346.24 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान में चूक गई है। इसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का 3,633.42 करोड़ रुपये और इंडियन ओवरसीज बैंक का 2,374.49 करोड़ रुपये बकाया है। बैंक ऑफ इंडिया का 1,077.34 करोड़, पंजाब नेशनल बैंक का 464.26 करोड़, एसबीआई का 350.05 करोड़ रुपये, यूको बैंक का 266.30 करोड़ और मूलधन व ब्याज भुगतान सहित 180.3 करोड़ रुपये शामिल है। यह चूक अगस्त, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी ने 19 अप्रैल को शेयर बाजारों को बताया, 31 मार्च, 2025 तक उसका बकाया कर्ज 33,568 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें 8,346 करोड़ रुपये का बैंक ऋण, 24,071 करोड़ रुपये के सॉवरेन गारंटी (एसजी) बॉन्ड और एसजी बॉन्ड ब्याज का भुगतान करने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से 1,151 करोड़ रुपये का ऋण शामिल है

टॉप 10 कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ रुपये बढ़ा, एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से सभी 10 कंपनियां मुनाफा कमाकर हरे निशान में बनी रहीं। बाजार की तेजी के कारण इन 10 कंपनियों के मार्केट कैप में सिर्फ 3 दिन के कारोबार के बाद 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, आईटीसी, इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में कुल 3,84,004.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 15 से 17 अप्रैल के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 76,483.95 करोड़ रुपये उछल कर 14,58,934.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 75,210.77 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 10,77,241.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 74,766.36 करोड़ रुपये बढ़ कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 67,597 करोड़ रुपये के फायदे के साथ उछल कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 24,114.55 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 11,93,588.98 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,712.85 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,68,061.13 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 6,820.20 करोड़ रुपये उछल कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 3,987.14 करोड़ रुपये की बढ़ कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़ होकर 5,57,945.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,24,768.59 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,58,934.32 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,93,588.98 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,77,241.74 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,01,948.86 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,11,381.46 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 5,89,846.48 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,68,061.13 करोड़ रुपये) हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,57,945.69 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,34,665.77 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में आरएसडी एकेडमी ने मारी बाजी

एजेंसी

मुरादाबाद। रामगंगा विहार स्थित आरएसडी एकेडमी में आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मुरादाबाद के अंतर्गत दो दिवसीय जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुरादाबाद के 10 से अधिक स्कूलों के 150 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आरएसडी अकैडमी स्कूल की टीम रही, वहीं दूसरे स्थान पर टाइनी टोट्स व तीसरे स्थान एसएस चिल्ड्रेन एकेडमी की टीम रही। आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव मोहित चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन बालक वर्ग में प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें अंडर 18 वर्ष में 50 किलो वर्ग में दाएं हाथ से शिव कुमार ने स्वर्ण, भविष्य ने सिल्वर व ज़ैन मलिक ने कांस्य पदक जीता, बाएं हाथ से उज़ैब अली ने स्वर्ण पदक और नैतिक पवार ने रजत पदक जीता। अंडर 55 किलो वर्ग में दाएं हाथ से आर्यन त्यागी ने स्वर्ण, यथार्थ ने रजत पदक व नोमान हुसैन ने कांस्य पदक जीता, बाएं हाथ से शौर्य धारीवाल ने स्वर्ण पदक जीता, अंडर 60 किलो वर्ग में आर्यन शर्मा ने स्वर्ण, विराट सक्सेना ने रजत व रोहन घोष ने कांस्य पदक जीता। अंडर 65 किलो में उदय सैनी ने स्वर्ण पदक और रोहन पल ने रजत पदक जीता। अंडर 70 किलो वर्ग में अक्षय सिंह ने स्वर्ण, राहुल ने रजत व भविष्य शर्मा ने कांस्य पदक जीता, बाएं हाथ से अक्षय सिंह ने स्वर्ण और श्रेष्ठ मिश्रा ने रजत पदक जीता, अंडर 80 किलो वर्ग में शुभांग सिंह ने स्वर्ण पदक जीता।

जनपदीय ब्लैक बेल्ट टेस्ट में मुरादाबाद के 21 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

मुरादाबाद। आर्यभट्ट इंटरनेशनल स्कूल में आर्यभट्ट ताइक्कांडो एकेडमी द्वारा जनपदीय ब्लैक बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें मुरादाबाद जनपद 21 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षक के रूप में अधिया अग्रवाल, ब्लैक बेल्ट 4th दान, व मुख्य परीक्षक के रूप में अमित उपाध्याय सर ब्लैक बेल्ट 5 दान मौजूद रहे। टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, वा मानसिक क्षमता की भी जांच की गई। हेड कोच तकी इमाम ने बताया ब्लैक बेल्ट टेस्ट देने से पहले 7 कलर बेल्ट को उत्तीर्ण करना होता है। जिसमें येलो, ग्रीन, ग्रीन वन, ब्लू, ब्लू वन, रेड , रेड वन शामिल हैं। तकी इमाम ने कहा कि आज प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों में अर्जुन दिवाकर, दानिश जफर, कार्तिक, मनीष कुमार, कनक सैनी, अब्दुल मुकीत, सय्यद मीर हाशमी, हंजाला, सय्यद जोहान अली, सय्यद अयान, रिच सैनी, मनीष ,आदर्श, उन्नति, भानु शर्मा , वंशिका शर्मा, दिव्यांशी, अरूबा नूर, हिमांशु, सलीफ हमजा, वासित हमजा शामिल रहे। इस मौके पर कोच अमन, कोच नोमान ,कोच मोहसिन, कोच वासित आदि मौजूद रहे।

आईएसएसएफ विश्व कपः अर्जुन बबूता ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

लीमा। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबूता ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया है। पेरू के लीमा में आयोजित प्रतियोगिता में हुए मैच में अर्जुन ने मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ को कड़ी टक्कर दी, लेकिन महज 0.1 अंक से स्वर्ण पदक से चूक गए। उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीनी शूटर को स्वर्ण पदक मिला। अर्जुन बबूता ने कड़े फाइनल मुकाबले में 252.3 का स्कोर किया। चीनी शूटर शेंग लिहाओ ने 252.4 का स्कोर किया। अर्जुन को आखिरी शॉट पर जीत के लिए 10.7 की जरूरत थी, लेकिन उन्होंने 10.5 स्कोर किया। वह चीनी शूटर के स्कोर से महज? 0.1 पॉइंट से पीछे रह गए। हंगरी के शूटर इस्तवान मार्टन पेनी ने 229.8 पॉइंट के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया ने खिलाड़ी पर गर्व जताते हुए सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि अर्जुन बाबूता ने लीमा, पेरू में आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में रजत पदक जीता। वह पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ से सिर्फ 0.1 अंक पीछे रहे। अर्जुन, आप पर बहुत गर्व है।

ईस्ट बंगाल को हराकर केरला ब्लास्टर्स कलिंगा सुपरकप के क्वार्टरफाइनल में

भुवनेश्वर। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने गत चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी को 2-0 से हराकर कलिंगा सुपर कप 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। कलिंगा स्टेडियम में रविवार रात खेले गये राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स ने स्पेनिश स्ट्राइकर जीसस जिमेनेज के गोल से 1-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद मोरक्को के नोआ वली सदाउई ने 64वें मिनट में गोलकर स्कोर 2-0 कर दिया। नोआ वली सदाउई को प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। केरल ब्लास्टर्स 26 अप्रैल को क्वार्टरफाइनल में मोहन बागान एसजी से भिड़ेगी।

'नीरज चोपड़ा क्लासिक' प्रतियोगिता अब पंचकूला नहीं, बेंगलुरु में होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स जैसे बड़े मंचों पर स्वर्ण पदक जीतकर हर मुकाम हासिल किया है। अब वो एक ऐसा कदम उठाने जा रहे हैं, जिसे वह अपनी सबसे बड़ी विरासत मानते हैं। भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाला फेंक प्रतियोगिता 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' का आयोजन किया जाएगा।

पंचकूला से बेंगलुरु शिफ्ट हुआ इवेंट

पहले यह मुकाबला हरियाणा के पंचकूला स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होना था लेकिन स्टेडियम की फ्लडलाइट्स में तकनीकी दिक्कत के चलते अब इसे बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में 24 मई को आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान के अरशद नदीम को भेजा न्योताः इस खास इवेंट में पाकिस्तान के ओलंपिक मेडलिस्ट

अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया गया है। हालांकि, अब तक उनकी ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नीरज और अरशद के बीच मैदान में होने वाली भिड़ंत हमेशा रोमांचक रही है और अगर वो आए तो मुकाबला और दिलचस्प हो जाएगा।

दिग्गज एथलीट लेंगे हिस्सा

इस टूर्नामेंट में वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), जूलियस येगो (केन्या), 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट थॉमस रोहलर (जर्मनी), करंट वर्ल्ड लीडर कर्टिस थॉम्पसन (अमेरिका) और खुद नीरज चोपड़ा सहित कई बड़े एथलीट हिस्सा लेंगे।

नीरज बोले- यही मेरी असली विरासत

नीरज ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जब मैं ओलंपिक या वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतता था, लोग पूछते थे अब आगे क्या? उन सपनों को तो मैंने पूरा कर लिया, लेकिन यह टूर्नामेंट करवाना मेरे लिए एक सपना था। इससे मुझे लगता है कि मैं भारतीय एथलेटिक्स और यहां के एथलीट्स को कुछ लौटाने में कामयाब हो रहा हूं। गौरतलब है कि नीरज ने भारत में आखिरी बार फेडरेशन कप 2024 में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने 82.27 मीटर भाला फेंक कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की शानदार साझेदारी ने चेन्नई को पलटवार का कोई मौका नहीं दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 176 रन बनाए। शिवम दुबे ने 32 गेंदों पर 50 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाकर पारी को संभाला। 17 वर्षीय युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी 15 गेंदों में 32 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट चटकाए, जबकि दीपक चाहर, अश्विनी कुमार और मिचेल सेंटनर को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत मजबूत रही। रियान रिक्लेटन और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े।

रिक्लेटन 19 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जो चेन्नई के लिए एकमात्र सफलता रही और वह विकेट रवींद्र जडेजा ने लिया। इसके बाद रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने मिलकर मैच को एकतरफा बना दिया। रोहित ने 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए 76 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं सूर्यकुमार यादव ने महज 26 गेंदों में पचासा जड़ा और 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर चेन्नई के गेंदबाजों की एक न चलने दी। 16वें ओवर में मथीशा पथिराना को दोनों ने तीन छक्के जड़कर मैच का अंत कर दिया। मुंबई इंडियंस ने 15.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया और चेन्नई से चेपॉक में मिली हार का बदला चुकता किया।

होल्गर रून ने कार्लोस अल्कारेज को हराकर जीता बार्सिलोना ओपन का खिताब

एजेंसी

बार्सिलोना। डेनमार्क के टेनिस स्टार होल्गर रून ने बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्कराज को हराकर बार्सिलोना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। रून ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-6 (8/6), 6-2 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने करीब एक साल बाद कोई खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला खास इसलिए भी रहा क्योंकि अल्कराज अपने पिछले 23 क्ले कोर्ट मैचों में सिर्फ दूसरी बार हारे हैं।

होल्गर रून ने जीत के बाद कहा, ये एक पागलपन भरा एहसास है। करीब एक साल बाद खिताब जीतना मेरे लिए बेहद खास है। कार्लोस जैसे खिलाड़ी और अच्छे दोस्त को फाइनल में हराकर ये पल मेरे लिए खास है। मैंने पूरे मैच में संयम बनाए रखा और रणनीति के साथ खेला। फाइनल मुकाबले की शुरुआत में कार्लोस अल्कराज ने पांचवें गेम में ब्रेक लेकर बढ़त बनाई थी, लेकिन रून ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद रूने ने 10वें गेम में दो सेट पॉइंट बनाए, हालांकि अल्कराज ने उन्हें

बचा लिया। पहला सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां रून ने मौके का फायदा उठाते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह इस हफ्ते अल्कराज का पहला सेट था जो उन्होंने गंवाया।

दूसरे सेट में अल्कराज ने शुरुआत में दो ब्रेक प्वाइंट जरूर बनाए, मगर रून ने उन्हें बचाया। तीसरे गेम के बाद अल्कराज ने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर कोर्ट पर लौटे। हालांकि तब तक होल्गर रून ने मैच की पकड़ मजबूत कर ली थी। रून ने दो बार अल्कराज की सर्विस ब्रेक करते हुए दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर खिताब जीत लिया। अल्कराज, जो इससे पहले मोंटे कार्लो मास्टर्स जीत चुके हैं और फ्रेंच ओपन की तैयारी कर रहे हैं, वह बार्सिलोना में अपना तीसरा खिताब जीतने से चूक गए।

फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में किया कमाल, एथलेटिक क्लब पर जीत से रियल मैड्रिड ने जलाई खिताबी उम्मीदें

एजेंसी

मैड्रिड। ला लिगा में खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए रियल मैड्रिड ने आखिरी पलों में शानदार जीत दर्ज की। रात खेले गए मुकाबले में फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में गोल दागकर एथलेटिक क्लब को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने टाइटल रेस में बार्सिलोना से फासला चार अंक पर कायम रखा।

बार्सिलोना से पिछड़ने की कगार पर था मैड्रिड

चैंपियंस लीग में आर्सेनल से हारने के बाद रियल मैड्रिड के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। लंबे समय तक गोल के लिए जूझने के बाद लग रहा था कि टीम एक और निराशाजनक नतीजा झेलेगी, लेकिन उरुग्वे के स्टार खिलाड़ी वॉल्वरडे ने स्टॉपेज टाइम में टॉप कॉर्नर में जबरदस्त गोल कर टीम को जीत दिला दी।

काइलियन एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी और विनीसियस की चमक

एथलेटिक क्लब ने इस मुकाबले में अपने कई स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था, जबकि रियल मैड्रिड काइलियन

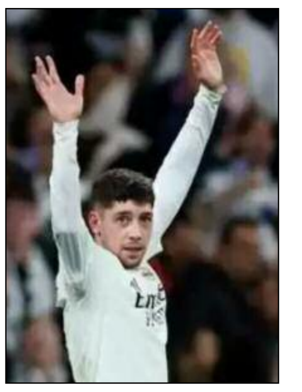

एम्बाप्पे के बिना उतरा। एम्बाप्पे निलंबन और टखने की चोट से जूझ रहे हैं। इस बीच, विनीसियस जूनियर ने शानदार खेल दिखाया और लेफ्ट फ्लैंक पर लगातार दौड़कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। हालांकि उन्होंने एक गोल किया, लेकिन एंड्रिक के ऑफसाइड होने से वह गोल मान्य नहीं हो सका।

बेलिंघम के मिस और गोलकीपर सिमोन की शानदार बचत

दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रामक तेवर दिखाए। रोड्रिगो और कैमाविंगा ने कोशिशें कीं, लेकिन एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार बचाव किए। विनीसियस ने भी शानदार क्रॉस दिया, जिसे बेलिंघम ने हेड किया, लेकिन सिमोन ने उसे भी बचा लिया। अंतिम पलों में बेलिंघम ने पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने नकार दिया।

किंग वॉल्वरडे ने दिलाई जीत, अब नजर कोपा डेल रे फाइनल पर

जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी फेडे वॉल्वरडे ने बॉक्स के बाहर से एक शानदार स्ट्राइक लगाई, जो सिमोन के पास भी नहीं पहुंची। इस गोल से रियल मैड्रिड को जीत मिली और अब टीम कोपा डेल रे फाइनल में बार्सिलोना से भिड़ने के लिए तैयार है।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीगः तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

गुरुग्राम (हरियाणा)। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में चल रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) के रविवार के मुकाबले रोमांच और एक्शन से भरपूर रहे। दिन के तीन मुकाबलों में तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने अपने-अपने विरोधियों को हराकर दमदार जीत दर्ज की।

पुरुष मुकाबलों ने बनाया हाई-वोल्टेज माहौलः महिलाओं के मुकाबलों के धमाकेदार आगाज़ के बाद पुरुष टीमें मैदान में उतरीं। पुरुष मैचों में बड़ी संख्या में लड़कियों की मौजूदगी ने स्टेडियम का माहौल और भी शानदार बना दिया। दर्शकों के उत्साही समर्थन और जोरदार जयकारों ने मुकाबलों का रोमांच दोगुना कर दिया।

तेलुगु पैंथर्स ने तमिल लायंस को दी शिकस्तः दिन के पहले मुकाबले में तेलुगु पैंथर्स ने तमिल लायंस को 33-27 से हराया। पैंथर्स ने 16 रेड और 13 टैकल पॉइंट जुटाते हुए मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। तमिल लायंस की मजबूत रेडिंग (18 पॉइंट) के बावजूद ऑल-आउट पॉइंट की कमी उन्हें भारी पड़ी। तेलुगु पैंथर्स के ऑलराउंड प्रदर्शन ने उन्हें शानदार जीत दिलाई।

मराठी वल्चर्स ने पंजाबी टाइगर्स को पछाड़ा

दूसरे मुकाबले में मराठी वल्चर्स ने पंजाबी टाइगर्स को 55-44 से हराया।

वल्चर्स ने 30 रेड, 20 टैकल और 4 ऑल-आउट पॉइंट बटोरकर एकतरफा मुकाबला अपने नाम किया। पंजाबी टाइगर्स की रेडिंग मजबूत रही, लेकिन उनका डिफेंस मराठी की तगड़ी टैकलिंग के सामने टिक नहीं सका। मराठी वल्चर्स की ओर से तीन सुपर टैकल भी देखने को मिले।

भोजपुरी लेपर्ड्स की दमदार जीतः दिन के आखिरी मुकाबले में भोजपुरी लेपर्ड्स ने हरियाणवी शार्क्स को 39-30 से मात दी। भोजपुरी टीम ने 20 रेड, 13 टैकल और 4 ऑल-आउट पॉइंट के साथ मुकाबले पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। शार्क्स ने मुकाबले में कड़ा संघर्ष किया, मगर लेपर्ड्स की हरफनमौला रणनीति के आगे उनकी एक न चली।

सोमवार को महिलाओं के मुकाबलों की बारी

अब महिला वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। कार्यक्रम इस प्रकार है-

शाम 6:00 बजेः हरियाणवी ईगल्स बनाम भोजपुरी लेपर्डेस

शाम 7:00 बजेः मराठी फाल्कन्स बनाम तमिल शेरनी

रात 8:00 बजेः तेलुगु चीता बनाम पंजाबी टाइग्रेस

बीसीसीआई वार्षिक अनुबंध में रोहित, विराट, बुमराह और जडेजा ए-प्लस में बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए अपने वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा कर दी है। शीर्ष श्रेणी ए-प्लस (A+) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अनुभवी ऑफ स्पिन गेंदबाज़ रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण बाहर कर दिया गया है।

ए-प्लस ग्रेड में वही चार दिग्गज

बीसीसीआई ने ए-प्लस (+) श्रेणी में एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बरकरार रखा है। इस श्रेणी में खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का मानदेय मिलेगा।

श्रेयस अय्यर की वापसी, ईशान किशन सी ग्रेड में

पिछले साल घरेलू क्रिकेट न खेलने के कारण अनुबंध सूची से बाहर हुए श्रेयस अय्यर की इस बार बी (B) श्रेणी में वापसी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विराम लेकर रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने वाले ईशान किशन को सी (C) श्रेणी में रखा गया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिन गेंदबाज़ वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के अनुबंध में जगह मिली है। वहीं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रविचंद्रन अश्विन का नाम इस सूची में नहीं है।

जीत-हार में ज्यादा उत्साहित या मायूस न होंः केकेआर स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो

एजेंसी

कोलकाता। टाटा आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को ईडन गार्डन्स मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए उतरेगी। इससे पहले टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो ने कहा कि टूर्नामेंट के इस दौर में खिलाड़ियों को अपनी मानसिक स्थिति संतुलित रखना बेहद जरूरी है।

'जीत या हार में ज्यादा उत्साह या निराशा न दिखाएं'

पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 रन की करीबी हार के बाद कार्ल क्रो ने कहा, यह आवश्यक है कि हम जीत या हार में अत्यधिक उत्साहित या निराश न हों। पिछले मुकाबले में हमने शानदार गेंदबाजी की थी और उन्हें केवल 112 रन पर रोक दिया था। हमारी पारी के आधे ओवर तक हम मैच में पूरी तरह हावी थे। ऐसे में हमें अपनी रणनीति में लगातार बने रहना और सकारात्मक मानसिकता के साथ खेलना चाहिए। ईडन गार्डन्स

की पिच को लेकर कार्ल क्रो ने कहा, स्पिन गेंदबाजी यहां हमेशा से अहम भूमिका निभाती आई है और हमारे पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं। उनके औसत रन प्रति ओवर, विकेट लेने की दर और कुल विकेट यह दर्शाते हैं कि उन्होंने कितनी मेहनत की है। कप्तान ने भी उन्हें पूरे टूर्नामेंट में अलग-अलग मौकों पर शानदार तरीके से उपयोग किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रशिक्षक दल में अभिषेक नायर की वापसी को लेकर भी कार्ल क्रो ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, अभिषेक लंबे समय से फ्रेंचाइज़ी के साथ जुड़े हुए हैं और ड्रेसिंग रूम में उनकी काफी प्रतिष्ठा है। पिछले वर्ष हम विजेता बने थे और उसमें उनका बड़ा योगदान रहा। वह खिलाड़ियों के साथ बेहतरीन तालमेल रखते हैं और खेल की बारीकियों को अच्छी तरह समझते हैं। उनके लौटने से टीम को बड़ा लाभ मिलेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम अब गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी। स्पिन गेंदबाजों की भूमिका एक बार फिर निर्णायक होगी और कोच क्रो का मानना है कि यदि टीम सकारात्मक मानसिकता के साथ खेले, तो परिणाम अपने पक्ष में लाना संभव है।

भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से शुरु होने वाली पांच मैचों की आगामी सीरीज के लिए केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रात ऑस्ट्रेलिया रवाना हुई। भारतीय टीम मैत्री सीरीज की शुरुआत में 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के साथ दो मैच खेलेंगी। इसके बाद एक, तीन और चार मई को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ मैच होंगे। ये सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 26 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई सलीमा टेटे करेंगी तथा अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप कप्तान होंगी। रवाना होने से पहले कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, इस दौरे पर टीम की अगुवाई करना मेरे लिए गर्व की बात है।

आरसीबी से मिली हार के बाद पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा-अब हर मुक़ाबला हमारे लिए करो या मरो जैसा

एजेंसी

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में बेहतरीन लय में नजर आ रही पंजाब किंग्स की रफ्तार नई चंडीगढ़ के महाराजा वाईपी सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में थम गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 7 विकेट से मात देकर टूर्नामेंट की बेहद अहम जीत अपने नाम की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 157 रन बनाए। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दी, लेकिन मध्य क्रम के बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली के नाबाद 73 रनों की शानदार पारी की बदौलत 7 गेंद शेष रहते यह मुक़ाबला अपने नाम कर लिया।

मुक़ाबले के बाद पंजाब किंग्स के मुख्य प्रशिक्षक रिकी पोंटिंग ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया।

उन्होंने कहा, हमने इस मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। पिच 157 रन से कहीं बेहतर थी। हमारे कई बल्लेबाज़ों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। यही टी20 क्रिकेट में अंतर पैदा करता है। पावरप्ले में हम 62 रन पर 1 विकेट थे, वहाँ से स्कोर 180 या 200 तक पहुँचाना चाहिए था, लेकिन हमने विकेट झुंड में गंवा दिए। पोंटिंग ने कहा कि अब टीम के सामने हर मुक़ाबला करो या मरो जैसा होगा।

उन्होंने कहा, हम हाफवे मार्क तक पहुँच चुके हैं। अब हर मैच अहम है। हमें अगले मुक़ाबलों में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी स्थिति मज़बूत करनी होगी। कोलकाता के ख़िलाफ़ अगला मुक़ाबला बड़ा है। फिर धर्मशाला में होने वाले घरेलू मुकाबले भी हमारे लिए निर्णायक रहेंगे।, पोंटिंग ने धर्मशाला में खेलने को लेकर भी उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा, धर्मशाला शानदार मैदान है। वहाँ की पिच अच्छी होती है, गेंद बल्ले पर तेज़ी से आती है और मैदान छोटा है। इस बार हमारे वहाँ तीन मुकाबले हैं। हमें कोशिश करनी होगी कि वह मैदान हमारे लिए भाग्यशाली साबित हो। पंजाब किंग्स अब 26 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ ईडन गार्डन्स में भिड़ेगी, जबकि 4 मई को धर्मशाला में लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ घरेलू मुक़ाबला खेलेगी।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के महाराजा यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 37वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। मुकाबले में बेंगलुरु की टीम ने पंजाब की टीम को सात विकेट से हरा दिया। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 157 रन बनाए। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में 3 विकेट पर 159 रन बनाते हुए जीत दर्ज कर ली। विराट कोहली 73 रन बनाकर नाबाद रहे। देवदत्त पडिक्कल ने 61 रन की पारी खेली। इस जीत के साथ आरसीबी के आठ मैचों में पांच जीत और तीन हार के साथ 10 अंक हो गए हैं। टीम अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब की टीम के भी आठ मैचों में पांच जीत और तीन हार के साथ 10 अंक हैं, लेकिन नेट रनरेट में आरसीबी से पीछे होने के कारण वह चौथे नंबर पर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु का फिल सॉल्ट के रूप में पहला विकेट गिरा। सॉल्ट एक रन बनाकर आउट हुए। सॉल्ट का विकेट जल्दी गंवाने के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने अच्छी बल्लेबाजी की और पावरप्ले के छह ओवर में एक विकेट पर टीम का स्कोर 54 रन पहुंचा दिया। मैच में पडिक्कल ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी और

30 गेंदों पर आईपीएल करियर का अपना 10वां अर्धशतक लगा दिया। पडिक्कल 13वें ओवर में बड़ा शॉट मारने के दौरान कैच आउट हुए। उन्होंने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन की पारी खेली। उन्होंने विराट के साथ 103 रन की साझेदारी की। पडिक्कल के जाने के बाद विराट ने मोर्चा संभाल लिया और अपना एक और अर्धशतक जड़ दिया। विराट कोहली ने आईपीएल करियर का 59वां अर्धशतक लगाया। फिर 143 के स्कोर पर बेंगलुरु को तीसरा झटका लगा। कप्तान रजत पाटीदार कैच आउट हो गए। वह 12 रन बना सके। इसके बाद विराट कोहली और जितेश शर्मा ने 18वें ओवर में जीत सुनिश्चित की। विराट 54 गेंदों पर 73 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पाकी में 7 चौके औक एक छक्का लगाया। जितेश शर्मा 11 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बरार, युजवेंद्र चहल ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब को सलामी युवा जोड़ी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआती चार ओवर में 41 रन जोड़ दिए। टीम का पहला विकेट पांचवें ओवर में गिरा। प्रियांश 15 गेंदों पर 22 रन बनाकर आउट हुए। फिर सातवें ओवर में प्रभसिमरन सिह भी पवेलियन लौट गए। प्रभसिमरन 17 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बना सके।

जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।

रोसी मेपल मोथ

ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसिलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

एग्जेंन्थिक ब्लू इगुआना

इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एग्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शौक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

वॉम्बेट

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

सम्राट तामरीन

ये मूंछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूंछे भी इसी तरह की हुआ करती थी। इसिलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

स्कॉटिश भेड़

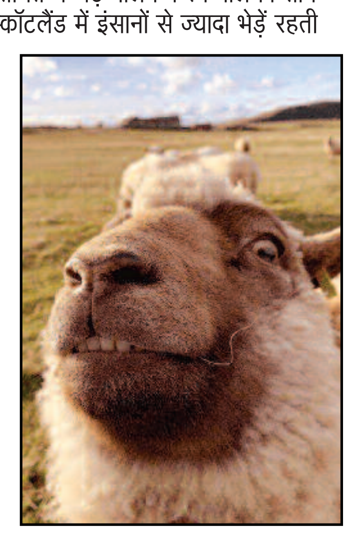

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इंसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

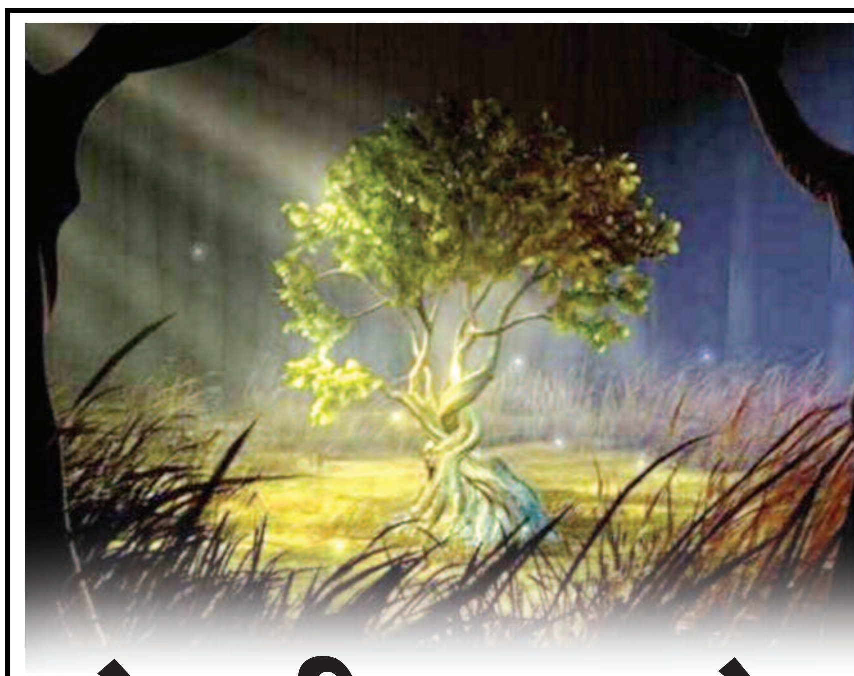

रोशनी वाला पेड़

भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की जिंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैठ कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

मेहुल की सेल्फी

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।

'मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?' मां मेहुल को काफी देर से ढूंढ़ रही थीं, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गईं कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहां गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थप्पड़ मारते हुए कहा, 'यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?' तो वह चौंका। 'कुछ नहीं मां, बस यूं ही।' 'यूं ही क्या?' मां ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा। 'मां, अपने इस नए मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए।' 'क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?' मां ने उसे डांटते हुए कहा। 'चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।' मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, 'यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गर्मी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।' मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, 'तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।' मां उसकी ओर गुस्से से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुस्से से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले।

आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, 'मां, मेरा मोबाइल कहां है?' मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, 'पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।' यह कहकर मां किचन की ओर चल दीं। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डॉगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, 'इस दोपहर में कहां जा रहे हो?' 'मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।' मां ने उससे कहा, 'जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।' 'पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।' यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर की ओर भागा।

मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डॉगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, 'क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।' मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आईं। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गईं। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गईं। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, 'यह कैसे हुआ?' 'मां, रॉकी ने काटा है' मोहित ने कहा। 'ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?' 'मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।' 'तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।' मां ने नाराज होते हुए कहा।

डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गईं लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।

अक्षय कुमार या मैं? जब सलमान ने

कटरीना कैफ

से पूछा कौन हैं आपका फेवरेट? एक्ट्रेस के जवाब ने उड़ा दिए होश

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का अफेयर कटरीना कैफ के साथ भी काफी सुर्खियों में रहा है. लेकिन जल्द ही दोनों अलग हो गए थे. हालांकि अब भी दोनों के बीच अच्छा रिश्ता है. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है.

ब्रेअकप के बाद भी सलमान और कटरीना ने साथ में स्क्रीन शेयर किया. लेकिन जब एक बार सलमान खान ने कटरीना कैफ से अक्षय और उन्हें लेकर एक सवाल किया था तो कटरीना के जवाब ने सलमान के भी होश उड़ा दिए थे.कटरीना कैफ ने अक्षय कुमार के साथ भी कई फिल्मों में काम किया है और ये जोड़ी भी फैंस को काफी पसंद आई है. कटरीना एक बार सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस में पहुंची थीं. तब सलमान ने उनसे खुद को और अक्षय को कंपेयर करते हुए सवाल किया था. जिस पर कटरीना ने अक्षय की साइड ली थी और अक्षय का नाम सुनते ही सलमान का रिएक्शन देखने लायक था.

कटरीना ने सलमान नहीं, अक्षय को बताया था बेस्ट

कटरीना कैफ से सलमान खान ने कई सवाल किए थे. उसी में से एक सवाल ये था कि, आपका फेवरेट को-स्टार कौन है ? सलमान ने एक्ट्रेस को चार ऑप्शन दिए थे जिनमें सलमान के साथ ही अक्षय कुमार, इमरान खान और रणबीर कपूर के नाम भी शामिल थे. कटरीना ने तुरंत ही अक्षय कुमार का नाम लिया था. अक्षय का नाम सुनते ही सलमान हैरान रह गए.

सलमान ने इसके बाद कटरीना से अक्षय और खुद में से किसी एक को चुनने के लिए कहा था. सवाल में तो बदलाव हो चुका था, लेकिन एक्ट्रेस के जवाब में कोई बदलाव नहीं हुआ. इस बार भी उन्होंने 'खिलाड़ी कुमार' का ही नाम लिया था. अभिनेत्री ने कहा था, अक्षय कुमार आपसे बेहतर को-स्टार हैं.

7 फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं अक्षय-कटरीना

कटरीना कैफ और अक्षय कुमार की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस का दिल जीत लेती है. दोनों ने 'हमको दीवाना कर गए', 'दे दना दन', 'सूर्यवंशी', 'वेलकम', 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग' और 'तीस मार खां' जैसी फिल्में की हैं, जिसमें से सिर्फ 'हमको दीवाना कर गए' ही फ्लॉप रही है.

सैफ की जिंदगी में उनकी...करीना ने जब पति की एक्स वाइफ पर कह दी ऐसी बात, खुद को बताया अमृता की फैन

बॉलीवुड के कई एक्टर्स ने एक से ज्यादा शादी की है. इस लिस्ट में सैफ अली खान भी शामिल है. उन्होंने पहली शादी महज 20 साल की उम्र में खुद से 12 साल बड़ी मशहूर एक्ट्रेस अमृता सिंह से की थी. लेकिन ये रिश्ता 13 साल बाद टूट गया था. दोनों ने 1991 में लव मैरिज की थी और 2004 में तलाक ले लिया था.अमृता सिंह से अपना रिश्ता खत्म करने के करीब आठ साल के बाद सैफ अली खान ने पॉपुलर अदाकारा करीना कपूर खान से साल 2012 में दूसरी शादी की थी. लेकिन इससे पहले दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था. शादी से पहले करीना ने अमृता और सैफ के रिश्ते पर भी बात की थी. वहीं उन्होंने इस दौरान ये तक कह दिया था कि वो कभी अमृता सिंह की फैन रही हैं. करीना ने इसके अलावा ये भी कहा था कि सैफ को अमृता से दोस्ती करनी चाहिए.

करीना ने खुद को कहा था अमृता की फैन

साल 2008 के आसपास सैफ और करीना की डेटिंग की शुरुआत हुई थी. उसी साल करीना ने 'पीपुल मैग्जीन' को एक इंटरव्यू दिया था. उनसे सवाल हुआ था कि क्या उनके और सैफ के बीच पुराने रिश्तों को लेकर बातें होती हैं ? इस पर करीना ने कहा था, मैं इस बात का सम्मान करती हूं कि सैफ पहले भी शादीशुदा थे और उनके दो प्यारे बच्चे हैं. मैं अमृता सिंह की फैन रही हूं.

कभी नहीं हुई करीना-अमृता की मुलाकात

करीना ने एक बार करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर खुलासा किया था कि उनकी और अमृता सिंह की कभी मुलाकात नहीं हुई. दोनों कभी नहीं मिले. करण ने उनसे कहा था, आप अमृता से भी बैलेंस बना कर रखती हैं ? क्या आप दोनों एक-दूसरे से बात करते हैं ?तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया था, नहीं, लेकिन मैं उनकी काफी इज्जत करती हूं. हम लोग कभी नहीं मिले हैं. मेरे लिए, वह हमेशा सैफ की लाइफ में एक अहम जगह पर रहेंगी.

चार बच्चों के पिता हैं सैफ

सैफ अली खान और अमृता सिंह दो बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के पैरेंट्स बने थे. वहीं दूसरी शादी से भी सैफ को दो बच्चे हुए. पहले सैफ और करीना ने तैमूर फिर बेटे जहांगीर का वेलकम किया.

1 दूल्हा, 4 पत्नियां... क्रिश्चियन बनें कपिल शर्मा, 'किस किसको प्यार करूं 2' का पोस्टर देख लोग पूछे- कितनी बीवी है भाई

फेमस इंडियन कॉमेडियन कपिल शर्मा पिछले कुछ वक्त से अपनी अपकमिंग फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' को लेकर काफी चर्चा में हैं. कुछ वक्त पहले उन्होंने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं. इसके पहले उन्होंने अलग-अलग धर्म की दुल्हन के साथ शादी के जोड़े में खड़े हैं. अब उन्होंने ईस्टर के मौके पर क्रिश्चियन ब्राइड के साथ फोटो शेयर की है. हालांकि, अपने किसी भी पोस्टर में उन्होंने एक्ट्रेस की चेहरा रिवील नहीं किया है.

कपिल शर्मा की फिल्म के इस तरह से हर मौके पर पोस्टर रिलीज करने का तरीका काफी कमाल का है. इसके पहले उन्होंने बैसाखी के मौके पर सिख दूल्हा बने दुल्हन के साथ नजर आए थे. उस से पहले ईद पर मुस्लिम दूल्हा और रामनवमी पर हिंदू दूल्हे की तरह पोस्टर शेयर किया है. अब ईस्टर के मौके पर उन्होंने ईसाई धर्म के तौर पर पोस्टर शेयर किया है. इसके साथ ही कपिल शर्मा ने सभी को ईस्टर की बधाई भी दी है.

अलग धर्म की होंगी पत्नियां

अनुकल्प गोस्वामी की डायरेक्शन में बन रही किस किसको प्यार करूं को लेकर लोगों का कहना है कि इस फिल्म में भी पहले पार्ट की तरह कपिल की कई पत्नियां होंगी. हालांकि, इसमें अलग-अलग धर्म की दुल्हनों का ट्विस्ट दिया गया है. इस फिल्म के पहले पार्ट को लोगों ने काफी प्यार दिया था. वहीं नए पोस्टर की बात करें, तो कपिल उसमें टक्सिडो पहने नजर आ रहे हैं. फिल्म में कपिल शर्मा काफी गजब के ट्रांसफॉर्मेशन के साथ नजर आ रहे हैं. हालांकि, इस नए पोस्टर पर कई लोग ये भी सवाल कर रहे हैं कि आखिर उनकी कितनी बीवियां हैं.

रिलीज डेट नहीं आई है

हालांकि, कपिल के शेयर किए इस पोस्ट को देखने के बाद लोगों ने फिल्म के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है. पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोगों ने कपिल से फिल्म की रिलीज डेट के बारे में भी सवाल किया है. हालांकि, अभी तक रिलीज की कोई भी डेट मेकर्स ने अनाउंस नहीं की है. हालांकि, वहीं कुछ लोगों ने पोस्टर के शेयर करने के हिसाब से ये अंदाजा लगाया है कि फिल्म भी किसी त्योहार के मौके पर ही रिलीज हो सकती है.

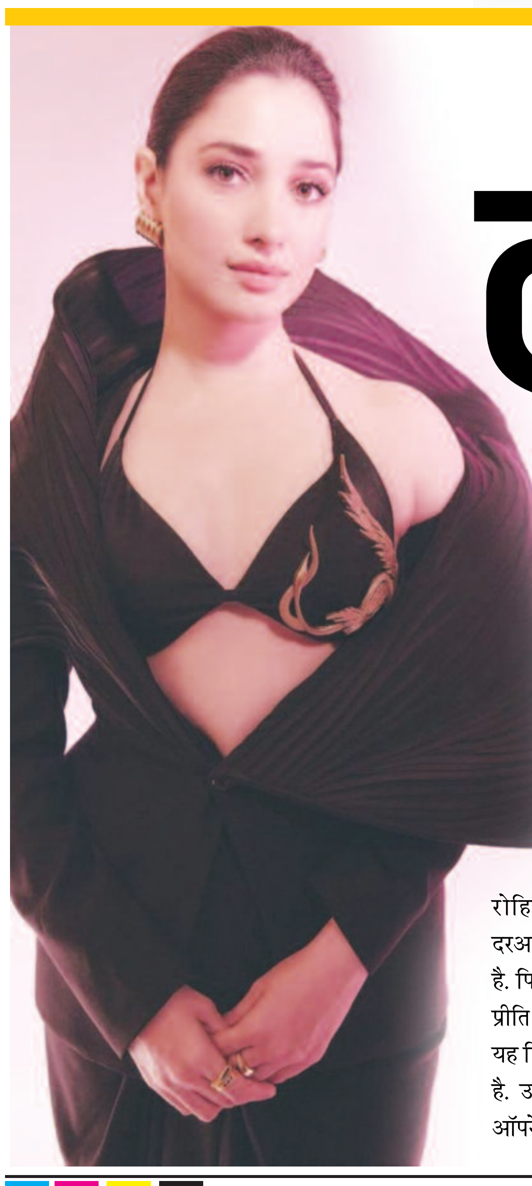

'चेले' अजय देवगन के बाद

तमन्ना भाटिया

ने थामा 'गुरु' का हाथ! शाहरुख खान के 'दुश्मन' के साथ धांसू रोल मिल गया!

एक बार जिस हीरो-हीरोइन की फिल्म अच्छी कमाई कर ले, उसके बाद पिक्चर के स्टार्स को बैक-टू-बैक फिल्मों के ऑफर मिलते हैं. ऐसा ही कुछ 'स्त्री 2' में स्पेशल नंबर करने वाली एक्ट्रेस के साथ हो रहा है. साउथ की ये एक्ट्रेस और कोई नहीं, बल्कि तमन्ना भाटिया हैं. जो इस वक्त डायरेक्टर्स की पसंद बनी हुई हैं. हाल ही में उन्होंने अजय देवगन की 'रेड 2' में आइटम नंबर परफॉर्म किया. उनका 'नशा' हर किसी को पसंद आया है. हालांकि, इस फिल्म के अलावा तमन्ना भाटिया के खाते में कई और फुल फ्लैज्ड रोल वाली फिल्में हैं. अब किस गुरु का हाथ थाम लिया है ?

तमन्ना को किसके अपोजिट मिला रोल ?

हाल ही में पीपिंगमून पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि रोहित शेट्टी की अपकमिंग बायोपिक में तमन्ना भाटिया की एंट्री हो गई है. दरअसल यह बायोपिक मुंबई पुलिस कमिश्नर Rakesh Maria की कहानी पर बेस्ड है. फिल्म में जॉन अब्राहम लीड रोल में होंगे. वहीं अब पता लगा है कि उनकी पत्नी प्रीति मारिया का किरदार तमन्ना भाटिया को ऑफर हुआ है.राकेश मारिया, जिनपर यह फिल्म बनाई जा रही है. उनकी जिंदगी में उनकी पत्नी प्रीति का अहम रोल रहा है. उन्होंने हर मुश्किल घड़ी में पति का साथ दिया है. साथ ही पति जब बड़े ऑपरेशन में जाकर देश की सेवा कर रहे थे, तब पीछे से परिवार और बच्चों को संभाला. उनका रोल इस फिल्म में काफी बड़ा होने वाला है. दरअसल तमन्ना भाटिया इस रोल को करने के लिए काफी खुश और एक्साइटेड हैं.

पहले भी निभा चुकी हैं पत्नी का रोल

बीते साल जॉन अब्राहम की फिल्म 'वेदा' रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ शरवरी वाघ दिखी थीं. हालांकि, इसी पिक्चर में तमन्ना भाटिया ने उनकी पत्नी का रोल प्ले किया था. हालांकि, वो एक कैमियो था. इस फिल्म में रोल काफी बड़ा और अहम होने वाला है.दरअसल जॉन अब्राहम के हाथ भी कई बड़ी फिल्में लग चुकी हैं. वो शाहरुख खान की पठान में विलेन बने थे, जो उनसे भिड़ते हुए दिखाई दिए थे. ऐसा कहा जा रहा है कि पठान 2 में भी उनकी वापसी हो सकती है. हालांकि मेकर्स उनके रोल को लेकर कुछ और प्लान कर रहे हैं. देखना होगा कब तक ऐलान होता है.

तमन्ना भाटिया के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

तमन्ना भाटिया की स्त्री 2 ने 800 करोड़ रुपये से ज्यादा वर्ल्डवाइड छापे थे. हाल ही में वो रेड 2 के गाने 'नशा' में दिखीं. इसके अलावा वो अजय देवगन की रेंजर में भी काम कर रही हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो शूट शुरू भी कर चुकी हैं. बीते दिनों ऐसी खबर आई थी कि उनकी वरुण धवन और अर्जुन कपूर की NO ENTRY 2 में एंट्री हो गई है. अब रोहित शेट्टी की फिल्म में होंगी. एक के बाद एक 3 बड़े प्रोजेक्ट्स हाथ लगे हैं. खासकर सिंघम गैंग वालों के साथ काम कर रही हैं. पहले चेला, तो अब गुरु की बारी है.